खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | शनिवार, 24 जनवरी, 2026 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-8 रु. | वर्ष-8 | अंक-23

मुख्यमंत्री जन आवास योजना-3A

के तहत जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा अनुमोदित एवं रेरा में पंजीकृत नितल इंफ्रा प्रोजेक्ट्स एलएलपी द्वारा विकसित आवासीय योजना

90% तक लोन उपलब्ध

विश्वस्तरीय क्लब हाउस व स्विमिंग पूल

केन्द्रीय व राज्य कर्मचारियों, कॉर्पोरेट्स एवं प्रवासी राजस्थानवासियों के लिए **1 लाख रुपये** तक की विशेष छूट।

नितल

स्टूडियो और 3 बीएचके अपार्टमेंट

आवेदन की अंतिम तिथि

24 जनवरी, 2026

उपलब्ध फ्लैट	पंजीकरण राशि	मूल कीमत
स्टूडियो फ्लैट	₹66,000	₹23.0 लाख*
3 BHK फ्लैट	₹96,000	₹44.0 लाख*

आवेदन हेतु SCAN करें

www.nitalcmjanawas.in

9785 30 7000
9772 51 1112

विकासकर्त्ता -
नितल इंफ्राप्रॉजेक्ट्स एलएलपी

*Terms & Conditions Apply

झुंझुनूं का श्री पंचदेव मंदिर

कलियुग के चमत्कारी देव : विष्णुअवतारी श्री बाबा गंगाराम

विष्णु अवतारी बाबा गंगाराम और उनके राजस्थान (झुंझुनूं) स्थित पावन धाम श्री पंचदेव मंदिर के प्रति भक्तों की श्रद्धा प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। देश के कोने-कोने से भक्तगण बाबा के दरबार में आते हैं और अपनी श्रद्धा और भक्ति से बाबा की आराधना करते हैं। यह भक्तों की श्रद्धा और विश्वास का ही फल है कि उनकी सभी समस्त मनोकामनायें बाबा के दरबार में अवश्य पूरी होती हैं। प्रथम तो बाबा की चित्ताकर्षक प्रतिमा के दर्शन से ही भक्तों के सारे आन्तरिक क्लेश दूर हो जाते हैं एवं जो दिव्यानुभूति होती हैं, उससे जीवन में नई शक्ति का संचार होता हैं, यह सब अनुभव करके ही जाना जा सकता है।

सीकर-लोहारू राजमार्ग पर अवस्थित झुंझुनूं नगर में प्रवेश करते ही बाबा का धाम दृष्टिगोचर होने लगता है। यहाँ बाबा गंगाराम, भगवान शिव, पवनपुत्र

हनुमान, माँ दुर्गा, माँ लक्ष्मी सहित कुल पांच मंदिर है। इसीलिए इस मंदिर का नाम 'श्री पंचदेव मंदिर' पड़ा। इस विशाल मंदिर का कलात्मक शिल्प, मनोहारी दृश्य एवं आध्यात्मिक वातावरण ब्रह्मानंद की अनुभूति कराता है। श्री पंचदेव मंदिर का निर्माण बाबा के स्वप्नादेश के बाद उनके परम आराधक श्री देवकीनंदन ने गंगादशहरा सन 1975 में झुंझुनूं में करवाया। मंदिर के कण-कण में भक्त शिरोमणि देवकीनंदन के त्याग-तपस्या व बलिदान की गूँज सुनाई देती है।

बाबा गंगाराम प्राकट्य व लीलाएँ :-

झुंझुनूं-राजस्थान में अग्रवंशीय वैश्यकुल में पिता झूथारामजी व माता लक्ष्मी देवी के यहाँ श्रावण शुक्ल दशमी सन 1895 को श्री विष्णु अंश से बाबा ने अवतार ग्रहण किया। कुलपुरोहित ने बाबा के अलौकिक जन्म-नक्षत्रों को देखकर बताया कि यह अवतारी बालक 'गंगा' के समान पाप विनाशक एवं 'राम' के समान पतित पावन होगा, अतएव इसका नाम 'गंगाराम' होगा। शुभाशुभ लक्षणों से उनके दिव्य गुणों का आभास परिजनों को बाल्यकाल से ही मिलने लगा था। युवावस्था तक बाबा के उद्गारों एवं विलक्षण शक्तियों की चर्चा आम हो चली थी, परन्तु गृहस्थी लोकाचार एवं मायामोह उन्हें बांध न पाया। वे उत्त-रप्रदेश के बाराबंकी जनपद के सफदरगंज नामक स्थान में कल्याणी नदी के तट पर पधारे और इसे अपनी कर्मभूमि बनाया। इसी कल्याणी नदी के जल में बाबा ने अपने विष्णु रूप का दर्शन भक्तों को कराया। पहले कल्याणी नदी में सिर्फ वर्षा ऋतु में ही जल प्रवाहित होता था, परन्तु बाबा के वहां पधारने के बाद से ही वह बारहमासी नदी के रुप में प्रवाहित होने लगी। उनके अद्भुत- अद्भुत चमत्कारों का वर्णन करना संभव नहीं है। जब तक जनसाधारण उन्हें पहचान पाते, बाबा मात्र 42 वर्ष की अल्पायु में ही स्वधाम प्रयाण कर गए।

मंदिर निर्माण का स्वप्नादेश :-

बाबा ने अपने विष्णुलोक गमन के करीब 30 वर्ष पश्चात् अपने परमप्रिय भक्त देवकीनंदन को स्वप्न में अलौकिक दर्शन के द्वारा श्री पंचदेव मंदिर की स्थापना का आदेश दिया और उन्होंने अपनी भक्तिमती धर्मपत्नी गायत्रीदेवी के साथ गंगादशहरा सन 1975 में झुंझुनूं नगर में भव्य एवं विशाल पंचदेव मंदिर की स्थापना कराई। लाखों भक्तों की आस्था का प्रतीक श्री पंचदेव मंदिर मानव मात्र के कल्याण का केंद्र बिंदु बन गया।

त्याग, तपस्या और भक्ति का इतिहास:-

भक्त शिरोमणि श्री देवकीनंदन एवं शक्ति स्वरूपा देवी गायत्री बाबा की लीलाओं के प्रबल वाहक थे। उन्होंने बाबा की भक्ति में तन-मन-धन न्यौछावर करते हुए भक्ति का जो इतिहास लिखा, वो अभूतपूर्व है। झुंझुनूं में पंचदेव मंदिर की स्थापना के पश्चात् उन्हें सांसारिक मोह माया से विरक्ति हो गई। उन्होंने अपनी करोड़ों की सम्पदा, चल-अचल संपत्ति का तिनके की भांति त्याग कर दिया और अपने दो पुत्र और चार पुत्रियों सहित मंदिर परिसर को ही अपना संसार समझकर बाबा की सेवा में समर्पित हो गए। राजा हरिश्चंद्र की भांति उनका ये त्याग, आज के भौतिक युग में स्वयं एक उदाहरण बन गया। बाबा की भक्ति करते-करते अंततः 21 अप्रैल 1992, वैशाख कृष्ण चतुर्थी को संसार को सत्य, त्याग एवं भक्ति का मार्ग दिखाने वाले भक्त शिरोमणि देवकीनंदन ने बाबा गंगाराम का नाम लेते-लेते अपने नश्वर शरीर को त्याग दिया।

चिता पर अलौकिक चमत्कार :-

जब उनके पार्थिव शरीर को पंचतत्व में विलीन किया जा रहा था, तब उनकी भक्तिमती धर्मपत्नी देवी

गायत्री की करुण पुकार पर जलती हुई चिता से उनका दाहिना हाथ ऊपर उठकर आशीर्वाद देता हुआ लहराने लगा। मस्तक से जल की धारा बहने लगी और चेहरा बालरूप में परिणित हो गया। परमाराध्य बाबा गंगाराम की कृपा से सब कुछ संभव है। आज के इस घोर कलियुग में इससे बड़ा अलौकिक चमत्कार और क्या हो सकता है। चिता पर हुए चमत्कारों के चित्र आज भी वहां उपलब्ध है। जैसे राम के परमभक्त होने का गौरव भक्त हनुमान को मिला, वही स्थान बाबा गंगाराम के चरणों में भक्त देवकीनंदन को प्राप्त हुआ।

शक्ति स्वरूपा माता गायत्री देवी :-

शक्ति स्वरूपा माता गायत्री देवी आध्यात्मिक शक्तियों से परिपूर्ण परम तपस्विनी थी। भक्त शिरोमणि देवकीनंदन के महाप्रयाण के पश्चात् मंदिर परिसर में अनवरत साधना में लीन रहते हुए उन्होंने लाखों भक्तों को उचित मार्गदर्शन व आशीर्वचन देकर उनका जीवन बदल दिया। वे करुणा, प्रेम, दया, परोपकार की साकार प्रतिमा एवं परम विदुषी थी। सीता अनुसुईया और सावित्री की भांति वे सत्य और त्याग की प्रतिमूर्ति थी। वे सदा भक्ति के चैतन्य लोक में रहती थी और प्रत्येक के ह्रदय की बात जानती थी। उनके मुख से जो भी निकला वो भक्तो के लिए मंत्रतुल्य हो गया। तत्पश्चात देवी गायत्री ने भी अपनी भक्ति और तप से बाबा गंगाराम की महिमा को सारे संसार में प्रकाशित करते हुए सन 2017 में महाप्रयाण किया।

आशीर्वाद मंदिर – स्थापत्य कला का बेजोड़ उदाहरण :-

श्री बाबा गंगाराम के पावन धाम श्री पंचदेव मंदिर में भक्त-द्वय की साधना के मूर्तिमान स्वरुप नवनिर्मित आशीर्वाद मंदिर की स्थापना से ऐसा प्रतीत होता है,

मानों पूरे परिसर में स्वर्ग ही उतर आया हो। सफ़ेद संगमरमर से निर्मित इस मंदिर का आकर्षण एवं कलात्मकता मन मोह लेती है। शिव स्वरुप देवकीनंदन एवं शक्ति स्वरूपा देवी गायत्री की युगल प्रतिमा के

दर्शन से भक्तगण उनका आशीर्वाद पाकर अपने जीवन को धन्य बनाते हैं। इस प्रकार श्री पंचदेव मंदिर और श्री आशीर्वाद मंदिर दोनों मिलकर एक ही परिसर में वैकुण्ठ और कैलाश का आभास कराते हैं। यह मंदिर प्राचीन शिल्पकला के नागर शैली मे निर्मित हुआ है, इस मंदिर में लोहे या स्टील का प्रयोग नहीं किया

गया है। केवल पत्थरों को पत्थरों के भार से जोड़कर आकार प्रदान किया जाता है। इसमें एक-एक पत्थर को बारीकी से तराश कर बहुत ही खूबसूरत स्वरूप

प्रदान किया गया है, जो देखते ही बनती है।

मंदिर मुख्य शिखर सहित पाँच गुंबदों से अलंकृत है, जो भक्तों के मन में एक दैविक आनंद की अनुभूति कराते हें। मध्य गुंबद की गोलाकार छत पर नृत्य-वादन करती हुई गन्धर्वों की मूर्तियाँ बोलती सी प्रतीत होती है। यहाँ से गर्भ-गृह के दर्शन होने लगते हैं, जहाँ विराजित भक्त शिरोमणि श्रीदेवकीनंदन एवं शक्तिस्वरूपा देवी गायत्री के दिव्य श्रीविग्रह के वरद

मुद्रा के दर्शन होते ही भक्त कृत्य-कृत्य हो उठते हैं।

मंदिर परिक्रमा-पथ की दीवारों पर भक्त-द्वय के जीवन प्रसंगों को पत्थरों में उकेर कर बनाया गया है, जो सहज ही अपनी ओर आकर्षित करते हैं, और दर्शक उन प्रेरणादायी प्रसंगों के गूढ रहस्यों में खो जाते हें। मंदिर में पूर्ण स्तंभ (खंभे) और अर्ध स्तंभ सहित कुल 24 नक्काशीदार खंभे हें, जिन पर पौराणिक भक्तों और ऋषि-मुनियों की सुंदर मूर्तियाँ तराशी गई है। मंदिर का हर पत्थर बोलता सा प्रतीत होता है।

मंदिर की रज की महिमा:-

बाबा के धाम की पावन 'रज' की महिमा अपरम्पार है। बाबा के धाम की यात्रा करने वाले श्रद्धालु, श्री पंचदेव मंदिर एवं आशीर्वाद मंदिर में दर्शन कर वहां की पावन 'रज' को मस्तक से लगते हैं और आशीर्वाद स्वरूप अपने साथ घर ले जाते हैं। भक्तों के लिए ये अमूल्य प्रसाद बन गयी है। इसी रज में त्याग, तपस्या

और भक्ति का तेज समाहित है। इसी कारण इस रज को लगाने से एवं घर में छिड़कने से सभी कष्ट दूर होते हैं एवं सुख समृद्धि की प्राप्ति होती है। बड़े से बड़े असाध्य रोगों का भी इससे निवारण होते देखा गया है। आशीर्वाद से भरी हुई इस रज को लगाने से कितने ही निःसंतानों की गोदियाँ भर गई। इसको प्रयोग में लेने से सात्विक वातावरण का निर्माण होता है और कष्टों से मुक्ति मिलती है।

बाबा गंगाराम की भक्ति से लोगों को भौतिक सुख तो प्राप्त होते ही हैं, साथ ही जीवन में सही दिशा भी प्राप्त होती है। इस प्रकार त्याग, तपस्या और भक्ति का साकार स्वरूप बाबा गंगाराम धाम आज लाखों भक्तों के विश्वास का केंद्र बिंदु बन गया है। भक्त शिरोमणि श्री देवकीनंदन और परम आराधिका माता गायत्री देवी की कठोर साधना युगों-युगों तक भक्तों को आध्यात्मिक शक्ति प्रदान करती रहेगी, मार्गदर्शन करती रहेगी।बाबा की महिमा को शब्दों में लिखना संभव नहीं है। मंदिर में प्रतिवर्ष गंगादशहरा को 'पाटोत्सव पर्व', श्रावण शुक्ल दशमी को बाबा की जयंती एवं वैशाख कृष्ण चतुर्थी को 'आशीर्वाद दिवस' धूमधाम से समारोहपूर्वक मनाया जाता है। बाबा की कृपा पाने के लिए उनकी ओर श्रद्धा से सिर्फ एक कदम बढ़ाने की ज़रूरत हैं। बाबा की कृपा ने लाखों भक्तों का जीवन बदल दिया है। घर-घर में उनकी कृपा बरस रही है और कलियुग के इस अवतार की सर्वत्र जय-जयकार हो रही है।

गुप्त नवरात्रि के छठे दिन स्कंद षष्ठी, जानें शुभ-अशुभ समय

गुप्त नवरात्रि का पावन पर्व जारी है, जो भगवती दुर्गा और दस महाविद्याओं की गोपनीय आराधना को समर्पित है। यह नवरात्रि मुख्य रूप से तांत्रिक साधकों द्वारा मनाई जाती है। शनिवार को गुप्त नवरात्रि का छठा दिन है, इस दिन माता के छठे रूप की पूजा-अर्चना की जाती है। इसके साथ ही शनिवार को स्कंद षष्ठी भी है। दृक पंचांग के अनुसार, शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि 24 जनवरी की देर रात 12 बजकर 39 मिनट से अगले दिन 25 जनवरी तक रहेगी, उसके बाद सप्तमी शुरू हो जाएगी। नक्षत्र उत्तर भाद्रपद दोपहर 2 बजकर 16 मिनट तक रहेगा, फिर रेवती नक्षत्र शुरू हो जाएगा। करण कौलव दोपहर 1 बजकर 15 मिनट तक और फिर तैतिल रहेगा। वहीं, चंद्रमा मीन राशि में संचार करेंगे। सूर्योदय 7 बजकर 13 मिनट पर और सूर्यास्त शाम 5 बजकर 54 मिनट पर होगा। माघ माह, शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि पर शुभ मुहूर्त की बात करें तो ब्रह्म मुहूर्त सुबह 5 बजकर 26 मिनट से 6 बजकर 20 मिनट तक, अभिजित मुहूर्त दोपहर 12 बजकर 12 मिनट से 12 बजकर 55 मिनट तक, विजय मुहूर्त दोपहर 2 बजकर 20 मिनट से 3 बजकर 3 मिनट तक रहेगा। अमृत काल सुबह 9 बजकर 31 मिनट से 11 बजकर 6 मिनट तक, रवि योग सुबह 7 बजकर 13 मिनट से 10 बजकर 56 मिनट तक रहेगा। अशुभ समय भी नोट कर लें। राहुकाल सुबह 9 बजकर 53 मिनट से 11 बजकर 13 मिनट तक, यमगंड दोपहर 1 बजकर 53 मिनट से 3 बजकर 13 मिनट तक रहेगा। शनिवार को पूरे दिन पंचक है, इसलिए नए या शुभ कार्य करने से बचें। शनिवार को स्कंद षष्ठी भी है, जो भगवान कार्तिकेय (स्कंद या मुरुगन) को समर्पित विशेष दिन है, यह हर महीने शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि पर पड़ती है। यह दिन भगवान स्कंद की पूजा, व्रत और कवच पाठ के लिए समर्पित है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इस दिन भक्ति भाव से की गई पूजा से भगवान प्रसन्न होते हैं और इससे साहस, विजय सुख-समृद्धि के आशीर्वाद के साथ नकारात्मकता से मुक्ति मिलती है।

कुंभ राशि में बुध का प्रवेश, सोच-समझ और फैसलों में आएगा बड़ा मोड़

ज्योतिष शास्त्र में बुध ग्रह को बुद्धि, संवाद, तर्क, व्यापार और निर्णय क्षमता का कारक माना जाता है। यही कारण है कि जब भी बुध अपनी राशि बदलते हैं, तो उसका सीधा असर इंसान की सोच, बोलचाल और कामकाज के तरीकों पर दिखाई देता है। फरवरी की शुरुआत में बुध मकर राशि से निकलकर कुंभ राशि में प्रवेश करने जा रहे हैं। यह गोचर केवल ग्रहों की चाल नहीं बदलेगा, बल्कि कई राशियों की दिशा और दशा में भी बदलाव लाएगा। कुंभ राशि में बुध का आना नई सोच, अलग नजरिए और भविष्य से जुड़े बड़े फैसलों को मजबूती देगा। खास बात यह है कि कुछ राशियों के लिए यह समय लंबे समय से अटके कामों को गति देने वाला साबित हो सकता है।

मेष राशि-मेष राशि के जातकों के लिए बुध का कुंभ राशि में गोचर नए संपर्क और नए अवसर लेकर आ सकता है। इस दौरान आपकी सोच अधिक व्यावहारिक होगी और आप भविष्य की योजनाओं पर गंभीरता से काम करेंगे। नौकरी या व्यवसाय में जिन कामों को लेकर असमंजस बना हुआ था, उनमें अब स्पष्टता आएगी। सामाजिक दायरा बढ़ने से आपको ऐसे लोगों से जुड़ने का मौका मिल सकता है, जो आगे चलकर आपके लिए फायदेमंद साबित होंगे।

मिथुन राशि-मिथुन राशि के लिए यह गोचर विशेष महत्व रखता है, क्योंकि बुध आपके स्वामी ग्रह हैं। इस समय आपकी सीखने और समझने की क्षमता में तेजी आएगी। पढ़ाई, प्रतियोगी परीक्षा या करियर से जुड़े निर्णयों में सकारात्मक संकेत मिल सकते हैं। बातचीत और तर्क के दम पर आप अपनी बात प्रभावी ढंग से रख पाएंगे, जिससे अटके हुए काम आगे बढ़ने लगेंगे।

सिंह राशि-सिंह राशि वालों के जीवन में बुध का यह गोचर रिश्तों और साझेदारी के मामलों में बदलाव लेकर आएगा। जिन संबंधों में गलतफहमी या दूरी बनी हुई थी, वहां संवाद के जरिए समाधान निकल सकता है। कार्यक्षेत्र में सहयोग बढ़ेगा और किसी नई जिम्मेदारी या प्रस्ताव की संभावना बन सकती है। आपकी निर्णय लेने की क्षमता मजबूत होगी, जिससे आत्मविश्वास भी बढ़ेगा।

तुला राशि-तुला राशि के लिए यह समय रचनात्मकता और नए विचारों का रहेगा। लेखन, मीडिया, डिजाइन या किसी भी क्रिएटिव फील्ड से जुड़े लोगों को खुद को साबित करने का मौका मिल सकता है। निजी जीवन में भी बातचीत खुलकर होगी, जिससे रिश्तों में संतुलन आएगा। आर्थिक मामलों में सोच-समझकर लिए गए फैसले आगे चलकर लाभ दे सकते हैं।

कुंभ राशि-कुंभ राशि वालों के लिए बुध का अपनी ही राशि में गोचर सबसे ज्यादा असर दिखाने वाला है। इस दौरान आपकी सोच स्पष्ट होगी और आप अपने विचार बिना झिझक सामने रख पाएंगे। करियर, पढ़ाई और संचार से जुड़े क्षेत्रों में सकारात्मक परिणाम मिलने की संभावना है। इस समय लिए गए फैसले भविष्य की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभा सकते हैं।

पूजा के समय करें ये आसान उपाय

ज्योतिष शास्त्र में देवगुरु बृहस्पति धन के कारक माने जाते हैं। कुंडली में गुरु मजबूत होने से जातक को जीवन पर्यंत धन का अभाव नहीं होता है। वहीं, कुंडली में गुरु कमजोर होने पर जातक को धन संबंधी परेशानी हमेशा बनी रहती है। अतः ज्योतिष कुंडली में गुरु मजबूत करने की सलाह देते हैं। इसके लिए गुरुवार के दिन भगवान विष्णु एवं मां लक्ष्मी की पूजा करें। महिलाएं गुरुवार का व्रत जरूर करें। इस व्रत के पुण्य-प्रताप से सुख और सौभाग्य में वृद्धि होती है। साथ ही व्रती को मनचाहा वर मिलता है। अगर आप भी आर्थिक विषमता को दूर करना चाहते हैं, तो गुरुवार के दिन विधि-विधान से भगवान विष्णु की पूजा करें। साथ ही पूजा के समय ये आसान उपाय जरूर करें। इन उपायों को करने से आय और सौभाग्य में अपार वृद्धि होती है।

अगर आप धन की समस्या को दूर करना चाहते हैं, तो गुरुवार के दिन स्नान-ध्यान के बाद विधि-विधान से भगवान विष्णु एवं मां लक्ष्मी की पूजा करें। इस समय भगवान विष्णु को गांठ वाली सात हल्दी अर्पित करें। पूजा के पश्चात हल्दी को पीले वस्त्र में बांधकर तिजोरी में रख दें। इस उपाय को करने से अवश्य ही लाभ मिलता है।

गुरुवार के दिन प्रातः काल में उठें। गृह के सभी कार्य संपन्न होने के बाद गंगाजल युक्त पानी से स्नान करें। इस समय आचमन कर पीले रंग के वस्त्र धारण करें। अब हल्दी मिश्रित जल से केले के पौधे में जल का अर्घ्य दें। इस समय निम्न मंत्र का उच्चारण करें। इस मंत्र के जप से आर्थिक तंगी दूर होती है। साथ ही घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

भगवान विष्णु एवं मां लक्ष्मी को एकाक्षी नरियल अति प्रिय है। अतः गुरुवार के दिन पूजा के समय भगवान विष्णु को एकाक्षी नारियल अर्पित करें। पूजा समापन के बाद नारियल को पीले रंग के वस्त्र में बांधकर घर के मुख्य द्वार पर बांध दें। आप चाहे तो एकाक्षी नारियल को तिजोरी में भी रख सकते हैं। अगर आप आर्थिक तंगी से गुजर रहे हैं, तो गुरुवार के दिन विधि-विधान से भगवान विष्णु की पूजा करें। इसके पश्चात मंदिर जाकर भगवान विष्णु को बांसुरी या दक्षिणावर्ती शंख अर्पित करें। आप बांसुरी को घर पर भी ला सकते हैं। वास्तु शास्त्रों में निहित है कि घर पर बांसुरी रखने से सुख और सौभाग्य में वृदि होती है।

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | शनिवार, 24 जनवरी, 2026 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-8 रु. | वर्ष-8 | अंक-23

TELANGANA PRAVASI SAMAJ WELFARE ORGANIZATION
TPSWO

राष्ट्रीय मतदाता दिवस

जन-जागरूकता अभियान

आमंत्रण

25 जनवरी 2026

प्रातः 6:30 बजे से 9:00 बजे तक

लोकतंत्र को कर्म से आदरांजली

राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर, हम समस्त नागरिकों एवं संस्थानों को भारत की लोकतांत्रिक भावना को सामूहिक रूप से सम्मानित करने तथा स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनावों की रक्षा करने वाले चुनाव अधिकारियों की निःस्वार्थ एवं मूक सेवा को नमन करने हेतु आमंत्रित करते हैं।

यह कार्यक्रम प्रत्येक नागरिक को यह पुनः स्मरण कराता है कि लोकतंत्र मौन में नहीं, बल्कि सक्रिय सहभागिता में फलता-फूलता है।

Run4Vote INDIA

VOTEaTHON

मुख्य अतिथि

मेजर जनरल अजय मिश्रा

जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ,
तेलंगाना एवं आंध्र सब एरिया (TASA), भारतीय सेना

VOTEaTHON धावकों को हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ करेंगे

OATH2VOTE

Oath2Vote

मुख्य अतिथि

श्री आर. वी. कर्णन IAS

आयुक्त, GHMC, तेलंगाना
100% मतदान को प्रोत्साहित करते हुए जनसामान्य को शपथ दिलाएंगे

vote100%

VOTEaTHON टी-शर्ट

स्थल के प्रवेश द्वार पर उपलब्ध होगी सभी प्रतिभागियों के लिए जलपान की व्यवस्था है

भारत के गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर

देशभक्ति गीतों

के साथ गणतंत्र की भावना का उत्सव

JOSH

Jai Ho Our Soldier Heroes

विश्व की सबसे ऊँची इलेक्ट्रानिक वोटिक मशीन (EVM) का प्रदर्शन - जो विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र में **हर एक मत** की शक्ति का प्रतीक हैं।

INDIA's BIGGEST EVM

Program Sponsored by

SBI
The banker to every Indian

स्थान : **संजिवैया पार्क**, नेकलेस रोड, हैदराबाद

आयोजक : **तेलंगाना प्रवासी समाज वेलफेयर ऑर्गनाइजेशन** (गैर-सरकारी संगठन)

व्हाट्सऐप एवं संपर्क: 7680837749 / 9849037749 ईमेल: helpdesktpswo.org वेबसाइट : www.tpswo.org पंजीकरण संख्या : 299/IV/2023

तेलंगाना प्रवासी समाज का एलान - करेंगे शत-प्रतिशत मतदान

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ

बसंती पंचमी 2026 : येलो आउटफिट्स में बॉलीवुड एक्टर्स का देसी-स्टाइल स्टेटमेंट

बसंत पंचमी, वसंत ऋतु के स्वागत और नई ऊर्जा के संचार का पर्व है, जो जीवन में उमंग, आशा और रचनात्मकता का संदेश देता है। इस दिन पीला रंग ज्ञान, समृद्धि और सकारात्मक सोच का प्रतीक माना जाता है। जहां अभिनेत्रियां पीले परिधानों में बसंत की कोमलता को दर्शाती हैं, वहीं बॉलीवुड के पुरुष सितारे भी येलो आउटफिट्स में अपने देसी और मॉडर्न स्टाइल का खूबसूरत संगम पेश करते हैं। तो आइए एक नज़र डालते हैं अपने पीले लुक्स में वसंत पंचमी के उल्लास और आत्मविश्वास को और निखारते इन एक्टर्स के स्टाइल स्टेटमेंट पर।

रणवीर सिंह: रणवीर सिंह का येलो लुक हमेशा की तरह बोल्ड और एनर्जेटिक नज़र आता है। उनका एक्सपेरिमेंटल स्टाइल बसंत की मस्ती और खुलेपन को दर्शाता है।

कार्तिक आर्यन: पीले कुर्ते में नज़र आ रहे कार्तिक आर्यन ने पीले रंग में मिनिमल और एलिगेंट स्टाइल अपनाया है, जो सादगी में सुंदरता का उदाहरण बना हुआ है।

शाहिद कपूर: शाहिद कपूर ने पीले रंग में क्लासी और बैलेंस्ड अंदाज़ अपनाया है। उनका सॉफ्ट, लेकिन स्ट्रॉन्ग लुक शांति और आत्मविश्वास का प्रतीक बना हुआ है।

सिद्धांत चतुर्वेदी: सिद्धांत चतुर्वेदी का येलो अवतार यंग एनर्जी और मॉडर्न वाइब्स से भरपूर है। उनका लुक नई पीढ़ी के आत्मविश्वास और बदलाव की सोच को दर्शाता है।

विक्की कौशल: विक्की कौशल का पीला परिधान सादगी और देसी चार्म का खूबसूरत मेल है। उनका अंदाज़ मेहनत, सकारात्मकता और ज़मीन से जुड़ेपन की झलक देता है।

रणबीर कपूर: रणबीर कपूर का पीले रंग में सादा और क्लासी अंदाज़ उनकी नेचुरल चार्म को और उभारता है। उनका यह लुक दिखाता है कि बिना ज़्यादा तामझाम के भी फेस्टिव स्टाइल में ग्रेस लाई जा सकती है।

सिद्धार्थ मल्होत्रा: सिद्धार्थ मल्होत्रा ने पीले परिधान में मिनिमल और एलिगेंट स्टाइल अपनाया है। उनका सधा हुआ लुक आत्मविश्वास और शांति का प्रतीक दर्शाता है, जो वसंत पंचमी की सौम्य भावना से पूरी तरह मेल खाता है।

पुलकित सम्राट: पुलकित सम्राट का येलो लुक फ्रेश और फेस्टिव फील के साथ सामने आता है। उनकी मुस्कान बसंत की खुशी और अपनापन दर्शाती है।

मनीष पॉल: मनीष पॉल का येलो आउटफिट उनकी पॉजिटिव पर्सनैलिटी को और उभारता है। उनका फन-लविंग अंदाज़ वसंत पंचमी के उत्साह से पूरी तरह मेल खाता है।

रोहित सराफ: रोहित सराफ का येलो लुक, यंग एनर्जी और फ्रेश वाइब्स से भरपूर नज़र आ रहा है। अगर यह कहें तो गलत नहीं होगा कि उनका स्टाइल नई पीढ़ी की सोच, सहजता और आधुनिकता को दर्शाता है।

वसंत पंचमी केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि उम्मीद, रचनात्मकता और नई ऊर्जा का उत्सव है। ऐसे में इन बॉलीवुड सितारों के पीले परिधान इस बात का प्रमाण हैं कि वसंत के रंग न सिर्फ प्रकृति में, बल्कि फैशन और सोच में भी खिल उठते हैं।

नीरज वोरा: अक्षय कुमार से लेकर सुनील शेट्टी तक के करियर को ऊंचाई देने वाले बॉलीवुड के जादूगर

बॉलीवुड के मशहूर एक्टर, निर्देशक और लेखक नीरज वोरा की बहुमुखी प्रतिभा ने हिंदी सिनेमा में एक अलग पहचान बनाई। उन्होंने अपने करियर में अक्षय कुमार, परेश रावल और सुनील शेट्टी जैसे सितारों के साथ कॉमेडी का जादू बिखेरा। उनकी फिल्में 'हेरा फेरी', 'फिर हेरा फेरी' और 'बोल बच्चन' आज भी दर्शकों को हंसाती हैं। नीरज वोरा का जन्म 22 जनवरी 1963 को गुजरात के भुज में हुआ। उनके पिता, पंडित विनायक राय ननलाल वोरा, एक शास्त्रीय संगीतकार थे और उन्होंने अपने बेटे को बचपन से ही संगीत और कला का ज्ञान दिया। नीरज का बचपन मुंबई के सेंटाक्रूज इलाके में बीता। छह साल की उम्र में ही नीरज ने थिएटर में कदम रखा और कॉलेज के दिनों में उन्होंने ड्रामा और एक्टिंग में कई अवॉर्ड भी जीते। नीरज ने बॉलीवुड में अपने करियर की शुरुआत 1984 में फिल्म 'होली' से की। इस फिल्म में आमिर खान, आशुतोष गोवारिकर, नसीरुद्दीन शाह, ओम पुरी, दीप्ती नवल, परेश रावल और मोहन गोखले जैसे बेहतरीन कलाकार थे। इसके बाद उन्होंने टीवी के लोकप्रिय शो 'सर्कस' और 'चोटी बड़ी बातें' में भी अपनी एक्टिंग का जलवा दिखाया। लेकिन असली पहचान उन्हें आमिर खान की फिल्म 'रंगीला' (1995) से मिली। इस फिल्म के डायलॉग्स और रोल्स ने दर्शकों का ध्यान खींचा।

इसके बाद उन्होंने कई हिट फिल्मों में लेखन, डायलॉग्स और कहानी का जादू दिखाया। नीरज वोरा की कॉमिक टाइमिंग और लेखन ने अक्षय कुमार, परेश रावल और सुनील शेट्टी जैसे सितारों को नए आयाम दिए। 2000 में आई फिल्म 'हेरा फेरी' ने अक्षय कुमार, परेश रावल और सुनील शेट्टी के करियर में नया मोड़ दिया। इस फिल्म की कहानी और नीरज के डायलॉग्स ने दर्शकों को खूब हंसाया।

इसके बाद, 2006 में 'फिर हेरा फेरी' में भी उन्होंने अपने उसी जादू को दोहराया और फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाया। नीरज का कॉमिक स्टाइल इतना अनोखा था कि उनकी फिल्में सिर्फ हंसी तक सीमित नहीं थीं, बल्कि दर्शकों को किरदारों से जोड़ती थीं। 2012 में 'बोल बच्चन' में भी उनकी लेखन क्षमता ने फिल्म को यादगार बना दिया।

नीरज सिर्फ लेखक ही नहीं थे, बल्कि डायरेक्टर और एक्टर भी थे। उन्होंने 'खिलाड़ी 420', 'फैमिलीवाला', और 'रन भोला रन' जैसी फिल्मों का निर्देशन किया और खुद भी कई फिल्मों में एक्टिंग की। 'मन', 'बादशाह', 'खट्टा-मीठा', और 'वेलकम बैक' जैसी फिल्मों में दर्शकों को उनकी एक्टिंग काफी पसंद आई। कॉमेडी के साथ-साथ, वह अपने किरदारों में गहराई लेकर आए। नीरज वोरा को उनके योगदान के लिए कई बार सम्मानित किया गया। उनके काम की सबसे बड़ी सराहना यह थी कि उन्होंने कॉमेडी को पारिवारिक और साफ-सुथरी शैली में पेश किया, जिससे हर उम्र के दर्शक उनकी फिल्मों का आनंद ले सकें।

अक्टूबर 2016 में नीरज को ब्रेन स्ट्रोक हुआ और इसके बाद उनकी सेहत बिगड़ गई। उन्हें दिल्ली के एम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया, और बाद में उनके दोस्त और निर्माता फिरोज नाडियाडवाला ने उन्हें अपने घर मुंबई में रखा। वहां उनके लिए आईसीयू का इंतजाम किया गया और लगातार डॉक्टर और नर्स उनकी देखभाल करते रहे। नीरज लगभग 13 महीने कोमा में रहे।14 दिसंबर 2017 को नीरज वोरा ने 54 वर्ष की आयु में अंतिम सांस ली। उनके निधन से बॉलीवुड में शोक की लहर दौड़ गई। सिनेमा के साथियों के अलावा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी अपने शोक संदेश में नीरज को याद किया था और उनकी फिल्मों में अतुल्य योगदान की सराहना की थी।

कंफर्ट जोन से बाहर निकलने का मौका है द 50 : रिद्धि डोगरा

फराह खान के रियलिटी शो 'द 50' का प्रीमियर 1 फरवरी को होने जा रहा है, जिसमें अभिनेत्री रिद्धि डोगरा भी नजर आएंगी। उन्होंने बताया कि इस शो को वह खुद को चुनौती देने और कंफर्ट जोन से बाहर निकलने का बड़ा मौका मानती हैं। रिद्धि डोगरा हमेशा मुश्किलों से सीखकर आगे बढ़ने में यकीन रखती हैं। उनके अनुसार, एक एक्टर के तौर पर वह लगातार कुछ न कुछ सीखने में विश्वास रखती हैं और खुद को उन दायरों से बाहर निकालने के तरीके तलाशती हैं, जहां एक्टर्स अक्सर फंस जाते हैं। वह कहती हैं, एक एक्टर के तौर पर, मैं हमेशा सीखने और खुद को उस दायरे से बाहर निकालने के नए तरीके ढूंढती रहती हूं, जिसमें एक्टर्स अक्सर फंस जाते हैं।

रिद्धि इस शो को एक खास चैलेंज के रूप में देख रही हैं, जो उन्हें नई जगहों की खोज करने का मौका देगा। खास बात यह है कि 'द 50' में वह कोई किरदार नहीं निभा रही हैं, बल्कि खुद के असली रूप में सामने आएंगी। वह बताती हैं, यह शो मुझे एक बिल्कुल नई दुनिया में कदम रखने का मौका देता है, जहां कोई किरदार नहीं है। मैं बस खुद के रूप में सामने आऊंगी और दर्शक मुझे देखेंगे जब मैं अपने कम्फर्ट जोन से बाहर निकलकर बेहतर पेश करूंगी।

अभिनेत्री प्रशंसकों के समर्थन और प्यार को अपना सबसे बड़ा सहारा मानती हैं। वह कहती हैं कि उनके फैंस और शुभचिंतक उनके पंख हैं, जो उन्हें उड़ान भरने की ताकत देते हैं। रिद्धि अपने सफर के हर पल को दर्शकों के साथ साझा करने के लिए उत्सुक हैं। फराह खान इस शो को होस्ट करेंगी, शो का प्रीमियर जियो हॉटस्टार और कलर्स टीवी पर होगा, जहां रिद्धि एक मजबूत दावेदार के रूप में नजर आएंगी।

'द 50' रियलिटी शो में 50 हस्तियां हिस्सा लेंगी, जो शो में कई चुनौतियों का सामना करती नजर आएंगी। लगभग 50 एपिसोड चलने के बाद एक विजेता चुना जाएगा। सबसे खास बात यह है कि इस शो में दर्शक भी प्राइज जीत सकते हैं। फैंस अपने पसंदीदा कंटेस्टेंट को चुनकर उस पर दांव लगा सकेंगे। अगर उनका चुना हुआ प्रतियोगी शो जीतता है, तो फैन को भी इनाम के एक हिस्से का लाभ मिलेगा।

बॉलीवुड हसीनाओं पर चढ़ा 'बसंती' रंग पीले लिबास में बिखेरा अपना जलवा

बसंत पंचमी के मौके पर पीला रंग सबसे खास माना जाता है, जो ऊर्जा, खुशी और समृद्धि का संकेत देता है। बॉलीवुड की कई खूबसूरत अभिनेत्रियां इस मौके पर पीले कपड़ों में नजर आकर फैशन और सकारात्मकता का शानदार संदेश दे रही हैं। उनके ये लुक बसंत की ताजगी और उमंग को चार चांद लगा रहे हैं। दीपिका पादुकोण: अभिनेत्री इस दिन पीले परिधान में रॉयल ग्रेस और आत्मविश्वास का खूबसूरत मेल पेश कर रही हैं। उनका लुक शक्ति, शांति और संतुलन का प्रतीक बना हुआ है, जो बसंत पंचमी की भावना से पूरी तरह मेल खाता है। कृति सेनन: अभिनेत्री का यह येलो अवतार फ्रेशनेस और यंग एनर्जी से भरपूर नजर आ रहा है, जो बसंत के उत्साह और नई शुरुआत की भावना को दर्शाता है।

आलिया भट्ट: अभिनेता रणबीर कपूर की पत्नी और अभिनेत्री आलिया का लुक काफी सादा और शानदार है। यह बसंत पंचमी की कोमलता को बखूबी दर्शाता है। उनकी नेचुरल स्माइल और सॉफ्ट स्टाइलिंग बसंत के नरम सौंदर्य की याद दिलाती है।

कृति खरबंदा: कृति ने पीले रंग में चुलबुला और पॉजिटिव अंदाज अपनाया है। उनका लुक यह दिखाता है कि बसंत सिर्फ मौसम नहीं, बल्कि मन की उमंग भी है।

मृणाल ठाकुर: पीले रंग में मृणाल ठाकुर का ट्रेडिशनल-मॉडर्न टच बेहद सॉफ्ट और क्लासी लग रहा है। उनका लुक शालीनता के साथ आधुनिक संस्कृति और भारतीय परंपरा का सुंदर संगम पेश कर रहा है।

कियारा आडवाणी: अभिनेत्री ने इस खास मौके पर पीले कपड़े में ग्रेस और सादगी से सबका दिल जीत लिया है। उनका यह लुक बसंत की सौम्यता और पॉजिटिव एनर्जी का बेहतरीन उदाहरण है।

नुसरत भरुचा: अभिनेत्री येलो कलर के लुक में वाइब्रेंट और फुल ऑफ लाइफ नजर आ रही हैं। उनकी स्टाइलिंग बसंत की खुशियों और रंगीन एहसास को दर्शा रही है।

भूमि पेडनेकर: बसंत पंचमी के शुभ अवसर पर पीले रंग में सजी भूमि पेडनेकर एकदम बसंती अंदाज में नजर आ रही हैं। उनका येलो लुक, सादगी और आत्मविश्वास का खूबसूरत मेल दिखा रहा है, जो बसंत ऋतु की ताजगी और सकारात्मकता को बखूबी दर्शाता है। पीला रंग जहां ज्ञान, ऊर्जा और नई शुरुआत का प्रतीक है, वहीं भूमि का यह अवतार उनकी मजबूत और आत्मनिर्भर शख्सियत को भी रेखांकित कर रहा है।उल्लास, आशा और रचनात्मकता के पावन पर्व के अवसर पर इन अभिनेत्रियों के पीले परिधान न सिर्फ फैशन में नया मानक स्थापित कर रहे हैं, बल्कि इस दिन खुशी और सुंदरता का पैगाम भी फैला रहे हैं।

गोल्डी आनंद: स्टाइलिश पिक्चराइजेशन से दर्शकों के दिलों पर छोड़ी छाप, हर सीन और गाने में डाली जान

हिंदी सिनेमा में कुछ नाम ऐसे हैं, जो केवल अपनी फिल्मों से ही नहीं, बल्कि अपनी अनोखी शैली से भी हमेशा याद रहते हैं। विजय आनंद, जिन्हें गोल्डी आनंद के नाम से भी जाना जाता था, ऐसे ही फिल्मकार थे। उन्होंने न केवल अपने निर्देशन और कहानी कहने के अंदाज से सिनेमा को नया रंग दिया, बल्कि वे अपने गानों में स्टाइलिश पिक्चराइजेशन के लिए भी हमेशा जाने जाते रहे। उनके गाने जैसे 'ओ हसीना जुल्फों वाली', 'आज फिर जीने की तमन्ना है', और 'होंठों में ऐसी बात' आज भी दर्शकों के दिलों में बसते हैं। उनका यह अंदाज उनकी फिल्मों के हर सीन में चमकता था और दर्शकों को एक अलग अनुभव देता था। विजय आनंद का जन्म 22 जनवरी 1934 को पंजाब के गुरदासपुर में हुआ था। उनके परिवार में पहले से ही फिल्मी माहौल था। उनके बड़े भाई चेतन आनंद एक प्रसिद्ध निर्देशक और प्रोड्यूसर थे, जबकि देव आनंद एक सुपरस्टार अभिनेता और निर्देशक के रूप में जाने जाते थे। ऐसे परिवार में पले-बढ़े विजय ने भी बचपन से ही कला और सिनेमा की ओर रुचि दिखाई। उनके पिता पिशोरी लाल आनंद एक सफल वकील थे। उनकी माता का बचपन में ही निधन हो गया था, इसलिए वे बड़े भाई और भाभी की छत्र-छाया में बड़े हुए।

विजय आनंद ने अपनी पढ़ाई मुंबई से की। कॉलेज के दिनों में उन्होंने अपनी भाभी उमा आनंद के साथ मिलकर एक स्क्रिप्ट लिखी, जो आगे चलकर फिल्म 'टैक्सी ड्राइवर' बनी। यह फिल्म 1954 में रिलीज हुई और इसे उनके बड़े भाई चेतन आनंद ने डायरेक्ट किया। इस फिल्म में देव आनंद मुख्य अभिनेता थे। इस अनुभव ने विजय आनंद को फिल्म इंडस्ट्री की बारीकियां समझने का मौका दिया।

विजय आनंद ने 23 साल की उम्र में अपनी पहली फिल्म 'नौ दो ग्यारह' डायरेक्ट की। उस समय कम उम्र में इतनी परिपक्वता देख सभी हैरान रह गए थे। उन्होंने केवल 40 दिनों में इस फिल्म की शूटिंग पूरी की थी। इसके बाद उन्होंने 'काला बाजार', 'तेरे घर के सामने', और 'गाइड' जैसी फिल्में बनाईं। खासकर 'गाइड', जो आर.के. नारायण के उपन्यास पर आधारित थी, ने उन्हें और देव आनंद को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया।

उनकी फिल्मों की सबसे खास बात उनका गानों को दिखाने का अंदाज था। विजय आनंद हर गाने को एक कहानी की तरह पेश करते थे। चाहे वह रोमांटिक गाना हो या थ्रिलर सीन, उनका स्टाइलिश पिक्चराइजेशन हर बार दर्शकों को आकर्षित करता। 'ओ हसीना जुल्फों वाली' में उनकी आधुनिकता और डांस की समझ साफ दिखाई देती है, जबकि 'आज फिर जीने की तमन्ना है' में भावनाओं और संगीत को पूरी तरह महसूस कराया गया। इसी तरह 'होंठों में ऐसी बात' में रोमांस और रहस्य का अद्भुत मिश्रण था, जो आज भी फिल्म प्रेमियों को याद है। विजय आनंद ने केवल निर्देशक ही नहीं बल्कि अभिनेता, लेखक और संपादक के रूप में भी काम किया। उन्होंने 'आगरा रोड', 'कोरा कागज', 'हकीकत' और 'मैं तुलसी तेरे आंगन की' जैसी फिल्मों में अभिनय किया। 1990 के दशक में दूरदर्शन पर 'तहकीकात' नामक सीरियल में डिटेक्टिव सैम की भूमिका निभाकर उन्होंने टीवी दर्शकों के लिए भी अपने अभिनय का जादू दिखाया। विजय आनंद को उनकी फिल्मों के लिए कई पुरस्कार मिले। 'गाइड' के लिए उन्हें फिल्मफेयर पुरस्कार मिला, वहीं 'जॉनी मेरा नाम' और 'डबल क्रॉस' जैसी फिल्मों के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ संपादन और पटकथा के पुरस्कार भी मिले।

कामयाबी के बीच विजय आनंद ने अपने जीवन में कठिन दौर भी देखे। कई फिल्मों की असफलता और व्यक्तिगत परेशानियों के चलते वे डिप्रेशन का शिकार हो गए और कुछ समय के लिए ओशो के शरण में चले गए। आध्यात्मिक समय ने उन्हें मानसिक शांति दी, लेकिन 23 फरवरी 2004 को दिल का दौरा

MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शनिवार, 24 जनवरी, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-23

शो-रूम बना आरटीए

रजिस्ट्रेशन की चिंता आज से ही खत्म

हैदराबाद, 23 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

शनिवार से तेलंगाना भर के ऑटोमोबाइल शोरूम में स्थायी वाहन पंजीकरण पूरा किया जाएगा, यह निर्णय परिवहन विभाग द्वारा 8 जनवरी को वाहन खरीदारों के लिए पंजीकरण प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए लिया गया था। यह सुविधा केवल 24 जनवरी या उसके बाद खरीदे गए वाहनों पर लागू होगी। नई प्रणाली के तहत, अधिकृत डीलर स्थायी पंजीकरण के लिए ऑनलाइन आवेदन जमा करेंगे, चालान, फॉर्म 21, फॉर्म 22, बीमा, पता प्रमाण और वाहन फोटोग्राफ्स जैसे आवश्यक दस्तावेज अपलोड करेंगे और उन्हें सत्यापन के लिए आगे भेजेंगे।परिवहन विभाग के अधिकारियों द्वारा अनुमोदन के बाद पंजीकरण संख्या आवंटित की जाएगी और पंजीकरण प्रमाणपत्र (आरसी) को स्पीड पोस्ट के माध्यम से वाहन मालिक को भेजा जाएगा।

सभी 33 जिलों के अधिकारियों के साथ ऑनलाइन समीक्षा बैठक

परिवहन आयुक्त ने सभी 33 जिलों के अधिकारियों के साथ ऑनलाइन समीक्षा बैठक की है और विस्तृत दिशानिर्देश जारी किए हैं। डीलरों को स्पष्टीकरण की आवश्यकता होने पर जिला परिवहन अधिकारियों से संपर्क करने की सलाह दी गई है।

आरटीए कार्यालय जाने की आवश्यकता नहीं

नई प्रणाली के तहत, खरीदारों को स्थायी पंजीकरण के लिए क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरण (आरटीए) कार्यालयों में जाने की आवश्यकता नहीं होगी। अधिकारियों के अनुसार, परिवहन आयुक्त ने 15 दिनों के भीतर समर्पित सॉफ्टवेयर के विकास का निर्देश दिया था, जिसे पूरा कर लिया गया है और सफलतापूर्वक परीक्षण किया गया है।

प्रणाली का पायलट परीक्षण शुक्रवार शाम को श्री कृष्णा ऑटोमोटिव्स शोरूम में किया गया, जहां डीलर-स्तरीय प्रक्रिया के माध्यम से पंजीकरण पूरा करने के बाद एक चार-पहिया वाहन ग्राहक को सौंपा गया। पायलट सफल सिद्ध होने के साथ, विभाग ने घोषणा की कि सभी अधिकृत वाहन शोरूम शनिवार से डीलर-बिंदु पंजीकरण की पेशकश कर सकेंगे। नवीनतम रूप से खरीदी गई दो-पहिया और कारों को अब सीधे शोरूम में पंजीकृत किया जा सकता है, जिससे तेज और अधिक पारदर्शी प्रक्रिया सुनिश्चित होती है। यह सुविधा वाणिज्यिक (परिवहन) वाहनों पर लागू नहीं होगी।

समाचार एजेंसियों से बात करते हुए, परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि यह पहल परिवहन विभाग में लोगों के अनुकूल सुधार लाने के सरकार के प्रयासों का हिस्सा है। ''हम परिवहन विभाग में नागरिक-केंद्रित सुधार लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। आने वाले दिनों में परिवहन संबंधी आवेदनों में कोई मानव हस्तक्षेप नहीं होगा,'' मंत्री ने कहा। उन्होंने कहा कि परिवहन संचालकों के लिए एकल-बिंदु सत्यापन प्रदान करने और अनावश्यक देरी और उत्पीड़न को रोकने के लिए राज्य सीमाओं पर 14 चेक पोस्ट और कामारेड्डी में एक अंतर्राज्यीय चेक पोस्ट स्थापित की गई हैं। मंत्री ने यह भी कहा कि विभाग राज्य में सड़क सुरक्षा में सुधार के लिए उच्च सुरक्षा पंजीकरण प्लेट्स (एचएसआरपी), रेडियम टेप स्थापना और अन्य सुरक्षा वृद्धि सहित अतिरिक्त सुरक्षा उपायों पर काम कर रहा है। शोरूम-स्तर पर वाहन पंजीकरण का विचार मई 2024 में नए वाहन खरीदारों के लिए प्रक्रियाओं को आसान बनाने के व्यापक प्रयास के हिस्से के रूप में मंत्री द्वारा पहली बार उठाया गया था।

अधिकारियों ने कहा कि प्रणाली रोलआउट के लिए पूरी तरह तैयार है और सरल, डिजिटल और कुशल परिवहन सेवाओं की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यदि आवश्यक होगा तो परिवहन विभाग के अधिकारी जनता को असुविधा पहुंचाए बिना अधिकृत ऑटोमोबाइल डीलरशिप में निरीक्षण भी करेंगे।

उप्पल-नारपल्ली कॉरिडोर की कछुआ चाल

एक कदम आगे दो कदम पीछे

हैदराबाद, 23 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

एलिवेटेड कॉरिडोर का काम धीमी गति से आगे बढ़ रहा है। काम एक कदम आगे बढ़ता है तो दो कदम पीछे चला जाता है। एक सप्ताह पहले एनएच अधिकारियों ने काम को तेज करने के लिए समीक्षा बैठक की थी। सरकार ने इस साल दशहरा तक पूरा करने की घोषणा की है, लेकिन जमीनी स्तर पर इस दिशा में काम नहीं हो रहा है।

इस महीने के अंत से मेडारम जातरा शुरू होगी, जिसमें हजारों वाहन उप्पल-नारपल्ली होकर जाएंगे। सामान्य दिनों में भी इस सड़क पर घंटों ट्रैफिक जाम रहता है। ऐसे में जातरा के दौरान लगभग एक महीने तक और भी भारी भीड़ रहने की संभावना है। सरकार ने जातरा तक सड़क के दोनों ओर ट्रैफिक की समस्या नहीं होने देने का दावा किया है, लेकिन जमीन पर ऐसा कहीं दिख नहीं रहा है। वर्तमान में यहां सड़क के किनारे बनने वाले वेंटिलेटर के हिस्सों को तैयार किया जा रहा है।

उप्पल रिंग रोड से नारपल्ली तक 620 करोड़ की लागत से छह लेन की सड़क बनाई जा रही है। 2018 में इसका काम शुरू किया गया था। टेंडर जीतने वाली एजेंसी को तीन साल में वेंटिलेटर पूरा करना था, लेकिन विभिन्न कारणों से काम टलता जा रहा है। अब तक 143 में से 138 पिलर और 142 में से 38 स्लैब पूरे हो चुके हैं। 7 और स्लैब का काम चल रहा है। वेंटिलेटर निर्माण के लिए कुल 1,986 कंक्रीट ब्लॉक बनाने थे, लेकिन अब तक केवल 519 ही तैयार हुए हैं।

एलिवेटेड कॉरिडोर के कुल 6.25 किमी सड़क क्षेत्र में से केवल 2.16 किमी का ही काम चल रहा है। गड्ढों वाली सड़क से ट्रैफिक को और परेशानी हो रही है।

अब सिकंदराबाद कैंटोनमेंट आंदोलन

सिकंदराबाद, 23 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)

सिकंदराबाद कैंटोनमेंट को निगम में मिलाने की मांग को लेकर आंदोलन चल रहे हैं। विधायक खुद अनशन पर बैठे हैं। कैंटोनमेंट तेलंगाना और हैदराबाद का हिस्सा होते हुए भी एक विशेष साम्राज्य की तरह है। इस क्षेत्र और आसपास रहने वालों के लिए कुछ प्रतिबंध और परेशानियां हैं। इसलिए लोग कैंटोनमेंट को निगम में मिलाने की मांग कर रहे हैं। 1798 में तत्कालीन हैदराबाद निजाम – दूसरे आसफ जाह ने ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के साथ सैन्य सहयोग समझौता किया था, जिसके आधार पर यह कैंटोनमेंट बना। निजाम की सुरक्षा के लिए ब्रिटिश सेना को यहां तैनात किया गया। कैंटोनमेंट का प्रशासन सामान्य नगरपालिकाओं से अलग होता है। यह कैंटोनमेंट अधिनियम, 2006 के अनुसार केंद्र रक्षा मंत्रालय के अधीन सिकंदराबाद कैंटोनमेंट बोर्ड के माध्यम से संचालित होता है।

इस बोर्ड में सेना अधिकारियों के साथ-साथ निर्वाचित सदस्य भी होते हैं। इसके अध्यक्ष ब्रिगेडियर स्तर के अधिकारी होते हैं। कैंटोनमेंट बोर्ड की देखरेख में ही सभी कार्य होते हैं। यहां सड़कें, जलापूर्ति, स्वच्छता, भवन निर्माण अनुमतियां जैसी नागरिक सेवाओं पर राज्य सरकार के बजाय केंद्रीय बोर्ड की निगरानी होती है।

इससे जीएचएमसी क्षेत्र में मौजूद सुविधाएं और योजनाएं सीधे यहां के लोगों तक नहीं पहुंचतीं। कैंटोनमेंट की भूमि और उसका प्रबंधन पूरी तरह से केंद्रीय रक्षा मंत्रालय के अधीन होता है, ▶10पर

फोन टैपिंग मामला : केटीआर से पूछताछ

7 घंटे उत्पीड़न

हैदराबाद, 23 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

विशेष जाँच दल (एसआईटी) ने बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव से फोन टैपिंग मामले में सात घंटे से अधिक समय तक पूछताछ की।

शुक्रवार को सुबह 11 बजे जुबली हिल्स एसीपी कार्यालय पहुँचने के कुछ ही मिनटों बाद, एसआईटी अधिकारियों ने केटी रामा राव से सवाल-जवाब शुरू कर दिए और शाम 6.25 बजे तक यह पूछताछ जारी रही। वह गुरुवार को जारी किए गए नोटिस के जवाब में डखढ के समक्ष पेश हुए थे, जिसमें उन्हें शुक्रवार को सुबह 11 बजे पूछताछ के लिए उपस्थित होने को कहा गया था।

रामा राव से पूछताछ इसलिए भी महत्वपूर्ण थी क्योंकि अब तक डखढ द्वारा बुलाए गए सभी राजनीतिक नेताओं में, जिनमें पूर्व मंत्री टी हरीश राव भी शामिल हैं, वे काफी हद तक फोन टैपिंग के शिकार थे। पहली बार डखढ पूर्व बीआरएस सरकार में फोन टैपिंग संबंधी निर्णय लेने में रामा राव की कथित संलिप्तता की संभावना की जाँच कर सकी।

सेलिब्रिटीज और न्यायाधीशों तक की जासूसी

तत्कालीन विशेष जाँच ब्यूरो के अधिकारियों ने बीआरएस सरकार के तहत राजनीतिक नेताओं, सेलिब्रिटीज, टॉलीवुड अभिनेताओं, पत्रकारों और न्यायाधीशों की मोबाइल फोन की जा-सूसी की थी। रामा राव को आपराधिक प्रक्रिया संहिता की धारा 160 के तहत नोटिस जारी किया गया था, जो जाँच अधिकारी को गवाहों, संदिग्धों या यहाँ तक कि संभावित अभियुक्तों को भी

तलब करने की अनुमति देती है।

हरीश राव के बाद दूसरे बड़े नेता से पूछताछ

रामा राव को एसआईटी का नोटिस उनके बहनोई और पूर्व मंत्री हरीश राव से सात घंटे से अधिक समय तक पूछताछ किए जाने के एक दिन बाद आया है।

बीआरएस नेताओं का आरोप

वरिष्ठ बीआरएस नेताओं ने शुक्रवार को कांग्रेस सरकार पर आरोप लगाया कि नगरपालिका चुनावों से पहले विशेष जाँच दल का उपयोग विपक्ष को परेशान करने और शासन की विफलताओं से ध्यान हटाने के लिए राजनीतिक हथियार के रूप में किया जा रहा है।

तेलंगाना भवन में मीडिया को संबोधित करते हुए, बीआरएसएलपी की उपनेता पी सबिता इंद्रा रेड्डी ने फोन टैपिंग जाँच पर सरकार के रुख पर सवाल उठाए। उन्होंने याद दिलाया कि कांग्रेस सरकार के कुछ मंत्रियों ने दावा किया था कि फोन टैपिंग मामले में एसआईटी का गठन पुलिस द्वारा मुख्यमंत्री की जानकारी के बिना किया गया था।यदि यह सच है, तो पिछली बीआरएस सरकार के मंत्रियों को फोन टैपिंग के बारे में कैसे पता होगा और उन्हें इससे कैसे जोड़ा जा सकता है? एसआईटी को नगरपालिका चुनावों से पहले बीआरएस नेताओं को निशाना बनाने के लिए मोहरे की तरह इस्तेमाल किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया की पंचायत चुनावों में बीआरएस की जीत के बाद उत्पीड़न हो रहा है ।

बीआरएसएलपी उपनेता ने कहा कि यदि कांग्रेस नेताओं सोनिया गांधी और राहुल गांधी को राष्ट्रीय हेराल्ड मामले में सम्मन भेजे जाने को उनकी पार्टी के नेताओं द्वारा उत्पीड़न माना गया, तो बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव को नोटिस भेजना भी उसी श्रेणी में आता है।पूर्व मंत्री वी सुनीता लक्ष्मा रेड्डी ने कहा कि बीआरएस द्वारा सिंगरेणी कोल टेंडर घोटाले का खुलासा करने के 24 घंटे के ▶10पर

डावोस में तेलंगाना छाया

रेवंत की स्किलिंग नीति की सराहना

हैदराबाद, 23 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम 2026 में तेलंगाना की स्किलिंग नीति प्रमुख चर्चा का विषय बनी, जिसे वैश्विक उद्योग नेताओं ने दीर्घकालिक और प्रतिभा केंद्रित दृष्टिकोण के लिए खूब सराहा।मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के साथ बातचीत के दौरान उद्योग नेताओं ने राज्य के भविष्य के लिए तैयार कार्यबल निर्माण पर जोर देने की सराहना की ` न कि केवल निवेश आकर्षित करने पर, क्योंकि यह राज्य को अगली पीढ़ी के उद्योगों के लिए पसंदीदा गंतव्य के रूप में स्थापित करेगा।

टाटा समूह के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन ने राज्य सरकार की सूक्ष्म योजना और प्रतिभा, नवाचार और बुनियादी ढांचे को विकास के एकीकृत स्तंभों के रूप में विकसित करने के

दृष्टिकोण की सराहना की। उन्होंने यह भी कहा कि जैसे-जैसे भारत उन्नत विनिर्माण, सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और डेटा-चालित उद्योगों में आगे बढ़ेगा, राज्य की मजबूत प्रतिभा आधार निर्णायक लाभ साबित होगा।

आईटीआई को एडवांस्ड टेक्नोलॉजी सेंटर में अपग्रेड करने का मॉडल

मुख्यमंत्री ने टाटा टेक्नोलॉजी के साथ 65 सरकारी आईटीआई को एडवांस्ड टेक्नोलॉजी सेंटर में अपग्रेड करने की सफल साझेदारी को याद किया, जिसे उद्योग-नेतृत्व वाले स्किलिंग सुधारों का मॉडल बताया गया।

सऊदी अरब की कंपनी ने 5,000 युवाओं को प्रशिक्षित करने का प्रस्ताव दिया

प्रतिनिधिमंडल ने यंग इंडिया स्किल्स यूनिवर्सिटी (वाईआईएसयू) के निर्माण को रेखांकित किया, जिसे उद्योग-प्रबंधित शासन और हाथों-हाथ प्रशिक्षण के माध्यम से शिक्षा और रोजगार के बीच सेतु के रूप में तैयार किया गया है।

▶10पर

मुझे गुटखे का शौक नहीं, खाता हूँ भूख मिटाने को !

हैदराबाद 23 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना के शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में तंबाकू सेवन की आदतों में एक चौंकाने वाला बदलाव देखा जा रहा है। राज्य में बड़ी संख्या में लोग पारंपरिक बीड़ी को छोड़कर गुटखा और खैनी की ओर रुख कर रहे हैं। घरेलू उपभोग व्यय सर्वेक्षण (एचसीईएस) 2023-24 के हालिया आंकड़ों ने इस खतरनाक प्रवृत्ति को उजागर किया है, जिसका राज्य के सार्वजनिक स्वास्थ्य पर गहरा प्रभाव पड़ना तय है।

एचसीईएस की रिपोर्ट के अनुसार, तेलंगाना के ग्रामीण और शहरी हिस्सों में गुटखा सेवन की आदत का 'सामान्यीकरण' होना बेहद चिंताजनक है। विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में स्थिति विकट है, जहाँ 'पान, तंबाकू और नशीले पदार्थों' पर होने वाला औसत मासिक खर्च भारत के सभी प्रमुख राज्यों में सबसे अधिक है। आंकड़ों के मुताबिक, ग्रामीण तेलंगाना में नशीले पदार्थों पर प्रति व्यक्ति मासिक खर्च (एमपीसीई) लगभग 396 रुपये है, जबकि इसका राष्ट्रीय ग्रामीण औसत मात्र 158 रुपये है। इन क्षेत्रों में, गुटखा और पान का सेवन अब कुल घरेलू मासिक बजट का आश्चर्यजनक रूप से 7.3 प्रतिशत हिस्सा खा रहा है।

शिक्षा और पोषण से आगे निकला नशा

सर्वेक्षण में यह कड़वा सच सामने आया है कि तेलंगाना के ग्रामीण और शहरी परिवार अपने जीवन स्तर और आहार में सुधार करने के बजाय तंबाकू उत्पादों पर अधिक खर्च कर रहे हैं। ग्रामीण तेलंगाना के लगभग छठे हिस्से के निवासियों का भोजन से संबंधित खर्च अब पोषण के बजाय इन उत्त-ेजक पदार्थों पर समर्पित है। कई कम आय वाले परिवारों में, गुटखा और खैनी पर होने वाला मासिक खर्च अब शिक्षा ▶10पर

संपादकीय

नक्शे पर पंचायत चुनाव

नक्शे पर पंचायत चुनाव और राजनीति में एक नया बहाव शुरू हो रहा है। कसौटियां-करवटें और सियासी बिंदुओं के एहसास से तरबतर माहौल में हिमाचल कुछ समय के लिए, नए विकल्प तराशेगा। पंचायत चुनाव यूं तो लोकतंत्र का पर्व सरीखा है, लेकिन देखा इसे सियासत के बनते-बिगड़ते स्वरूप के साथ ही जाता है। विडंबना यह रही कि इस बार चुनाव से पूर्व ही कसरतें चुनावों की परिपाटी को तीस अप्रैल तक पूरा करने की हिदायत तक ले आई हैं। यानी अब रोस्टर प्रक्रिया 28 फरवरी तक पूरी करके ही तय सीमा तक चुनाव परिभाषित होंगे। पंचायती चुनावों के जरिए हिमाचल अपनी अपेक्षाओं, संभावनाओं और नागरिक समाज की इच्छाओं का सियासी वर्णन देगा, तो करीब 56 लाख मतदाताओं के माध्यम से जागरूकता का एक महाकुंभ देखने को मिलेगा। अब तक 3577 पंचायतों के अलावा 71 शहरी निकायों के बीच ही अगर चुनावी गाड़ी दौड़ती है, तो यह सियासी संबोधन बदलने की एक कड़ी परीक्षा हो सकती है। भले ही पार्टी चिन्ह पर चुनाव न हों, लेकिन दावों और प्रतिदावों के बीच ये चुनाव थोड़ी हकीकत, थोड़ा अफसाना लिखेंगे। पिछली बार पंचायत चुनावों ने युवा वर्ग को आकर्षित किया था। जो बच्चे करिअर की तलाश में अपनी उपाधियों को सीधा कर रहे थे, वे भी सियासती श्रीगणेश की राह पर पंचायत चुनाव में उतरे थे। इस बार भी मूड कुछ ऐसा होगा क्योंकि राजनीति को करिअर की तरह पल्लवित होने के कई उदाहरण युवाओं को प्रेरित कर रहे हैं। पोलिटिकल लीडरशिप के लिए भाजपा तो बाकायदा एक अभियान लांच कर रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक लाख युवाओं को सीधे भारतीय राजनीति का स्तंभकार बनाने का सोचा है। इसी परिप्रेक्ष्य में सांसद अनुराग ठाकुर ने आज एक कार्यक्रम धर्मशाला में रखा है। राजनीतिक व्यवहार बदल रहा है। सार्वजनिक संबोधन से लेकर राष्ट्रीय नीतियों व कार्यक्रमों की पहली कार्यशाला पंचायत से शुरू होती है और इस गणित में अगर स्किल है, तो यह महज चुनाव नहीं, राष्ट्रीय उत्थान का फलक है। हिमाचल में अमूमन स्थानीय निकायों के चुनावी गणित में विपक्ष का मुंह खुल जाता है और परिणामों की खेप में कई अलिखित-अघोषित दावे शुरू हो जाते हैं। हिमाचल की वास्तविक सियासत होती भी ग्रामीण क्षेत्रों में ही है, इसलिए इस बार भाजपा इतनी सक्रिय है कि उसने पंचायती चुनाव की प्रक्रिया को ही सियासी मुद्दा बना दिया था। जाहिर है अगले कुछ दिन व लगातार दो-ढाई महीने इन्हीं चुनावों में बुने या गुजारे जाएंगे। प्रदेश के विकास का ढांचा, योजनाओं का खाका, जन कल्याणकारी योजनाएं और कार्यक्रमों के संदर्भ जब गूंजेंगे, तो मुद्दों की बात स्थानीय चरित्र पर आकर प्रतिनिधि ढूंढेगी। विडंबना यह है कि पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव जातिवाद से खेलने लगते हैं और इस तरह पसंद-नापसंद के बीच संकीर्णता के दायरे और संकरे हो जाते हैं। शहरी निकायों में भी स्थानीय स्वशासन की वांछित काबिलीयत दर्ज नहीं होती। पार्षद समझ ही नहीं पाते कि शहर को आर्थिकी व रोजगार के केंद्र में बदलने के लिए क्या करना होगा। हिमाचल की आर्थिकी, ग्रामीण एवं शहरी विकास के जरिए रोजगार के नए अवसर ढूंढने के लिए क्या स्थानीय निकाय चुनाव, शृंगार कर पाएंगे या ये सारी करवटें सत्ता बनाम विपक्ष की सियासी मजबूरियों, प्रभाव या प्रलोभन में ही गुजर जाएंगे।

पंचायत चुनाव यूं तो लोकतंत्र का पर्व सरीखा है, लेकिन देखा इसे सियासत के बनते-बिगड़ते स्वरूप के साथ ही जाता है। विडंबना यह रही कि इस बार चुनाव से पूर्व ही कसरतें चुनावों की परिपाटी को तीस अप्रैल तक पूरा करने की हिदायत तक ले आई हैं। यानी अब रोस्टर प्रक्रिया 28 फरवरी तक पूरी करके ही तय सीमा तक चुनाव परिभाषित होंगे। पंचायती चुनावों के जरिए हिमाचल अपनी अपेक्षाओं, संभावनाओं और नागरिक समाज की इच्छाओं का सियासी वर्णन देगा, तो करीब 56 लाख मतदाताओं के माध्यम से जागरूकता का एक महाकुंभ देखने को मिलेगा। अब तक 3577 पंचायतों के अलावा 71 शहरी निकायों के बीच ही अगर चुनावी गाड़ी दौड़ती है, तो यह सियासी संबोधन बदलने की एक कड़ी परीक्षा हो सकती है। भले ही पार्टी चिन्ह पर चुनाव न हों, लेकिन दावों और प्रतिदावों के बीच ये चुनाव थोड़ी हकीकत, थोड़ा अफसाना लिखेंगे। पिछली बार पंचायत चुनावों ने युवा वर्ग को आकर्षित किया था। जो बच्चे करिअर की तलाश में अपनी उपाधियों को सीधा कर रहे थे, वे भी सियासती श्रीगणेश की राह पर पंचायत चुनाव में उतरे थे। इस बार भी मूड कुछ ऐसा होगा क्योंकि राजनीति को करिअर की तरह पल्लवित होने के कई उदाहरण युवाओं को प्रेरित कर रहे हैं। पोलिटिकल लीडरशिप के लिए भाजपा तो बाकायदा एक अभियान लांच कर रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक लाख युवाओं को सीधे भारतीय राजनीति का स्तंभकार बनाने का सोचा है। इसी परिप्रेक्ष्य में सांसद अनुराग ठाकुर ने आज एक कार्यक्रम धर्मशाला में रखा है।

राहुल गांधी ने कहा कि भारत में से मुगल चले गए, ब्रिटिश भी चले गए और इसी प्रकार भाजपा वाले भी चले जाएंगे

राहुल गांधी की इतिहास की समझ

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

भारत के इतिहास को समझने और समझाने के लिए कुरुक्षेत्र से उपयुक्त स्थान कोई और नहीं हो सकता था। लेकिन इतिहास का अध्यापक बनने के लिए जरूरी है, पहले स्वयं इतिहास को पढ़ा और समझा जाए। राहुल गांधी और शायद सोनिया गांधी के परिवार की यही सबसे बड़ी समस्या है। वे अध्यापक बनने की पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण किए बिना अध्यापक बनने की घोषणा कर देते हैं। उन्होंने भारत की एक पुरानी राजनीतिक पार्टी कांग्रेस पर येन केन प्रकारेण कब्जा कर लिया है (पार्टी के अध्यक्ष सीता राम केसरी को किस प्रकार सोनिया गांधी ने अपने कुछ विश्वस्त साथियों के साथ मिल कर पार्टी बैठक में से घसीट कर बाहर कर दिया था, यह वारदात पुरानी नहीं हुई है), इसलिए उन्हें इस पार्टी के लोग अपने छात्र रूप में आसानी से मिल जाते हैं। कुरुक्षेत्र में भी ऐसे छात्र उपलब्ध थे। यह भी संभव है कि ये छात्र क्लास में तो चुपचाप राहुल गांधी का इतिहास पर प्रवचन सुनते रहे हैं और घर जाकर हंसते हों।

तीन दिन पहले सोनिया गांधी के सुपुत्र राहुल गांधी कुरुक्षेत्र आए थे। उन्होंने वहां हरियाणा के कांग्रेस नेताओं को संबोधित किया और कहा जाता है कि उन्हें भारत का इतिहास भी पढ़ाया। वैसे तो कुरुक्षेत्र में ही भारत का इतिहास रचा गया है। महाभारत का युद्ध इसी कुरुक्षेत्र में हुआ था। राजा सुदास के वैदिक कालीन युद्ध के बाद यही सबसे बड़ा युद्ध था। इसलिए भारत के इतिहास को समझने और समझाने के लिए कुरुक्षेत्र से उपयुक्त स्थान कोई और नहीं हो सकता था। लेकिन इतिहास का अध्यापक बनने के लिए जरूरी है, पहले स्वयं इतिहास को पढ़ा और समझा जाए। राहुल गांधी और शायद सोनिया गांधी के परिवार की यही सबसे बड़ी समस्या है। वे अध्यापक बनने की पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण किए बिना अध्यापक बनने की घोषणा कर देते हैं। उन्होंने भारत की एक पुरानी राजनीतिक पार्टी कांग्रेस पर येन केन प्रकारेण कब्जा कर लिया है (पार्टी के अध्यक्ष सीता राम केसरी को किस प्रकार सोनिया गांधी ने अपने कुछ विश्वस्त साथियों के साथ मिल कर पार्टी बैठक में से घसीट कर बाहर कर दिया था, यह वारदात पुरानी नहीं हुई है), इसलिए उन्हें इस पार्टी के लोग अपने छात्र रूप में आसानी से मिल जाते हैं। कुरुक्षेत्र में भी ऐसे छात्र उपलब्ध थे। यह भी संभव है कि ये छात्र क्लास में तो चुपचाप राहुल गांधी का इतिहास पर प्रवचन सुनते रहे हैं और घर जाकर हंसते हों। खैर राहुल गांधी ने कहा कि भारत में से मुगल चले गए, ब्रिटिश भी चले गए और इसी प्रकार भाजपा वाले भी चले जाएंगे। राहुल गांधी जो भी अपने छात्रों को समझाना चाह रहे हों, लेकिन उन्होंने उदाहरण ठीक नहीं दिया। मध्य एशिया के तुर्क-मुगलों के कब्जे के बाद भारत पर यूरोप के अंग्रेजों ने कब्जा किया था। लेकिन उन्होंने कब्जा भारत पर हमला करके नहीं किया, बल्कि वे यहां व्यापारी के वेष में आए थे और धीरे-धीरे उन्होंने अलग-अलग तरीकों से कब्जा किया। लेकिन यूरोप से केवल ब्रिटिश लोग ही नहीं थे, जिन्होंने हिंदुस्तान के बड़े भूभाग पर कब्जा किया था। यूरोप के ही पुर्तगालियों (गोवा) और फ्रांसीसियों (पुडुच्चेरी) ने भी भारत के कुछ हिस्सों पर कब्जा किया हुआ था। यदि इन सभी के भारत से चले जाने की टाइमलाइन लिखनी हो तो यह क्रम मुगल, ब्रिटिश, फ्रांसीसी और पुर्तगाली बनता है। उसके बाद हिंदुस्तान पर यूरोप के किस देश ने घुसने की कोशिश की और उसकी पद्धति क्या थी, यह महत्वपूर्ण प्रश्न है। ब्रिटिश लोगों ने व्यापार के माध्यम से भारत में दखलअंदाजी और इटली की सोनिया गांधी की भारत में दखलअंदाजी विवाह के माध्यम से हुई। यूरोप के इतिहास का गहराई से अध्ययन करने वाले अच्छी तरह जानते हैं कि यूरोप की राजनीति सदियों तक विवाह संबंधों से ही संचालित होती रही है। राजीव गांधी की हत्या के बाद ही सोनिया गांधी का कांग्रेस पर कब्जा हुआ और उसके माध्यम से प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से देश की सत्ता पर। राजीव गांधी की हत्या को

लेकर सुब्रह्मणयन स्वामी अभी तक न्यायालयों में हत्या के षड्यंत्रों को लेकर प्रश्न उठाते रहे हैं। इसलिए यदि राहुल गांधी को हिंदुस्तान से यूरोपीय लोगों के चले जाने का क्रम निश्चित करना हो तो वह मुगल, ब्रिटिश, फ्रांसीसी और पुर्तगाली चले गए, उसी प्रकार अब इटली वाले भी चले जाएंगे। वैसे भी राहुल गांधी की नागरिकता को लेकर एक मुकद्दमा कचहरी में लंबित है। लेकिन कांग्रेस के छात्रों को भारत का इतिहास पढ़ाते समय राहुल गांधी एक दूसरी भूल कर गए लगते हैं। वे समझा रहे हैं कि मुगल यहां से चले गए। लेकिन कांग्रेस का इतिहास यह नहीं बताता। कांग्रेस का इतिहास बताता है कि मुगलों का कब्जा तो इस देश से जरूर खत्म हो गया, लेकिन कांग्रेस सरकार ने मुगलों को इस देश में ही रख लिया। मुगल मध्य एशिया के तुर्क ही थे। लेकिन मंगोलों से विवाह शादियों के चलते जो संकर नस्ल पैदा हुई थी वह भारत में मुगल कहलाई। मुगलों से पूर्व भी मध्य एशिया के तुर्कों का ही कब्जा था। कुछ भागों पर अरबों का भी कब्जा रहा। क्योंकि अरब, तुर्क, मुगल, ये सभी मजहब से मुसलमान थे, इसलिए आम तौर पर मुसलमानों का राज कह दिया जाता है। लेकिन जब तक हिंदुस्तान से इन अरबों, तुर्कों और मुगलों का कब्जा खत्म हुआ, तब तक इस देश के लोग भी बड़ी संख्या में इस्लाम पंथ या शिया पंथ में चले गए थे। ये भारत के देसी मुसलमान थे। लेकिन इनका अरबों, तुर्कों व मुगलों से कुछ लेना-देना नहीं था। लेकिन अंग्रेजों के चले जाने के बाद जब देश की सत्ता कांग्रेस के हाथों में आई तो उसने अरबों, तुर्कों और मुगलों को बाहर निकालने की बजाय उन्होंने देश के भीतर नायक बना कर सम्मानित किया। कांग्रेस के उन छात्रों को जो कुरुक्षेत्र में राहुल गांधी का इतिहास का पीरियड ध्यान से सुन रहे थे, शायद ध्यान में होगा ही कि पंडित जवाहर लाल नेहरु ने देश का पहला शिक्षा मंत्री अरब मूल के मौलाना अबुल कलाम आजाद को ही बनाया था। दूसरे शिक्षा मंत्री सैयद नुरुल हसन भी अरब मूल के ही थे। इतना ही नहीं कांग्रेस की सरकार ने मुगल बादशाहों को सम्मानित करने के लिए दिल्ली में सडक़ों के नाम औरंगजेब मार्ग, जहांगीर मार्ग, शाहजहां मार्ग इत्यादि रखे। इतना ही नहीं कांग्रेस के इतिहासकार इन अत्याचारी मुगल बादशाहों का सामना करने वाले अपर बलिदानियों का इतिहास या तो हाशिए पर डाल दिया या फिर उसे विकृत किया गया। राहुल गांधी शायद जानते नहीं होंगे कि कांग्रेस काल में गुरु तेग बहादुर जी के बारे में पढ़ाया जाता था कि वे दिल्ली के इर्द-गिर्द अपने साथियों के साथ मिल कर लूटपाट करते थे, इसलिए औरंगजेब ने उन्हें दंडित किया था। मुगल बादशाहों ने भारत के ऐतिहासिक स्थानों को तोड़ कर जो नए प्रतीक खड़े किए, कांग्रेस सरकार उनको राष्ट्रीय गौरव के स्थान बता कर प्रचारित और संरक्षित करती रही। संक्षेप में कहना हो तो मुगल सत्ता समाप्त हो जाने के बाद भी कांग्रेस सरकार ने न केवल मुगलों को बल्कि उनकी तुर्की विरासत को भी राष्ट्रीय गौरव कह कर संरक्षित किया। अब भाजपा की बात। राहुल गांधी का कहना है कि जिस प्रकार अंग्रेज चले गए, उसी प्रकार भाजपा चली जाएगी। दरअसल जिस प्रकार कांग्रेस ने मुगल विरासत को संभाला उसी प्रकार कांग्रेस ने ब्रिटिश लोगों के जाने के बाद ब्रिटिश विरासत को भी सीने से लगा कर रखा। जिन्होंने कांग्रेस की इस ब्रिटिश मनोवृत्ति का विरोध किया, उनको नेहरु ने तुरंत सिस्टम से बाहर कर दिया। डा. भीमराव रामजी अंबेडकर कांग्रेस की इसी मनोवृत्ति का शिकार हुए थे। कांग्रेस के भीतर भी जो लोग कांग्रेस को ब्रिटिश विरासत से मुक्त करना चाहते थे, नेहरु ने उन्हीं पुरुषोत्तम दास टंडन को पार्टी से बाहर कर दिया था। इसीलिए यह कहा जाता है कि ब्रिटिश सत्ता से मुक्त हो जाने के बाद भी भारत को ब्रिटिश चिंतन व संस्कृति के रास्ते पर ही चलाए रखने का काम कांग्रेस करती रही। यही कारण था कि ब्रिटेन सरकार कांग्रेस को अपने ज्यादा अनुकूल मानती थी। सोनिया गांधी द्वारा कांग्रेस पर कब्जा कर लेने के बाद तो चर्च की भी रुचि भारत में जरूरत से ज्यादा हो गई। कांग्रेस की इस रीति नीति को देख कर भारतीयों में इसकी प्रतिक्रिया होना स्वाभाविक ही था। पानी सिर के ऊपर से गुजरने की नौबत आ रही थी। इसलिए भारत में कांग्रेस के खिलाफ विद्रोह हो गया और देश ने सत्ता भाजपा को दी। राहुल गांधी भारत और भारतीयता को समझ नहीं पा रहे हैं। यह उनका दोष नहीं है। यह उनके संस्कार हैं। धीरे धीरे उनकी इतिहास की क्लास में दाखिला लेने वाले छात्र भी कम हो रहे हैं। भाजपा जाएगी या नहीं जाएगी, इसका निर्णय तो देश के लोग ही करेंगे, लेकिन इतना निश्चित है कि अब देश की सत्ता भारतीयों के हाथों में ही रहेगी। वह मुगल और ब्रिटिश विरासत को जारी रखने वाले लोगों के हाथ में नहीं आएगी।

देश दुनिया से

भौतिकवादी जिंदगी में सिमटते रिश्ते

आज की इस दौड़ती-भागती, डिजिटल और भौतिकवादी जिंदगी में मानवीय रिश्ते सिमटते जा रहे हैं। यह सिमटन केवल दूरियों तक सीमित नहीं, बल्कि भावनाओं और कर्तव्यों के स्तर पर भी घट रही है। समाज कई तरह से खंडित हो रहा है, जहां सोशल मीडिया पर हजारों 'फ्रेंड्स' होने के बावजूद, वास्तविक जीवन में अंतिम यात्रा में कंधा देने वाले सच्चे साथी विरल होते जा रहे हैं। बीते कुछ वर्षों में यह एक चिंताजनक प्रवृत्ति बनकर उभरी है। अब मोक्षधाम तक की यात्रा में, प्रियजन के शरीर को चार कंधों पर उठाने की पवित्र परंपरा का स्थान अक्सर 'शव वाहन' की मजबूरी ले रहा है। श्मशानघाटों पर चिता संभालने और अंतिम विदाई की अग्नि में आहुति देने के लिए दक्ष लोगों की कमी एक सामूहिक विरासत के क्षरण का संकेत है। दरअसल, कल तक जो शख्स हमारे बीच सांस लेता था, हंसता-बोलता था, सुख-दुख साझा करता था, जब वह निर्जीव शरीर मात्र रह जाता है, तो उसे कंधा देने से पहले लोग अब गणित लगाने लगते हैं। समय की कमी, व्यस्तता, या फिर सिर्फ औपचारिकता का बोझ- ये सब ऐसे कारण बन गए हैं जो हमें मानवता के सबसे बुनियादी कर्तव्य से दूर कर रहे हैं। यह केवल एक व्यक्ति की अंतिम यात्रा नहीं है, बल्कि यह हमारे सामूहिक संस्कारों, हमारी साझी मानवता और हमारे सामाजिक मूल्यों की वह अंतिम यात्रा है जो धीरे-धीरे विलुप्त होती दिख रही है। यहां यह सोचने की आवश्यकता है कि क्या हम जाने-अनजाने में संवेदनाओं और रिश्तों की गठरी को ही लापरवाही की अग्नि में झोंक रहे हैं? श्मशानघाटों पर आज एक दृश्य आम है : चिता जल रही है, पर उसके पास खड़े अधिकांश लोग मोबाइल फोन पर व्यस्त हैं, किसी से बात करते हुए, मैसेज भेजते हुए या सोशल मीडिया स्क्रॉल करते हुए। यह दृश्य एक गहरी विडंबना पैदा करता है। शोक और विदाई की यह पवित्र घड़ी भी डिजिटल व्यवधानों से अछूती नहीं रह गई है। एक समय था जब किसी व्यक्ति के निधन की खबर पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ा देती थी। लोग अपना कामकाज छोडक़र शोकसंतप्त परिवार के साथ खड़े हो जाते थे। इलाके का हर छोटा-बड़ा व्यक्ति अंतिम यात्रा में शामिल होकर 'राम नाम सत्य है' की गूंज के साथ पवित्र आत्मा को विदाई देता था। वह यात्रा महज एक मृत शरीर का श्मशान तक का सफर नहीं होती थी, बल्कि यह जीवित लोगों के बीच एक भावनात्मक जुड़ाव, सामाजिक एकजुटता और एक अटूट कर्तव्यबोध का प्रतीक हुआ करती थी। आज, अफसोस कि अंतिम संस्कार अधिकतर मामलों में एक खोखली औपचारिकता बनकर रह गया है। दुनियादारी में डूबे लोग फोन पर ही शोक जता देते हैं और यदि श्मशान पहुंच भी जाएं, तो अक्सर सिर्फ 'दिखावे' के लिए, ताकि यह साबित हो सके कि 'हम आए थे।' हमारे धार्मिक ग्रंथ इस मामले में स्पष्ट हैं। गरुड़ पुराण सहित अन्य ग्रंथों में अंतिम संस्कार को सोलह संस्कारों में सबसे महत्वपूर्ण माना गया है। इसका उद्देश्य केवल शरीर को अग्नि को समर्पित करना ही नहीं, बल्कि आत्मा को नश्वर बंधनों से मुक्त कर मोक्ष की ओर अग्रसर करना है। इन ग्रंथों में यह भी स्पष्ट कहा गया है कि किसी की अंतिम यात्रा में सहभागी होना एक पुण्य कर्म है। यह कार्य दर्शाता है कि आप न केवल उस व्यक्ति के जीवन का सम्मान करते हैं, बल्कि उसके परिवार के दुःख में सच्चे सहयोगी भी हैं। यही सामाजिक सहयोग और सद्भाव का आधार है। परंपराएं यह भी कहती हैं कि पितरों के प्रति उचित श्रद्धा और कर्तव्यपालन न होने से गृह कलह और अशांति जैसी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। एक उदाहरण मेरे पड़ोस का है, जहां एक परिवार को लगभग चार महीने तक अकारण अशांति और दुर्घटनाओं का सामना करना पड़ा। विभिन्न धार्मिक उपायों के बाद जब उन्होंने पितरों की उचित विधि से पूजा-श्रद्धा की, तब कहीं जाकर स्थिति शांत हुई। यह उदाहरण शायद अंधविश्वास लगे, लेकिन यह हमारे संस्कारों और मान्यताओं के सामाजिक-मनोवैज्ञानिक महत्व को तो रेखांकित करता ही है। इस सबके मूल में एक और गहरी चिंता निहित है : भावी पीढ़ी को हम किस विरासत में देकर जा रहे हैं? यदि बच्चे बचपन से ही पितरों का स्मरण, श्राद्ध की महत्ता और सामाजिक सहयोग के इन रीति-रिवाजों से अनभिज्ञ रहेंगे, तो वे समाज में रिश्तों के गहरे महत्व को कैसे समझ पाएंगे? आज जो सामाजिक विखंडन और भाईचारे का अकाल हम देख रहे हैं, उसकी जड़ें इन्हीं टूटते बंधनों में हैं। असली सेवा और स्नेह तो माता-पिता को उनके जीवित रहते ही देना चाहिए। परंतु, उनके बाद की गई श्रद्धा और सामाजिक सहयोग की परंपराएं भी उतनी ही महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि ये हमें सामूहिकता और करुणा का पाठ पढ़ाती हैं। युवा पीढ़ी को बुजुर्गों के सान्निध्य में बैठना चाहिए, उनके अनुभवों से सीखना चाहिए। यही वह सूत्र है जो ज्ञान और संस्कारों को पीढ़ी दर पीढ़ी हस्तांतरित करता है। अगर युवा बुजुर्गों के मार्गदर्शन से वंचित रहेंगे, तो आने वाले समय में उनमें सामाजिक संवेदनशीलता का अभाव होगा। एक सभ्य और मजबूत समाज का निर्माण तभी संभव है जब हम रिश्तों की गरिमा और सामाजिक कर्तव्यों के प्रति निष्ठा को बचाए रखें। अन्यथा, हमें भविष्य में और भी गहरी सामाजिक समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। अंततः, प्रश्न यह है- क्या हम इतने व्यस्त और स्वकेंद्रित हो गए हैं कि मानवीय संबंधों की इस आखिरी और सबसे पवित्र किस्त को अदा करने का धैर्य भी हमारे पास नहीं रहा? अंतिम यात्रा में शामिल होना केवल एक रस्म नहीं, बल्कि हमारी साझी मानवता की पुष्टि है। इसे केवल एक औपचारिकता में बदलकर हम अपने ही सामाजिक ताने-बाने को कमजोर कर रहे हैं। आइए, इस दिशा में सोचें। किसी की अंतिम यात्रा में शामिल होकर हम जिस सामाजिक पूंजी और सद्भावना का निर्माण करते हैं, उसकी भरपाई कोई 'लाइक' या 'कमेंट' नहीं कर सकता। यही हमारी सच्ची मानवीय धरोहर है, जिसे हर कीमत पर बचाए रखना होगा।

समाज कई तरह से खंडित हो रहा है, जहां सोशल मीडिया पर हजारों 'फ्रेंड्स' होने के बावजूद, वास्तविक जीवन में अंतिम यात्रा में कंधा देने वाले सच्चे साथी विरल होते जा रहे हैं। बीते कुछ वर्षों में यह एक चिंताजनक प्रवृत्ति बनकर उभरी है। अब मोक्षधाम तक की यात्रा में, प्रियजन के शरीर को चार कंधों पर उठाने की पवित्र परंपरा का स्थान अक्सर 'शव वाहन' की मजबूरी ले रहा है। श्मशानघाटों पर चिता संभालने और अंतिम विदाई की अग्नि में आहुति देने के लिए दक्ष लोगों की कमी एक सामूहिक विरासत के क्षरण का संकेत है। दरअसल, कल तक जो शख्स हमारे बीच सांस लेता था, हंसता-बोलता था, सुख-दुख साझा करता था, जब वह निर्जीव शरीर मात्र रह जाता है, तो उसे कंधा देने से पहले लोग अब गणित लगाने लगते हैं। समय की कमी, व्यस्तता, या फिर सिर्फ औपचारिकता का बोझ- ये सब ऐसे कारण बन गए हैं जो हमें मानवता के सबसे बुनियादी कर्तव्य से दूर कर रहे हैं।

आप का नज़रिया

'वैश्विक डॉन' बनने के मंसूबे

आखिर अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप के मंसूबे क्या हैं? वह दुनिया के सबसे प्राचीन लोकतांत्रिक देश के राष्ट्रपति हैं अथवा विस्तारवादी प्रवृत्ति के साम्राज्यवादी शासक हैं या अब 'वैश्विक डॉन' बनने की मंशा है? राष्ट्रपति ट्रंप हररोज किसी न किसी देश पर कब्जा करने या हमला करने की धमकी देते हैं। वेनेजुएला के राष्ट्रपति मादुरो को अमरीकी सैनिकों के जरिए अगवा करने के बाद वह क्यूबा, कोलंबिया सरीखे छोटे देशों के राष्ट्रपतियों को ऐसी धमकियां दे रहे हैं। 'वल्ड इकोनॉमिक फोरम' जैसे अंतरराष्ट्रीय मंच से राष्ट्रपति ट्रंप ने साफ-साफ कहा है कि वह ग्रीनलैंड पर कब्जा करेंगे, क्योंकि यह क्षेत्र अमरीका का है और अमरीकी सुरक्षा के लिए बहुत जरूरी है। रूस, चीन और यूरोप उन्हें रोक नहीं सकते। हालांकि ट्रंप ने ग्रीनलैंड में सेना का इस्तेमाल नहीं करने की बात कही है। उन्होंने ग्रीनलैंड को 'बर्फ का एक टुकड़ा' भी करार दिया है। यह एक विशालकाय, मायावी, ताकतवर दानव और बौने लिलिपुटियन के द्वन्द्व की कहानी सरीखा लगता है! राष्ट्रपति ट्रंप की लगातार धमकियों के कारण ही अमरीका और यूरोप पहली बार आमने-सामने तने हैं। फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों ने इसी वैश्विक मंच से, ट्रंप का नाम लिए बिना ही, कहा कि यूरोप किसी की 'दादागीरी' के सामने नहीं झुकेगा। यूरोप कोई समझौता भी नहीं करेगा। यूरोप और नाटो मिल कर ग्रीनलैंड की रक्षा करेंगे। डेनमार्क, बेल्जियम, कनाडा सरीखे देशों के प्रधानमंत्रियों ने राष्ट्रपति ट्रंप को आगाह किया है कि वह ग्रीनलैंड पर न तो ब्लैकमेलिंग करें और न ही 'रेडलाइन' को लांघने की कोशिश करें। ग्रीनलैंड के प्रधानमंत्री ने 'युद्ध के हालात' की घोषणा कर दी है, सेना का अलर्ट कर दिया है और लोगों को अपने घरों में पांच दिन का राशन रखने की अपील की है। यह स्वायत्त देश मात्र 56-57,000 की आबादी का है, लेकिन विश्व में जो 30 दुर्लभ अर्थ खनिज माने जाते हैं, उनमें से 25 खनिजों के भंडार ग्रीनलैंड में हैं। तेल और गैस के भी पर्याप्त भंडार हैं। दरअसल इस देश के जरिए एक समुद्री रूट खुलता है, जिसके जरिए व्यापार सहज और कम समय में संभव हो सकता है। 'वल्ड इकोनॉमिक फोरम' के मंच से ही राष्ट्रपति ट्रंप ने रूस और यूक्रेन के राष्ट्रपतियों-पुतिन और जेलेंस्की-को 'बेवकूफ' कहा। यह कैसी भाषा और मर्यादा है? ट्रंप ने किसी अन्य राष्ट्रपति को 'बीमार आदमी' करार दिया है। यह दीगर और मजबूरी है कि ट्रंप ने भारत के प्रधानमंत्री मोदी के प्रति सम्मान जताया है। उन्हें 'शानदार इनसान' और 'मेरे दोस्त' कहा है और यह भविष्यवाणी की है कि भारत के साथ अच्छी डील होने वाली है। राष्ट्रपति ट्रंप की मजबूरी यह है कि भारत ने अक्तूबर, 2025 में अमरीका से आने वाली 'पीली मटर' पर 30 फीसदी का टैरिफ थोप दिया था। नतीजा यह हुआ कि अमरीकी सांसदों को ट्रंप को पत्र लिखने पड़े कि भारत से इस टैरिफ को वापस लेने का आग्रह किया जाए। राष्ट्रपति ट्रंप को अपने विशेष दूत के तौर पर स्टीव डेंस को भारत भेजना पड़ा। डेंस ने दिल्ली में केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल से मुलाकात और बातचीत की है, लेकिन टैरिफ यथावत है। बहरहाल राष्ट्रपति ट्रंप के मंसूबे यहां तक पहुंच गए हैं कि उन्होंने ईरान को दुनिया के नक्शे से ही मिटा देने की धमकी दी है। पलटवार में ईरानी सेना ने चेतावनी दी है कि यदि खामेनेई की हत्या की कोशिश की गई, तो हम ट्रंप के हाथ काट देंगे। आखिर यह नौबत ही क्यों आई? सवाल है कि ट्रंप ने दुनिया भर में यह उबाल, गुस्सा, प्रतिशोध, अंततः युद्ध के भाव पैदा क्यों कर दिए? क्या अमरीका अन्य देशों की संप्रभुता का सम्मान नहीं कर सकता? राष्ट्रपति ट्रंप को किसी एकांत में यह मंथन करना चाहिए कि वह 'शांतिदूत' नहीं, 'युद्धखोर' हैं। उन्हें नोबेल पुरस्कार का मुगालता नहीं पालना चाहिए। क्या उन्हें यह एहसास है कि अमरीका की ही 55 फीसदी जनता उनकी नीतियों, उनके फैसलों के खिलाफ है और सडक़ों पर भी है। राष्ट्रपति के दूसरे कार्यकाल का अभी एक साल ही बीता है और सांसद उन्हें पद से हटाने की चेतावनियां दे रहे हैं। दरअसल वह लोकतांत्रिक नहीं, तानाशाही प्रवृत्ति के नेता हैं और विश्व अब यह स्वीकार नहीं करेगा। जो देश उनकी नीतियों पर नहीं चल रहे हैं, उन पर ट्रंप भारी टैरिफ ठोक रहे हैं। भारत पर उनका यह दबाव है कि वह रूस से तेल की खरीद न करे। भारत का मानना यह है कि राष्ट्रहित में जो भी देश सस्ते तेल की आपूर्ति करेगा, भारत उसी से तेल की खरीद करता रहेगा। हमें जब रूस से सस्ते तेल की आपूर्ति हो रही है, तो क्यों न हम उससे इसकी खरीद करें। बार-बार भारत स्पष्ट कर चुका है कि जो भी सस्ता तेल देगा, उसी से खरीद की जाएगी, यह भारत के लिए राष्ट्र हित का मामला है।

वेनेजुएला के राष्ट्रपति मादुरो को अमरीकी सैनिकों के जरिए अगवा करने के बाद वह क्यूबा, कोलंबिया सरीखे छोटे देशों के राष्ट्रपतियों को ऐसी धमकियां दे रहे हैं। 'वल्ड इकोनॉमिक फोरम' जैसे अंतरराष्ट्रीय मंच से राष्ट्रपति ट्रंप ने साफ-साफ कहा है कि वह ग्रीनलैंड पर कब्जा करेंगे, क्योंकि यह क्षेत्र अमरीका का है और अमरीकी सुरक्षा के लिए बहुत जरूरी है। रूस, चीन और यूरोप उन्हें रोक नहीं सकते। हालांकि ट्रंप ने ग्रीनलैंड में सेना का इस्तेमाल नहीं करने की बात कही है। उन्होंने ग्रीनलैंड को 'बर्फ का एक टुकड़ा' भी करार दिया है। यह एक विशालकाय, मायावी, ताकतवर दानव और बौने लिलिपुटियन के द्वन्द्व की कहानी सरीखा लगता है! राष्ट्रपति ट्रंप की लगातार धमकियों के कारण ही अमरीका और यूरोप पहली बार आमने-सामने तने हैं। फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों ने इसी वैश्विक मंच से, ट्रंप का नाम लिए बिना ही, कहा कि यूरोप किसी की 'दादागीरी' के सामने नहीं झुकेगा। यूरोप कोई समझौता भी नहीं करेगा। यूरोप और नाटो मिल कर ग्रीनलैंड की रक्षा करेंगे। डेनमार्क, बेल्जियम, कनाडा सरीखे देशों के प्रधानमंत्रियों ने राष्ट्रपति ट्रंप को आगाह किया है कि वह ग्रीनलैंड पर न तो ब्लैकमेलिंग करें और न ही 'रेडलाइन' को लांघने की कोशिश करें।

कुछ अलग

संत की राजा को सीख

किसी व्यक्ति की सुख-सुविधा देखकर यह तय नहीं किया जा सकता कि उसका जीवन वास्तव में सुखी है या नहीं। ये बात एक लोक कथा से सीख सकते हैं। कथा के अनुसार पुराने समय में एक राजा था, उसके पास अपार धन-संपदा, विशाल सेना और भव्य महल जैसी सभी सुख-सुविधाएं थीं। राजा अपनी संपत्ति और शक्ति पर बहुत घमंड करता था। वह सोचता था कि यही सब उसे सबसे अधिक सुखी बनाता है। एक दिन उसके राज्य में एक संत आए। संत की सादगी और उपदेश सुनने के लिए लोग दूर-दूर से आने लगे। उनकी बातें लोगों को शांति देती थीं। जब राजा को यह बात पता चली, तो उसने संत को अपने महल में आमंत्रित किया। राजा ने संत का पूरे आदर-सत्कार के साथ स्वागत किया और उनके लिए भोजन की व्यवस्था की। भोजन के बाद, राजा ने संत से कहा कि गुरुदेव, मेरे पास जीवन की सभी सुविधाएं हैं। आप जो चाहें मुझसे मांग सकते हैं। मैं आपको वही सुख प्रदान कर सकता हूं जो मुझे मिला है। संत ने शांतिपूर्वक उत्तर दिया कि राजन, मैं अपने जीवन से संतुष्ट हूं। मेरी आवश्यकताएं बहुत कम हैं और मेरा मन हमेशा शांत रहता है। संसार में सबसे सुखी वही व्यक्ति होता है, जिसका अंतिम समय भी सुखी होता है। राजा यह सुनकर क्रोधित हो गया और संत को महल से बाहर भेज दिया। कुछ दिनों बाद, राजा के राज्य पर शत्रुओं ने आक्रमण कर दिया। युद्ध में उसकी सेना हार गई और राजा को बंदी बना लिया गया। मृत्यु की घड़ी उसके सामने थी। इस कठिन समय में राजा को संत की बात याद आई कि संसार में सबसे सुखी वही व्यक्ति होता है, जिसका अंतिम समय भी सुखी होता है।

दृष्टि कोण

विश्व व्यवस्था में रणनीतिक उलझाव पर बदलता नजरिया

दशकों तक, रणनीतिक अस्पष्टता को समझदारी की तरह लिया जाता था, समय निकालने का तरीका, तनाव घटाएं और इतिहास को अपना काम करने दें। एक अधिक संतुलित दुनिया में, इसने स्थायित्व बनाने का काम किया। मौजूदा बिखरावपूर्ण विश्व व्यवस्था में, यह फैसला टालने, जवाबदेही बगैर सहनशक्ति परखने व तथ्य बदलने का जरिया है। जो उपाय कभी शांति कायम रखता था, आज अनिश्चितता बढ़ा रहा है। परिणाम है नियंत्रित विचलन। अस्पष्टता अचानक विफल नहीं हुई; जानबूझकर की गयी।

अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था ने शनैः-शनैः संयम को चुप्पी मानना सीख लिया। मुश्किल सवाल अनुत्तरित छोड़ दिए गये, सीमाएं अस्पष्ट और समयसीमा अनिर्धारित बनी रहीं। असमान महत्वाकांक्षा और अवसरवादी संशोधनवाद के युग में, अस्पष्टता सुरक्षा कवच की बजाय बोझ बन गई, जिसका दोहन वे करते हैं जिन्हें देरी करते जाने से फायदा है और भुगतना उन्हें पड़ता है जो विश्व व्यवस्था का पालन करने पर निर्भर रहते हैं। रणनीतिक अस्पष्टता की शुरुआत टालमटोल के तौर पर नहीं हुई थी। इसका मकसद था इरादे परखना और तालमेल बनने देना। यह कारगर रहा क्योंकि यह पारस्परिक आधार पर था और इसमें संतुलन शामिल था। समय के साथ, दोहराव ने इसे खोखला कर डाला। एक अस्थायी उपाय वह प्रवृत्ति बन गया;जिसका उद्देश्य नीयत स्पष्ट करना था, वह यथास्थिति की धीरे-धीरे, हिसाब-किताब लगाकर समाप्ति का तरीका बन गया।

जब अस्पष्टता असमानता हो जाए : अनिर्धारित सीमाओं से इतर इसकी मिसाल कहीं इतनी साफ दिखाई नहीं देती। बहुत ऊंचाई वाले इलाकों में, नीति का मोल विरल हवा और जमी बर्फ में मापा जाता है। सबसे पहले नागरिकों को भुगतना पड़ता है, मसलन, कोई चरवाहा किसी रोज पाए कि एक गैर-मान्यताप्राप्त बाड़बंदी ने पीढ़ियों पुरानी उसकी चरागाह छीन ली या जब कोई ग्रामीण पाए कि पुरखों से चला रहा उसके क्षेत्र का नक्शा रात में खामोश सैनिक गश्त से पुनर्निधारित कर दिया

गया। दूर समुद्र में , मछुआरों का यह पाना कि उनकी आजीविका रातोंरात अपराध बन गयी, इसलिए नहीं कि नक्शों की लकीरें सार्वजनिक रूप से पुनः खींची गईं, बल्कि इसलिए कि वे जानबूझकर अस्पष्ट छोड़ दी थी। ऐसी सीमाओं पर, सैनिक अनिश्चितता को जीवन का अंग मानकर जीते हैं। वे उसी ऊबड़-खाबड़ ज़मीन पर चलते हैं, मामला निबटा देने की बजाए संयम बरतते हैं। जब अस्पष्टता पककर टकराव में बदल जाती है, तब उन्हें राजधानियों में अनिर्णय से पैदा जोखिम संभालने के लिए मानव बारूदी सुरंगों के रूप में आगे कर दिया जाता है।

लीक बदलने की लोकतांत्रिक कीमत : लंबे समय तक जारी अस्पष्टता की कीमत समान रूप से नहीं झेलनी पड़ती। लोकतंत्र बहसों और जवाबदेही के जरिये अनिश्चितता को जज़्ब करते हैं। संशोधनवादी व्यवस्थाएं छद्म रूप से अस्पष्टता चलाती हैं। असमान संदर्भों में, अस्पष्टता सबसे मज़बूत पक्ष का भरोसेमंद साथ निभाती है। लीक में बदलाव असमान लागत लागू करता है और औपचारिक पसंद के बगैर, अंश-वार बदलाव बनाता है। ऐसी स्थितियों में, स्पष्टता टकराव नहीं बढ़ाती ; यह लोकतांत्रिक स्वच्छता है।

नियम कौन लिखता है : जब लोकतंत्र प्रारूप बनाने को टालते हैं, तो वे मूल स्वरूप खो देते हैं। नियम सहमति से नहीं, बल्कि बारंबार प्रक्रिया से बदलते हैं। अस्पष्टता विकल्पों का तबतक क्षरण करती जाती है जबतक कि सिर्फ़ एक ही बचे। एक सदी से भी पहले, लॉर्ड कर्ज़न ने पाया था कि सीमाओं को तय करने के बजाय उन्हें अनिर्धारित छोड़ देने से लाभ ज़्यादा होता है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज आर्थिक हालात के चलते कोई अहम काम बीच में अटक सकता है। आपके दोस्त आपको ऐसे वक़्त पर दग़ा दे सकते हैं, जब आपको उनकी सबसे ज़्यादा ज़रूरत हो। दूसरों को ख़ुशियाँ देकर और पुरानी ग़लतियों को भुलाकर आप जीवन को सार्थक बनाएंगे। आपको महसूस होगा कि आपके परिवार का सहयोग ही कार्यक्षेत्र में आपके अच्छे प्रदर्शन के लिए ज़िम्मेदार है। लोग आपके बारे में क्या सोचते हैं आज आपको इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ेगा। बल्कि आज आप खाली समय में किसी से मिलना जुलना भी पसंद नहीं करेंगे और एकांत में आनंदित रहेंगे।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा और प्रगति निश्चित है। लम्बे समय से अटके मुआवज़े और कर्ज़ आदि आख़िरकार आपको मिल जाएंगे। दूसरों को ख़ुशियाँ देकर और पुरानी ग़लतियों को भुलाकर आप जीवन को सार्थक बनाएं-गे। आपके अंदर नेतृत्व का गुण और लोगों की ज़रूरतों को समझने की संवेदनशी-लता है। अगर आप ख़ुद को अभिव्यक्त करने पर ज़ोर देंगे, तो सफलता आपके क़दम चूमेगी। घर के छोटे सदस्यों को साथ लेकर आज आप किसी पार्क या शॉपिंग मॉल में जा सकते हैं। किसी वृद्ध के स्वास्थ्य को लेकर हुई परेशानी आपके वैवाहिक जीवन को प्रभावित कर सकती है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

कारोबारियों को आज के दिन बहुत सोच समझकर पैसा निवेश करने की जरुरत है। आपकी ज्ञान की प्यास आपको नए दोस्त बनाने में मददगार साबित होगी। किसी से आँखें चार होनी की काफ़ी संभावना है। रचनात्मक काम में लगे लोगों के लिए सफलता से भरा दिन है, उन्हें वह शौहरत और पहचान मिलेगी जिसकी उन्हें एक अरसे से तलाश थी। खाली समय का पुरा आनंद उठाने के लिए आपको लोगों से दूर होकर अपने पसंदीदा काम करने चाहिए। ऐसा करके आपमें सकारात्मक बदलाव भी आएंगे। आज के दिन कुछ भी करने के लिए अपने साथी पर दबाव न डाले।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज घर में किसी फंक्शन के होने की वजह से आज आपको बहुत धन खर्च करना पड़ेगा जिसके कारण आपकी आर्थिक स्थिति खराब हो सकती है। बच्चों के साथ समय बिताना ख़ास होगा। रोमांस के लिहाज़ से रोमांचक दिन है। शाम के लिए कोई ख़ास योजना बनाएँ और जितना हो सके, इसे उतना रुमानी बनाने की कोशिश करें। आईटी से जुड़े लोगों को अपना जौहर दिखाने का मौक़ा मिल सकता है। आपको क़ामयाबी पाने के लिए केवल काम पर एकाग्र होकर जी-तोड़ मेहनत करने की ज़रूरत है। खाली समय का पुरा आनंद उठाने के लिए आपको लोगों से दूर होकर अपने पसंदीदा काम करने चाहिए।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

अपने जीवनसाथी के साथ मिलकर आज आप भविष्य के लिए कोई आर्थिक योजना बना सकते हैं और उम्मीद है कि यह योजना सफल भी होगी। किसी दूर के रिश्तेदार के यहाँ से मिली आकस्मिक अच्छी ख़बर आपके पूरे परिवार के लिए ख़ुशी के लम्हे लाएगी। काम में आपकी दक्षता की आज परीक्षा होगी। इच्छित परिणाम देने के लिए आपको अपनी कोशिशों पर एकाग्रता बनाए रखने की ज़रूरत है। घर से बाहर निकलकर आज आप खुली हवाओं में टहलना पसंद करेंगे। आज आपका मन शांत होगा जिसका फायदा आपको पूरे दिन मिलेगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

अपने शरीर की थकान मिटाने और ऊर्जा-स्तर को बढ़ाने के लिए आपको पूरे आराम की ज़रूरत है, नहीं तो शरीर की थकावट आपके मन में निराशावादिता को जन्म दे सकती है। निश्चित तौर पर वित्तीय स्थिति में सुधार आएगा- लेकिन साथ ही ख़र्चों में भी इज़ाफ़ा होगी। अपने घर के वातावरण में कुछ बदलाव करने से पहले आपको सभी की राय जानने की कोशिश करनी चाहिए। वरिष्ठ सहकर्मी और रिश्तेदार मदद का हाथ बढाएंगे। चीज़ें आपकी इच्छा के मुताबिक़ नहीं चलेंगी, लेकिन अपने हमदम के साथ आप अच्छा समय गुज़ारेंगे।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

बीते दिनों में जितना धन आपने आज को बेहतर बनाने के लिए इनवेस्ट किया था उसका फायदा आज आपको फायदा मिल सकता है। परिवार के सदस्यों का आपके जीवन में विशेष महत्व होगा। किसीकी दख़लअंदाज़ी के चलते आपके और आपके प्रिय के रिश्ते में दूरियाँ आ सकती हैं। इस राशि के कारोबारी आज किसी करीबी की गलत सलाह के कारण परेशानी में आ सकते हैं। जॉब करने वाले जातकों को आज कार्यक्षेत्र में सोच-समझकर चलने की जरुरत है। जरुरी कामों को समय न देना और फिजूल के कामों पर वक्त जाया करना आज आपके लिए घातक सिद्ध हो सकता है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

सट्टेबाज़ी से फ़ायदा हो सकता है। परिवार के सदस्यों के साथ कुछ आराम के पल बिताएँ। कार्यक्षेत्र में आप अच्छा महसूस करेंगे। आज आपके सहकर्मी आपके काम की तारीफ करेंगे और आपका बॉस भी आपके काम से खुश होगा। कारोबारी भी आज कारोबार में मुनाफा कमा सकते हैं। आज के दिन आपके कुछ दोस्त आपके घर में आ सकते हैं और उनके साथ आप समय बिता सकते हैं अपने जीवनसाथी के साथ आप आज एक शानदार शाम गुज़ार सकते हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज आपको अपना धन खर्च करने की जरुरत नहीं पड़ेगी क्योंकि घर का कोई बड़ा आज आपको धन दे सकता है। जिनसे आप प्यार करते हैं, उनसे आज सारी ग़लतफ़हमी दूर हो सकती है। आज आपका प्रेमी अपने मनोभावों को आपके सामने खुलकर नहीं रख पाएगा जिसकी वजह से आपको खिन्नता होगी। अपने काम और प्राथमिकताओं पर ध्यान एकाग्र करें। मुमकिन है कि आपके अतीत से जुड़ा कोई शख़्स आज आपसे संपर्क करेगा और इस दिन को यादगार बना देगा। आपको या आपके जीवनसाथी को बिस्तर में चोट लग सकती है। इसलिए एक-दूसरे का ख़याल रखें।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज रियल एस्टेट सम्बन्धी निवेश आपको अच्छा-ख़ासा मुनाफ़ा देंगे। बच्चे कोई दिल ख़ुश करने वाली ख़बर ला सकते हैं। बीते दिनों की मीठी यादें आपको व्यस्त रखेंगी। कार्यक्षेत्र में आपके प्रतिद्वन्द्वियों को अपने ग़लत कामों का फल मिलेगा। दिक़्क़तों का तेज़ी से मुक़ाबला करने की आपकी क्षमता आपको ख़ास पहचान दिलाएगी। आप एक बेहतरीन जीवनसाथी होने की ख़ुशक़िस्मती को शिद्दत से महसूस कर पाएंगे।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

धन का आगमन आज आपको कई आर्थिक परेशानियों से दूर कर सकता है। काम-काज में ज़रूरत से ज़्यादा तनाव के चलते परिवार की ज़रूरतों और इच्छाओं को दरकिनार न करें। आपका प्यार न सिर्फ़ परवान चढ़ेगा, बल्कि नई ऊँचाइयों को भी छूएगा। दिन की शुरुआत प्रिय की मुस्कान से होगी कार्यक्षेत्र में किसी विशेष व्यक्ति से आपकी मिल-ाक़ात हो सकती है जीवनसाथी से निकटता आज आपको ख़ुशी देगी। देव मंदिर मे श्रीफल अर्पित करें मानसिक शान्ति का अहसास होगा कार्य सिद्धि भी होगी।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज आपको अपनी संतान की वजह से आर्थिक लाभ होने की संभावना नजर आ रही है। इससे आपको काफी खुशी होगी। विद्यालय का काम पूरा करने के लिए बच्चे आपसे मदद ले सकते हैं। आज का दिन रोमांस से भरपूर होने की पूरी संभावना है। यह उन उम्दा दिनों में से एक दिन है जब कार्यक्षेत्र में आप अच्छा महसूस करेंगे। आज आपके सहकर्मी आपके काम की तारीफ करेंगे और आपका बॉस भी आपके काम से खुश होगा। कारोबारी भी आज कारोबार में मुनाफा कमा सकते हैं। इस राशि के छात्र छात्राओं को आज के दिन पढ़ाई में मन लगाने में दिक़्क़तें आ सकती हैं। आज आप अपना कीमती समय दोस्तों के चक्कर में बर्बाद कर सकते हैं।

आज का पंचांग

दिनांक : 24 जनवरी 2026 , शनिवार
विक्रम संवत : 2082
मास : माघ , शुक्ल पक्ष
तिथि : षष्ठी रात्रि 12:42 तक
नक्षत्र : उत्तराभाद्रपदा दोपहर 02:16 तक
योग : शिव दोपहर 02:01 तक
करण : कौलव दोपहर 01:18 तक
चन्द्रराशि : मीन
सूर्योदय : 06:49, सूर्यास्त 06:06 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:46, सूर्यास्त 06:17 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:40, सूर्यास्त 06:08 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:39 , सूर्यास्त 05:59 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रातः 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उडद खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : गण्डमूल दोपहर 02:16 से , श्रवण में रवि 10:49 से , पंचक चालू है , शुक्र तारा अस्त है

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

हरियाणा में आसमानी आफत

12 जिलों में तेज बारिश और सिरसा में ओले, पानीपत में सुबह छाया अंधेरा, 7 जिलों में ऑरेंज अलर्ट

हिसार , 23 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा में पश्चिमी विक्षोभ के असर से मौसम ने खतरनाक रुख अख्तियार कर लिया है। शुक्रवार सुबह प्रदेश के 12 जिलों में तेज गरज-चमक के साथ बारिश शुरू हुई, जिससे जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। सिरसा में जहां देर रात भारी ओलावृष्टि हुई, वहीं पानीपत में सुबह 8 बजे तक घने बादलों के कारण अंधेरा छाया रहा। मौसम विभाग (खचऊ) ने स्थिति को देखते हुए प्रदेश के कई हिस्सों में भारी बारिश और ओले गिरने की चेतावनी जारी की है। 60 किमी की रफ्तार से चल रही बर्फीली हवाएं प्रदेश में सिर्फ बारिश ही नहीं, बल्कि 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चल रही तेज ठंडी हवाओं ने ठिठुरन बढ़ा दी है। दिल्ली-चंडीगढ़ बेल्ट समेत सोनीपत,

यमुनानगर, हिसार, गुरुग्राम, और रेवाड़ी जैसे जिलों में सुबह से ही लगातार बूंदाबांदी का दौर जारी है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, 25 जनवरी तक प्रदेश में बारिश के आसार बने रहेंगे, जिससे दिन के तापमान में भारी गिरावट दर्ज की जा सकती है।

मौसम विभाग ने उत्तर हरियाणा के कैथल, करनाल, पानीपत, कुरुक्षेत्र, यमुनानगर, अंबाला और पंचकूला के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इन इलाकों में गरज-चमक के साथ तेज बारिश और ओले गिरने की प्रबल आशंका है। वहीं, प्रदेश के बाकी जिलों को 'यलो अलर्ट' पर रखा गया है, जहां मध्यम बारिश के साथ बिजली कड़कने की संभावना है।

बादलों की सघन आवाजाही के कारण रात के तापमान में 2 से 4 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जिससे रात की ठिठुरन में मामूली कमी आई है। हालांकि, दिन में धूप न निकलने और बारिश के चलते अधिकतम तापमान में बड़ी गिरावट आई है, जिससे दिन भर गलन वाली सर्दी महसूस की जा रही है।

जी राम जी योजना को लेकर विपक्ष केवल झूठ व भ्रम फैलाकर कर रहा है गुमराह : धनखड़

चंडीगढ़, 23 जनवरी (एजेंसियां)। भाजपा के राष्ट्रीय सचिव औमप्रकाश धनखड़ ने बादली विधान सभा के गांव बाढसा में विकसित भारत 2047 में जी राम जी योजना के 125 दिन के रोजगार की गारंटी के तहत आयोजित जन जागरूकता कार्यक्रम चौपाल सभा को संबोधित करते हुए कहा कि मोदी सरकार द्वारा मनरेगा में क्रांतिकारी सुधार किए गए हैं। विकसित भारत की मुहिम में इन सुध-ारों से श्रमिकों और किसानों को लाभ मिलेगा। धनखड़ ने नए स्वरूप विकसित भारत जी राम जी योजना पर विस्तृत जानकारी साझा करते कहा कि यह नया कानून न केवल ग्रामीण मजदूरों की आय बढ़ाएगा, बल्कि पारदर्शिता और समयबद्ध भुगतान सुनिश्चित करके उनके जीवन में बड़ा बदलाव लाएगा। उन्होंने कहा कि मनरेगा में बदलाव ग्रामीण भारत को विकसित भारत में बदलने के लिए किए गए हैं । जल संरक्षण, ग्रामीण विकास, ग्रामीण आजीविका, मौसमी आपदाओं के प्रभाव को कम करने वाले कार्यों को प्राथमिकता पर रखा गया है। मोदी सरकार का प्रयास है कि विकसित भारत में हर ग्रामीण की भूमिका होनी चाहिए। भाजपा राष्ट्रीय सचिव औमप्रकाश धनखड़ ने कहा कि सरकार ने श्रमिकों और किसानों के हित में बड़ा फैसला लेते हुए रोजगार के दिनों को 100 से बढ़ाकर 125 दिन कर दिया है। उन्होंने विशेष रूप से हरियाणा का जिक्र करते हुए कहा कि देश में सबसे अधिक दिहाड़ी हरियाणा दे रहा है, वर्तमान में जी राम जी योजना के तहत देश में सबसे अधिक मानदेय देने वाला राज्य बन गया है। रोजगार के दिन बढने से हरियाणा के प्रत्येक श्रमिक को सालाना लगभग 10,000 रुपये की अतिरिक्त आय होगी। नए कानून की सबसे बड़ी विशेषता पारदर्शिता और जवाबदेही है। धनखड़ ने स्पष्ट किया कि जी राम जी योजना के तहत काम पूरा होने के 15 दिनों के भीतर पारिश्रमिक का भुगतान नहीं होता है तो उस राशि पर ब्याज दिया जाएगा।

पराक्रम दिवस पर नेताजी सुभाष चंद्र बोस को नमन: हरविन्द्र कल्याण

चंडीगढ़, 23 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती के अवसर पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि नेताजी का संपूर्ण जीवन राष्ट्र की स्वतंत्रता, स्वाभिमान और पराक्रम को समर्पित रहा है। विधान सभा अध्यक्ष ने कहा कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस न केवल स्वतंत्रता संग्राम के महानायक थे, बल्कि वे ऐसे दूरदर्शी नेता भी थे, जिन्होंने देश की आज़ादी के लिए वैकल्पिक और साहसिक मार्ग अपनाने का साहस दिखाया।

आज़ाद हिंद फौज के माध्यम से उन्होंने देशवासियों में आत्मबल और आत्मसम्मान की भावना को मजबूत किया। उन्होंने कहा कि नेताजी के विचार, अनुशासन और नेतृत्व क्षमता आज भी प्रासंगिक हैं और वर्तमान पीढ़ी के लिए मार्गदर्शक हैं। उन्होंने युवाओं से आग्रह किया कि वे नेताजी के जीवन से प्रेरणा लेकर राष्ट्र निर्माण, सामाजिक समरसता और लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करने में योगदान दें।

प्रदेश में बनेंगे स्मार्ट एग्रीकल्चर तथा स्मार्ट इंडस्ट्रियल जोन : सैनी

चंडीगढ़।, 23 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने किसानों एवं उद्योगपतियों के हित में दो बड़ी घो-षणाएं करते हुए कहा कि राज्य में एक स्मार्ट एग्रीकल्चर जोन तथा एक स्मार्ट इंडस्ट्रियल जोन बनाया जाएगा, जहां किसानों एवं उद्योगपतियों को विशेष सुविधाएं दी जाएंगी। मुख्यमंत्री उद्योग एवं वाणिज्य विभाग की गत वर्ष के बजट में की गई घोषणाओं की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने आईएमटी मानेसर, बावल तथा कुंडली में फैक्ट्रियों में काम करने वाले मजदूरों के लिए डॉर्मिट्रीज़ तथा सिंगल रूम यूनिट्स के कार्य की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिस भी औद्योगिक क्षेत्र में वहां कार्यरत मजदूरों के लिए आवासीय जरुरत हो, वहां संबंधित इंडस्ट्रियल एसोसिएशन से विचार -विमर्श कर आवासीय सुविधा उपलब्ध करवाने की योजना तैयार करें। इससे जहां मजदूरों को उद्योग के नजदीक सस्ती आवासीय सुविधा मिलेगी, वहीं

उनके कार्य में भी गुणवत्ता आएगी।

बैठक में जानकारी दी गई कि गुड गवर्नेंस डे के दिन गत 25 दिसंबर, 2025 को कम से कम 50 फैक्ट्रियों वाली जिन अवैध कॉलोनियों को रेगुलर करने के लिए मुख्यमंत्री द्वारा नगर एवं ग्राम नियोजन विभाग के जिस पोर्टल को लांच किया गया था, उसके सकारात्मक परिणाम आ रहे हैं। उद्योगपति अपनी यूनिट को उक्त पोर्टल पर रजिस्टर कर रहे हैं। इन कॉलोनियों के नियमित होने पर उद्योगपतियों को जहां विभिन्न योजनाओं का समय पर लाभ मिल सकेगा, वहीं अलग -अलग विभागों की औपचारिकताएं पूरी करने के लिए दफ़्तरों के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे।बैठक में बताया गया कि मुख्यमंत्री द्वारा पिछले वर्ष के बजट में की गई घोषणा को मूर्त रूप देते हुए हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण द्वारा अलॉट (राज्य के विभिन्न इंडस्ट्रियल एस्टेट्स में) किये गए प्लॉट्स के मालिकों की लंबित समस्या का निराकरण कर दिया गया है। इन प्लॉट्स का पूरा कण्ट्रोल अब एचएसआईआईडीसी को दे दिया गया है। इसमें इंडस्ट्रियल प्लॉट को एचएसवीपी से एचएसआईआईडीसी को ट्रांसफर करने के मामले में ऑक्युपेशन सर्टिफिकेट, प्रोजेक्ट कम्प्लीशन सर्टिफिकेट आदि को प्राप्त करने में इन उद्योगों के मालिकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। राज्य सरकार के फैसले से प्रदेश के उद्योगपतियों को बहुत बड़ी राहत मिली है।

मुख्यमंत्री को यह भी जानकारी दी गई कि पिछले बजट में वित्त मंत्री के नाते ईएसआईसी अस्पताल/ डिस्पेंसरी खोलने के लिए प्लॉट देने के मामले में रियायत देने की घोषणा को पूरा कर दिया गया है। अब भविष्य में एचएसवीपी, एचए-सआईआईडीसी, पंचायत तथा दूसरे सरकारी विभागों से ईएसआईसी अस्पताल/ डिस्पेंसरी खोलने के लिए जो जमीन ली जाएगी, वह 75 फीसदी सस्ती दरों पर दी जाएगी।

मुख्यमंत्री को बताया गया कि हरियाणा आत्मनिर्भर टेक्सटाइल पॉलिसी 2022 -25 की अवधि एक वर्ष तक यानि दिसंबर 2026 तक बढ़ा दी गई है। इसके अलावा, मुख्यमंत्री ने कई वर्ष पहले बनाए गए औद्योगिक क्षेत्रों, जोकि शहरी आबादी के बीच में आ गए हैं, उनमें सीवर, सड़क, पेयजल, स्ट्रीट लाइट जैसे ढांचों को दुरुस्त करने के निर्देश दिए।मुख्यमंत्री ने सभी इंडस्ट्रियल एस्टेट्स में स्टार्टअप्स को रियायती दरों पर काम करवाने की सुविधा देने के लिए इन्क्यूबेशन सेंटर स्थापित करने के निर्देश दिए। बैठक में जानकारी दी गई कि आईएमटी मानेसर में एआई तथा क्वांटम कंप्यूटिंग टेक्नोलॉजी तथा आईएमटी खरखौदा में इलेक्ट्रिक व्हीकल तथा ऑटोमोटिव सेक्टर के प्रस्तावित इन्क्यूबेशन सेंटर हेतु जमीन चिह्नित कर ली गई है। दूसरे स्थानों पर भी इन्क्यूबेशन सेंटर बनाने के लिए प्रक्रिया जारी है।

राहुल गांधी की प्रेरक उपस्थिति से

कुरुक्षेत्र प्रशिक्षण शिविर में कार्यकर्ताओं का मनोबल सुदृढ़ : राव नरेंद्र सिंह

कुरुक्षेत्र, 23 जनवरी (एजेंसियां)। कुरुक्षेत्र में आयोजित कांग्रेस के 10 दिवसीय 'संगठन सृजन' प्रशिक्षण शिविर का वीरवार समापन हुआ। इस समापन समारोह में हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि यह शिविर पूर्णतः सुचारू, अनुशासित एवं व्यवस्थित रूप से संपन्न हुआ। शिविर के दौरान कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने बार-बार आकर कार्यकर्ताओं को प्रेरित किया एवं मार्गदर्शन प्रदान किया। विशेष रूप से हरियाणा एवं उत्तराखंड के जिला कांग्रेस अध्यक्षों के लिए यह शिविर एक अविस्मरणीय एवं उपयोगी अनुभव सिद्ध हुआ। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी जी की गरिमामयी उपस्थिति ने इस शिविर को और अधिक प्रभावशाली एवं प्रेरणादायी बना दिया। राहुल गांधी जी का कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद एवं रूबरू होना कांग्रेस कुनबे में नई ऊर्जा, उत्साह एवं आत्मविश्वास का संचार करने वाला क्षण रहा। राव नरेंद्र सिंह ने बताया कि राहुल गांधी जी ने संगठन

को मजबूत करने, अनुशासन बनाए रखने एवं जमीनी स्तर पर सक्रियता बढ़ाने के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि सांप्रदायिकता एवं देश-विरोधी ताकतों के खिलाफ एकजुट होकर संघर्ष करना अनिवार्य है। सभी वर्गों, जातियों, धर्मों एवं समुदायों को साथ लेकर हमें इन चुनौतियों का मुकाबला करना होगा।

प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने राहुल गांधी जी को एक प्रेरणा-स्रोत एवं मार्गदर्शक बताते हुए कहा, राहुल गांधी जी का संदेश हम सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। आने वाले समय में कांग्रेस संगठन अभूतपूर्व एकजुटता एवं दृढ़ संकल्प के साथ देश-विरोधी एवं समाज-विरोधी ताकतों का डटकर मुकाबला करने के लिए तैयार है।

अतिक्रमण विवाद में हाईकोर्ट का निर्णय

प्रभावितों के पक्ष में फैसला, याचिकाकर्ताओं पर एक लाख का जुर्माना

जयपुर, 23 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच, न्यायमूर्ति सुदेश बंसल और न्यायमूर्ति संदीप तनेजा, ने गांव नूनिया गोठड़ा, तहसील चिड़ावा, जिला झुंझुनूं स्थित सरकारी भूमि व चरागाह से जुड़े अतिक्रमण विवाद में दायर अवमानना याचिका को खारिज कर दिया और याचिकाकर्ताओं पर 1 लाख रुपये का जुर्माना लगाया।

हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि अवमानना कार्यवाही केवल आदेश के उल्लंघन की गंभीरता के लिए होनी चाहिए और जहां कानून के तहत वैकल्पिक उपाय उपलब्ध हों, वहां अवमानना का सहारा नहीं लिया जा सकता। इस प्रक्रिया में प्रभावित पक्ष के अधिकारों की रक्षा के लिए पार्टी बनने का आवेदन अधिवक्ता मोहित बलवदा और सुनील शेखावत द्वारा दायर किया गया था अदालत ने यह भी संज्ञान लिया कि प्रभावित अतिक्रमणकारियों के पक्ष में एकल पीठ द्वारा पारित अंतरिम स्थगन आदेश प्रभावी है, जो अधिवक्ता मोहित बलवदा द्वारा प्राप्त किया गया है। उल्लेखनीय है कि इसी प्रकरण में पहले दायर अवमानना याचिका को भी न्यायालय द्वारा खारिज किया जा चुका है। इसके अतिरिक्त, अधिवक्ता मोहित बलवदा ने पूर्व में भी समान मामलों में प्रभावित अतिक्रमणकारियों के हित में आदेश सुरक्षित कराए हैं और ऐसी अवमानना याचिकाएं सफलतापूर्वक खारिज कराई हैं।

सियाचिन से छुट्टी पर घर लौट रहे अग्निवीर की दर्दनाक मौत

भरतपुर, 23 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के भरतपुर जिले से एक विचलित कर देने वाली खबर सामने आई है। सियाचिन ग्लेशियर जैसी दुर्गम जगह पर तैनात भारतीय सेना के अग्निवीर पुष्पेंद्र (22) का शव उनके घर से महज तीन किलोमीटर दूर झाड़ियों में लहूलुहान हालत में मिला। पुष्पेंद्र तीन महीने बाद छुट्टी लेकर घर लौट रहे थे और उन्होंने पहुंचने से कुछ देर पहले ही अपने पिता को फोन कर जल्द घर आने की बात कही थी।

डेढ़ घंटे में घर पहुंच जाऊंगा पुष्पेंद्र के ताऊ शेर सिंह ने बताया कि पुष्पेंद्र गुरुवार को फ्लाइट से दिल्ली पहुंचे थे और वहां से बस द्वारा मथुरा आए। शाम करीब 7 बजे उन्होंने अपने पिता विजय सिंह को फोन कर बताया कि वह मथुरा पहुंच गए हैं और अगले डेढ़ घंटे में घर पहुंच जाएंगे। घर में खुशी का माहौल था और परिजन उनके आने का इंतजार कर रहे थे। जब रात 10 बजे तक पुष्पेंद्र घर नहीं पहुंचे और उनका मोबाइल भी स्विच ऑफ आने लगा, तो परिजनों की चिंता बढ़ गई। भाई रूपेंद्र और पिता ग्रामीणों के साथ उन्हें ढूंढने निकले। रात करीब 12 बजे पीपला गांव के पास सड़क किनारे झाड़ियों में पुष्पेंद्र का शव मिला। मौके पर काफी खून फैला हुआ था, जिससे आशंका जताई जा रही है कि किसी अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी और वे झाड़ियों में जा गिरे।

सरस्वती वंदन, युवा संवाद एवं मेगा पीटीएम

सीएम ने एक हजार करोड़ रुपये से अधिक की दी सौगात

जयपुर, 23 जनवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि युवा शक्ति किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी पूंजी होती है। देश-प्रदेश की तरक्की में युवाओं की निर्णायक भूमिका है। युवा देश के वर्तमान भी हैं और भविष्य भी हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार हर कदम पर प्रदेश के विद्यार्थियों और युवाओं के साथ खड़ी है। वे पूरी लगन एवं मेहनत से पढ़ाई करें, नवाचार करें और योजनाओं का लाभ उठाकर अपने सपनों को साकार करें। उन्होंने इस दौरान राजकीय महाविद्यालयों के विद्यार्थियों के लिए जयपुर में विदेशी भाषा संचार कौशल स्कूल खोलने की घोषणा भी की।

शर्मा शुक्रवार को बसंत पंचमी एवं नेत-ाजी सुभाष चन्द्र बोस की जयन्ती के अवसर पर कॉमर्स कॉलेज में आयोजित सरस्वती वंदन, युवा संवाद एवं मेगा पीटीएम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बसंत पंचमी की बधाई देते हुए कहा कि यह पर्व नवचेतना, नवसृजन और नवसंकल्प का प्रतीक है। प्रदेश में 75 लाख विद्यार्थियों द्वारा सामूहिक सरस्वती वंदना कर शिक्षा की देवी को नमन किया गया है। उन्होंने कहा कि सुभाष चन्द्र बोस ने आजाद हिन्द फौज की स्थापना कर देश की आजादी में योगदान दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार युवाओं की शिक्षा, कौशल विकास, रोजगार और स्वरोजगार के लिए अनेक तरह के प्रोत्साहन दे रही है। 1 लाख से अधिक पदों पर नियुक्तियां प्रदान की गई हैं और विभिन्न संवर्गों के 1 लाख 43 हजार पदों पर भर्ती प्रक्रियाधीन हैं और एक लाख सरकारी पदों की भर्ती परीक्षा का कैलेण्डर जारी किया गया है। निजी क्षेत्र में करीब ढाई लाख युवाओं को रोजगार मिला है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 71 नए राजकीय महाविद्यालयों की स्थापना, संभाग स्तर पर युवा साथी केंद्र की स्थापना, खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स का आयोजन जैसे कार्य किए गए हैं। साथ ही, युवाओं के सर्वांगीण विकास के लिए राजस्थान युवा नीति, मुख्यमंत्री युवा स्वर-ोजगार योजना, युवाओं को कौशल प्रशिक्षण तथा इंटर्नशिप, 65 आई-स्टार्टअप लॉन्चपैड नेस्ट स्थापना, 658 स्टार्टअप्स को करीब साढ़े 22 करोड़ रुपये की सहायता जैसे निर्णय लिए गए हैं।

आदिवासियों के विकास के लिए इंदिरा सोलर ट्राइबल डेवलपमेंट योजना : भट्टी

आसिफाबाद, 22 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। राज्य में कांग्रेस की लोगों की सरकार बनने के बाद आदिवासियों की समस्याओं का समाधान हो रहा है। डिप्टी सीएम भट्टी विक्रमार्का मल्लू ने गुरुवार को आसिफाबाद जिले के जैनूर मंडल के जंगम में आयोजित सभा को संबोधित करते हुए कहा कि 2023 की पीपुल्स मार्च पदयात्रा के दौरान आदिवासियों की अपीलों पर अमल तेजी से हो रहा है। उन्होंने लोगों को धन्यवाद देते हुए कहा, आपने हमें आशीर्वाद दिया, अब हम आपकी हर समस्या हल करेंगे।

उन्होंने बताया कि मार्च 2023 में संयुक्त आदिलाबाद से शुरू हुई पदयात्रा के दौरान जंगल की जमीन के अधिकार और खेती की परेशानियों पर चर्चा हुई थी। अब फॉरेस्ट राइट्स एक्ट के तहत पट्टे दिए जा चुके हैं। बिजली आपूर्ति की बाधाओं को दूर करने के लिए केंद्र सरकार की मइंदिरा सोलर ट्राइबल डेवलपमेंटफ (इंदिरा सौरा गिरी जल विकासम) योजना शुरू की गई है, जो देश में अनूठी है। इस योजना में सरकार बोरवेल खोदेगी, सोलर पावर से बिजली देगी, ड्रिप इरिगेशन लगाएगी तथा पाम ऑयल व एवोकाडो के पौधे मुफ्त उपलब्ध कराएगी। यह योजना नल्लमल्ला फॉरेस्ट क्षेत्र में पहले से चल रही है।

भट्टी ने भूमि विवादों के समाधान के लिए भू भारत एक्ट लागू करने का जिक्र किया। बिजली समस्याओं के लिए 1912 हेल्पलाइन पर 24 घंटे में समाधान का आश्वासन दिया। सभी पीवीटीजी आदिवासियों को इंदिरम्मा घर, महिलाओं को एक लाख करोड़ का ब्याज-मुक्त ऋण तथा आरटीसी बसों की खरीद-लीज सुविधा का उल्लेख किया। शिक्षा के लिए सीएम रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में 100 यंग इंडिया इंटरनेशनल स्कूल (प्रत्येक 25 एकड़, 200 करोड़ लागत) बन रहे हैं। उटनूर-आसिफाबाद सड़क चौड़ीकरण, उटनूर-करीमेरी सड़क एवं अनारपल्ली पुल के टेंडर जारी हो चुके हैं। आईटीडीए के जरिए ओजा जनजाति के हस्तशिल्प को स्वरोजगार मान्यता देकर मार्केटिंग सुविधा दी गई है।

कार्यक्रम में एमएलसी दांडे विट्ठल, ट्राईकार स्टेट चेयरमैन बेलैया नायक, जीसीसी चेयरमैन कोटनाका तिरुपति, एमपीडीसीएल सीएमडी वरुण रेड्डी, कलेक्टर के. हरिता, एसपी नितिका पंत, डीएफओ नीरज कुमार आदि उपस्थित थे।

मार्कंडेय जयंती धूमधाम से मनाई गई

आसिफाबाद, 21 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री शिव भक्त मार्कंडेय की जयंती पर जिला केंद्र में उत्तरवाहिनी नदी तट स्थित भक्त मार्कंडेय मंदिर में वैदिक विद्वान नागेश्वर के मार्गदर्शन में विशेष पूजा हुई। गणपति होम के बाद पूर्णाहुति कार्यक्रम आयोजित किया गया।

पद्मशाली सेवा संगम के तत्वावधान में पद्मशाली संघ के सदस्यों ने भक्तिमय शोभायात्रा निकाली। महिलाओं के कोलाटाम भक्ति गीतों ने यात्रा को आकर्षक बनाया। शोभायात्रा मंदिर से प्रारंभ होकर साईबाबा मंदिर, पोट्टी श्रीरामुलु चौक, गांधी चौक, विवेकानंद चौक, अंबेडकर चौक से गुजरकर मंदिर लौटी। बड़ी संख्या में श्रद्धालु जयकारे लगाते हुए शामिल हुए।

हुतात्मा पानसरे प्राथमिक विद्यालय में धूमधाम से मनाया स्वशासन दिवस

धर्माबाद, 22 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। धर्माबाद शहर के हुतात्मा पानसरे प्राथमिक विद्यालय में स्वशासन दिवस हर्षोल्लास से मनाया गया। प्राचार्य सुश्री जोशी सानिका प्रवीण, उपप्राचार्य हैंगरगे अनुष्का साईनाथ, पर्यवेक्षक वाघमारे सवली श्रीराम, दरमोड़ यज्ञेश पंढरीनाथ, पाटिल कल्याणी सहित 25 शिक्षकों और कक्षा 9वीं के 45 छात्रों ने भाग लिया।

कार्यक्रम में प्रधानाध्यापक पालकतवार सर, स्वशासन दिवस संयोजक श्री राठोड़ सर, सहकारी नरवाड़े सर, विनायक बारदवार सर, विठ्ठल हिमगिरे सर, सुनीता शाहू मैडम, सविता नोरलावार मैडम, सिदुलवार राजू सर, प्यादेकर प्रणिता मैडम, अश्विनी रामोड़ मैडम, शिंदे सर, नवीन लोकावाड़, बजरंग परसूर, पंढरीनाथ दरमोड़, प्रधानाध्यापिका कु. सानिका प्रवीण जोशी, संस्था सचिव विश्वनाथ पाटील बनाळीकर आदि उपस्थित रहे।

धर्माबाद नगरपालिका के उपनगराध्यक्ष शंकर अण्णा बोलमवाड, नगरसेवक ताहेरजी पठाण, कृष्णा तिमापुरे, सतीश उशलवाड ने छात्रों को शुभकामनाएं दीं।

प्रजा भवन में लंच के लिए आइए... मैं दो बार आया आपने खाना खिलाया और पदयात्रा में साथ चले

आसिफाबाद, 22 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। दो साल पहले सीएलपी नेता के रूप में पीपुल्स स्पोर्ट्स पदयात्रा के दौरान आदिवासी गांवों का दौरा करने वाले डिप्टी सीएम भट्टी विक्रमार्का मल्लू अब मलोगों की सरकारफ के प्रतिनिधि बनकर लौटे। गुरुवार को आदिलाबाद जिले के उटनूर मंडल के देवगुडेम गांव में उन्होंने उन ग्रामीणों से मुलाकात की, जिन्होंने पदयात्रा के समय उन्हें खाना खिलाया और साथ पैदल चले।

डिप्टी सीएम ने लक्ष्मीबाई और गंगूभाई को बुलाकर पुरानी तस्वीरें दिखाईं तथा कहा, ङ्गङ्घआपने मुझे खाना खिलाया, हाथ थामा और सरकार आने का आशीर्वाद दिया। आज वही सरकार सत्ता में है।ङ्घङ्ग उन्होंने घर, पानी निकासी, पट्टादार पासबुक तथा बिजली जैसी पुरानी समस्याओं के समाधान की जानकारी दी। अधिकारियों के साथ ग्रामीणों से बातचीत में आंगनवाड़ी केंद्र, सरकारी स्कूलों के लिए पक्की इमारतें तथा पीएसीएस उप-केंद्र बनाने का निर्देश दिया।

भावुक होकर भट्टी ने लक्ष्मीबाई व गंगूभाई को प्रजा भवन (हैदराबाद) में लंच के लिए आमंत्रित किया। मैं आपके आने-जाने का पूरा इंतजाम करूंगा।

जिला कलेक्टर के. हरिता ने जिला केंद्र के अधिकारियों व कर्मचारियों को कर्तव्यों के प्रति समयबद्ध रहने का निर्देश दिया। शुक्रवार को एकीकृत जिला समाहरणालय परिसर में एच डिवीजन कार्यालय का औचक निरीक्षण कर उपस्थिति रजिस्टर जांचा। उन्होंने कहा कि जन सेवाओं के लिए कर्मचारियों को अनुशासित व प्रतिबद्ध रहना चाहिए। ड्यूटी में देरी करने वालों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई के आदेश दिए।

मदन हिप्परगा पर पुल निर्माण में दो साल की लापरवाही, किसान परेशान

मदनूर, 23 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। संयुक्त मदनूर मंडल के मदन हिप्परगा गांव की जनता ने शुक्रवार को समाचार पत्र को बताया कि दो वर्ष पूर्व तत्कालीन बीआरएस सरकार ने पंचायत राज इंजीनियरिंग विभाग द्वारा कुर्ला से मदन हिप्परगा गांव की नदी पर उच्च स्तरीय पुल एवं सड़क निर्माण के लिए एसडीएफ निधि (अनुमानित मूल्य 360 लाख) स्वीकृत की थी। 24 सितंबर 2023 को जुक्कल विधानसभा क्षेत्र के तत्कालीन विधायक श्री हनुमंत शिंदे ने शिलान्यास किया, लेकिन आज तक न ठेकेदार पहुंचा न कोई अधिकारी।गांव के पूर्वी दिशा में लगभग 900 एकड़ खेत हैं, जहां दलित, पिछड़ा वर्ग तथा आदिवासी किसान फसलें उगाते हैं। इनमें एससी कॉर्पोरेशन एवं सरकार की गैरान जमीन शामिल है। बरसात में नदी पार करने के लिए किसानों को भारी परेशानी होती है। कुछ किसान खेत जाते समय बह गए, उनके परिवार दुखी हैं।स्थानीय किसानों ने तेलंगाना कांग्रेस सरकार एवं जुक्कल विधायक तोटा लक्ष्मी कांता राव से मांग की है कि उनके कार्यकाल में पुल एवं सड़क निर्माण पूरा कराया जाए।

गंगापुर जतरा में भक्तों को पूर्ण सुविधाएं सुनिश्चित करें : कलेक्टर

आसिफाबाद, 23 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला कलेक्टर के. हरिता ने रेबना मंडल के गंगापुर गांव में आयोजित बालाजी वेंकटेश्वर स्वामी जतरा महोत्सव में भक्तों को बिना असुविधा के सभी सुविधाएं प्रदान करने के निर्देश दिए। शुक्रवार को उन्होंने गांव का दौरा कर देवदाय विभाग अधिकारियों, सरपंच एवं अन्य के साथ तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने पेयजल, स्वच्छता, पार्किंग, दुकान परिसर, कैटरिंग की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। गणमान्य अतिथियों के आगमन, एम्बुलेंस एवं आपातकालीन सेवाओं की पूर्ण तैयारी के आदेश दिए। कलेक्टर ने वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर के इतिहास की जानकारी भी ली।

बेल्लमपल्ली नगर पालिका के नए नगर आयुक्त के रूप में जे. संपत रेड्डी ने शुक्रवार को पदभार ग्रहण किया। उन्हें मुलुगु नगर पालिका से स्थानांतरित कर बेल्लमपल्ली भेजा गया है। अब तक यहां कार्यरत नगर आयुक्त तन्नीरु रमेश का तबादला मुलुगु नगर पालिका के लिए किया गया है।

श्री सरस्वती शिशु मंदिर पाठशाला में शुक्रवार को वसंत पंचमी के उपलक्ष्य में सामूहिक अक्षराभ्यास कार्यक्रम आयोजित हुआ। मुख्य अतिथि जूनियर सिविल कोर्ट जज मुकेश कुमार ने शारदा मां के दर्शन किए। पाठशाला कमेटी ने उनका शाल ओढ़ाकर भव्य स्वागत व सम्मान किया। कार्यक्रम में प्रधानाध्यापक सत्यनारायण, पाटा भास्कर, बाला संतोष, कमल लाहोटी सहित अन्य शिक्षक उपस्थित रहे।

किनवट में बालासाहेब ठाकरे जन्म शताब्दी मनाई गई

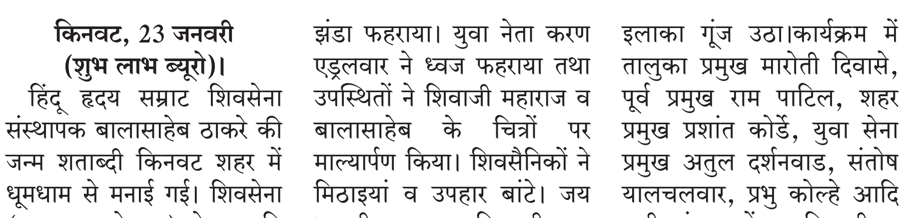

किनवट, 23 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। हिंदू हृदय सम्राट शिवसेना संस्थापक बालासाहेब ठाकरे की जन्म शताब्दी किनवट शहर में धूमधाम से मनाई गई। शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) ने छत्रपति शिवाजी महाराज चौक पर भगवा झंडा फहराया। युवा नेता करण एड्डलवार ने ध्वज फहराया तथा उपस्थितों ने शिवाजी महाराज व बालासाहेब के चित्रों पर माल्यार्पण किया। शिवसैनिकों ने मिठाइयां व उपहार बांटे। जय भवानी, जय शिवाजी व बालासाहेब अमर रहें के नारों से इलाका गूंज उठा।कार्यक्रम में तालुका प्रमुख मारोती दिवासे, पूर्व प्रमुख राम पाटिल, शहर प्रमुख प्रशांत कोर्डे, युवा सेना प्रमुख अतुल दर्शनवाड, संतोष यालचलवार, प्रभु कोल्हे आदि बड़ी संख्या में पदाधिकारी व शिवसैनिक उपस्थित रहे।

बड़ा शक्करगा में सरपंच विशालाक्षी ने पद्भार संभाला

मदनूर, 23 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। मदनूर मंडल के बड़ा शक्करगा गांव की नवनिर्वाचित सरपंच विशालाक्षी ने शुक्रवार को बसंत पंचमी के अवसर पर ग्राम पंचायत कार्यालय में शपथ ली। ग्राम सचिव ने सरपंच, उपसरपंच एवं वार्ड सदस्यों को शपथ दिलाई।

शपथ के बाद ग्रामीणों ने शाल-फूल से उनका मर्यादा पूर्वक सम्मान किया तथा शुभकामनाएं दीं। सरपंच विशालाक्षी ने कहा, ग्रामीणों के आशीर्वाद से पद मिला है, मैं गांव की सेवा के लिए सदा तत्पर रहूंगी। शपथ के बाद उन्होंने प्रथम इंदिरम्मा आवास की पूजा-अर्चना कर नींव रखी तथा निर्माण का निरीक्षण किया। कार्यक्रम में सलबतपुर हनुमान मंदिर अध्यक्ष राम पाटिल, ग्राम सचिव सहित ग्रामीण एवं कांग्रेस नेता उपस्थित थे।

18 वर्ष पूरे करने वाले हर व्यक्ति को मतदाता सूची में नाम दर्ज कराएं

आसिफाबाद, 23 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर जिला निर्वाचन अधिकारी व कलेक्टर के. हरिता ने 18 वर्ष पूरे करने वाले हर व्यक्ति को मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, जहां ग्रामीण मतदाता सक्रिय हैं लेकिन शहरी क्षेत्रों में लापरवाही बरती जाती है।शुक्रवार को एकीकृत जिला समाहरणालय सभा कक्ष में शपथ कार्यक्रम में अतिरिक्त कलेक्टर (राजस्व) एम. डेविड, राजस्व मंडल अधिकारी लोकेश्वर राव, ग्रामीण विकास अधिकारी दत्ता राव उपस्थित रहे। कलेक्टर ने स्वतंत्र व निडर मतदान पर जोर दिया।कार्यक्रम में चुनाव विभाग अधिकारी, जिला कर्मचारी व छात्र शामिल हुए।

धान की फसल में पीले तने के कीट से बचाव की ट्रेनिंग, किसान उत्साहित

बेल्लमपल्ली, 23 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। शुक्रवार को प्रोफेसर जयशंकर तेलंगाना कृषि विश्वविद्यालय के जगित्याल कृषि कॉलेज के ठअथए छात्रों ने बेल्लमपल्ली मंडल के बुधाकुर्द गांव में धान की फसल में पीले तने के कीट (मोगी) से बचाव के लिए किसानों को जागरूक किया। कृषि विज्ञान केंद्र बेल्लमपल्ली की देखरेख में आयोजित इस कार्यक्रम में लीफ टिप क्लिपिंग (पत्तियों के सिरे काटना) की प्रैक्टिकल ट्रेनिंग दी गई। छात्र राजेश्वर, गज्जेला कृष्ण हरि, घनश्याम बघार, हंस राज, जयंत ने बताया कि बुआई से पहले पत्तियों के सिरे काटने से कीट के अंडे व लार्वा खेत में प्रवेश नहीं कर पाते।

रणजी ट्रॉफी में सरफराज ने खेली एक और ऐतिहासिक पारी, 206 गेंदों में लगाया शानदार दोहरा शतक

मुंबई, 23 जनवरी (एजेंसियां)।

मुंबई के स्टार बल्लेबाज सरफराज खान ने रणजी ट्राफी में एक और यादगार पारी खेलते हुए हैदराबाद के खिलाफ दोहरा शतक जड़ दिया। शुक्रवार को सरफराज ने 206 गेंदों में अपना दोहरा शतक पूरा किया, जो उनके प्रथम श्रेणी करियर की पांचवीं डबल सेंचुरी है।

इस पारी के दौरान सरफराज ने अपना 17वां प्रथम श्रेणी शतक भी पूरा किया, जो 2025-26 सत्र का उनका पहला शतक रहा। 2019-20 सत्र के बाद से रणजी ट्राफी में सरफराज से ज्यादा शतक सिर्फ अमनदीप खरे और अनुष्टुप मजूमदार ने लगाए हैं। सरफराज की यह पारी आखिरकार 219 गेंदों में 227 रन पर समाप्त हुई। उन्होंने अपनी पारी में 19 चौके और 9 छक्के लगाए और 103.65 के शानदार स्ट्राइक रेट से रन बनाए। इस पारी की खास बात भारतीय टीम के साथी गेंदबाज मोहम्मद सिराज के खिलाफ उनका आक्रामक अंदाज रहा, जिनकी गेंदों पर सरफराज ने महज 39 गेंदों में 45 रन बटोर लिए। हाल के दिनों में सरफराज खान शानदार फार्म में नजर आ रहे हैं। उन्होंने 2025-26 विजय हजारे ट्राफी के सातवें राउंड में पंजाब के खिलाफ महज 15 गेंदों में अर्धशतक जड़कर सनसनी मचा दी थी। यह लिस्ट-ए क्रिकेट में किसी भारतीय बल्लेबाज द्वारा लगाया गया सबसे तेज अर्धशतक था। इस दौरान सरफराज ने महाराष्ट्र के अभिजीत काले (1995 में बड़ौदा के खिलाफ 16 गेंदों में अर्धशतक) और बड़ौदा के आलराउंडर आतित शेठ (2021 में छत्तीसगढ़ के खिलाफ 16 गेंदों में अर्धशतक) के संयुक्त रिकार्ड को तोड़ दिया। विजय हजारे ट्राफी में सरफराज मुंबई के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे। उन्होंने छह पारियों में 303 रन बनाए, जिसमें उनका औसत 75.75 और स्ट्राइक रेट 190.56 रहा। इसके अलावा 2025-26 सैयद मुश्ताक अली ट्राफी में भी सरफराज का बल्ला जमकर बोला, जहां वह मुंबई के दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे। उन्होंने सात मैचों में 329 रन बनाए, औसत 65.80 और स्ट्राइक रेट 203.80 रहा। सरफराज ने आखिरी बार नवंबर 2024 में न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट मैच में भारत के लिए खेला था, लेकिन इसके बाद से वह घरेलू क्रिकेट में लगातार शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। उनकी बेहतरीन फार्म का इनाम उन्हें आईपीएल 2026 की नीलामी में भी मिला, जहां चेन्नई सुपर किंग्स ने उन्हें उनके बेस प्राइस 75 लाख रुपये में खरीदा। सरफराज खान की यह पारी एक बार फिर साबित करती है कि वह घरेलू क्रिकेट के सबसे भरोसेमंद और आक्रामक बल्लेबाजों में से एक हैं।

न्यूज ब्रीफ

आस्ट्रेलियन ओपनः अल्कराज ने मौटे को सीधे सेटों में हराकर प्री-क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

मेलबर्न। स्पेन के युवा टेनिस स्टार कार्लोस अल्कराज ने आस्ट्रेलियन ओपन में शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए शुक्रवार को फ्रांस के कोरेंटिन मौटे को सीधे सेटों में हराकर राउंड आफ 16 में प्रवेश कर लिया। अपने 100वें ग्रैंड स्लैम मुकाबले में अल्कराज ने 6-2, 6-4, 6-1 से जीत दर्ज की। यह मुकाबला दो घंटे पांच मिनट तक चला। 22 वर्षीय छह बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन अल्कराज राड लेवर एरीना पर पूरी तरह हावी नजर आए। इस जीत के साथ क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने के लिए उनका मुकाबला अमेरिका के 19वीं वरीयता प्राप्त टामी पाल से तय हो गया है। अल्कराज अब तक आस्ट्रेलियन ओपन में क्वार्टर फाइनल से आगे नहीं बढ़ सके हैं और यह इकलौता ग्रैंड स्लैम है जो उनके खिताबी संग्रह में शामिल नहीं है। अगर वह यहां खिताब जीतते हैं, तो चारों ग्रैंड स्लैम जीतने वाले सबसे कम उम्र के पुरुष खिलाड़ी बन जाएंगे। मैच के बाद अल्कराज ने कहा, कोरेंटिन जैसे खिलाड़ी के खिलाफ खेलना आसान नहीं होता, क्योंकि आप नहीं जानते कि अगला शाट क्या होगा। लेकिन कोर्ट पर मुझे काफी मजा आया। यह अल्कराज के करियर का 100वां ग्रैंड स्लैम मैच था और इस दौरान उनका रिकार्ड 87 जीत और 13 हार का रहा, जो दिग्गज ब्योर्न बार्ग के रिकार्ड की बराबरी करता है।

होबार्ट हरिकेन्स को लगा बड़ा झटका, बीबीएल के शेष मैचों से बाहर हुए नाथन एलिस

सिडनी। बिग बैश लीग (बीबीएल) 2025-26 के फाइनल चरण से पहले होबार्ट हरिकेन्स को करारा झटका लगा है। टीम के कप्तान और स्टार तेज गेंदबाज नाथन एलिस हैमस्ट्रिंग की समस्या के कारण टूर्नामेंट के शेष मुकाबलों से बाहर हो गए हैं। इसके चलते वह सिडनी सिक्सर्स के खिलाफ होने वाले चैलेंजर मैच में भी हिस्सा नहीं ले पाएंगे। एलिस इससे पहले मेलबर्न स्टार्स के खिलाफ बारिश से प्रभावित मुकाबले में भी नहीं खेल सके थे। हालांकि, वह चैलेंजर मैच के लिए सिडनी पहुंचे थे और हरिकेन्स की 14 सदस्यीय टीम में शामिल किए गए थे। उम्मीद थी कि वह अहम मुकाबले में वापसी करेंगे, लेकिन एससीजी में मैच शुरू होने से कुछ घंटे पहले ही उन्हें टीम से बाहर कर दिया गया। उनकी जगह बल्लेबाज चार्ली वाकिम को टीम में शामिल किया गया है। होबार्ट हरिकेन्स ने शुक्रवार को जारी बयान में कहा, क्लब इस बात की पुष्टि करता है कि कप्तान नाथन एलिस हैमस्ट्रिंग में खिंचाव के कारण बीबीएल सीजन और बीबीएल 15 फाइनल्स के बाकी मुकाबलों से बाहर रहेंगे। एलिस, जो बुधवार रात खेले गए नाकआउट मैच में भी नहीं खेल पाए थे, फाइनल्स के आखिरी दो मैचों में वापसी की कोशिश कर रहे थे, लेकिन दुर्भाग्यवश वह चोट से उबर नहीं सके। एलिस की गैरमौजूदगी में बेन मैकडरमाट टीम की कमान संभालते रहेंगे। उन्होंने मेलबर्न स्टार्स के खिलाफ मुकाबले में भी कप्तानी की थी। वहीं तेज गेंदबाज बिली स्टैनलेक के अंतिम एकादश में बने रहने की संभावना है। इसके अलावा हरिकेन्स मैनेजमेंट क्रिस जार्डन की फिटनेस पर भी नजर बनाए हुए है। जार्डन ने नाकआउट मैच में टखने की चोट और होबार्ट में खराब मौसम के कारण केवल बल्लेबाज के रूप में ही हिस्सा लिया था।

टी20 वर्ल्ड कप 2026 से बाहर हुए एडम मिल्ने, काइल जैमीसन को मिला मौका

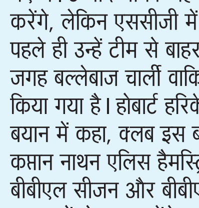

वेलिंगटन। टी20 वर्ल्ड कप 2026 से पहले न्यूजीलैंड टीम को बड़ा झटका लगा है। तेज गेंदबाज एडम मिल्ने बाएं पैर की हैमस्ट्रिंग में गंभीर चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह काइल जैमीसन को न्यूजीलैंड के वर्ल्ड कप स्क्वाड में शामिल किया गया है। न्यूजीलैंड क्रिकेट की ओर से शुक्रवार को जारी बयान के अनुसार, मिल्ने को यह चोट पिछले सप्ताहांत एसए 20 लीग के दौरान गेंदबाजी करते समय लगी। स्कैन में उनकी बाईं हैमस्ट्रिंग में खिंचाव (टियर) की पुष्टि हुई, जिसके बाद उन्हें टूर्नामेंट से बाहर करने का फैसला लिया गया। काइल जैमीसन को पहले फरवरी-मार्च में भारत और श्रीलंका में होने वाले टी20 वर्ल्ड कप के लिए ट्रैवलिंग रिजर्व के तौर पर चुना गया था। वह इस समय भारत दौरे पर न्यूजीलैंड की व्हाइट-बाल टीम का हिस्सा हैं। मिल्ने के बाहर होने के बाद जैमीसन को सीधे मुख्य वर्ल्ड कप टीम में प्रमोट कर दिया गया है। न्यूजीलैंड के मुख्य कोच राब वाल्टर ने मिल्ने के बाहर होने पर दुख जताया। उन्होंने कहा, एडम के लिए हम सभी बेहद दुखी हैं। उन्होंने इस टूर्नामेंट के लिए खुद को तैयार करने में बहुत मेहनत की थी और ईस्टर्न केप सनराइजर्स के लिए खेले गए आठ मैचों में वह अपनी बेहतरीन लय में नजर आ रहे थे।

भारत ने सात विकेट से जीता दूसरा टी20 मैच

रायपुर, 23 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय टीम ने न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज का दूसरा मुकाबला भी जीत लिया है। रायपुर में खेले गए मैच में भारत को 7 विकेट से जीत मिली। पहले खेलते हुए न्यूजीलैंड ने 6 विकेट पर 208 रन बनाए थे। भारतीय टीम की शुरुआत खराब रही और 6 रन पर दोनों ओपनर पवेलियन लौट चुके थे। इसके बाद भी टीम ने 16वें ओवर में ही लक्ष्य हासिल कर लिया। यह संयुक्त रूप से भारतीय टीम का सबसे टी20 में सबसे बड़ा रन चेज भी है। 5 मैचों की सीरीज में टीम इंडिया ने 2-0 की बढ़त बना ली है।

भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज संजू सैमसन पहले ओवर में आउट हो गए। मैट हेनरी ने उनका विकेट लिया। दूसरे ओवर में अभिषेक शर्मा गोल्डन डक हो गए। 6 रन पर दो विकेट गिरने के बाद टीम इंडिया दबाव में दिख रही थी। यहां से ईशान किशन और सूर्यकुमार यादव ने मोर्चा संभाला। तीसरे ओवर में 24 रन बने और यहां से भारत को वापसी का मौका मिल गया।

ईशान और सूर्या की जोड़ी क्रीज पर टिक गई। ईशान किशन ने 21 गेंदों पर अपना अर्धशतक पूरा किया। बैटिंग पावरप्ले में ही भारत ने 75 रन ठोक दिए। ईशान किशन शतक की तरफ बढ रहे थे लेकिन 76 रन बनाकर आउट हो गए। 32 गेंदों पर ईशान ने 11 चौके और 4 छक्कों की मदद से 76 रन बनाए। सूर्या के साथ उन्होंने 48 गेंद पर 122 रनों की साझेदारी की।

ईशान के आउट होने के बाद सूर्या ने 23 गेंदों पर अपना अर्धशतक पूरा किया। शिवम दुबे ने भी उनका साथ निभाया। 16वें ओवर की दूसरी गेंद पर भारत ने लक्ष्य हासिल कर लिया। 37 गेंद पर सूर्या ने 82 रन बनाए। उन्होंने 9 चौके और 4 छक्के मारे। दुबे के बल्ले से एक चौका और 3 छक्के की मदद से 17 गेंद पर 35 रन निकले।इससे पहले शहीद वीर नारायण सिंह इंटरनेशनल स्टेडियम में भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने टॉस जीतकर न्यूजीलैंड को बल्लेबाजी के लिए बुलाया। अर्शदीप सिंह के पहले ही ओवर में डेवोन कॉन्वे ने 18 रन ठोक दिए। इसके बाद अर्शदीप पारी का तीसरा ओवर फेंकने आए, जिसमें एक बार फिर 18 रन लुटे। कॉन्वे ने टिम सीफर्ट के साथ पहले विकेट के लिए 3.2 ओवरों में 43 रन की साझेदारी की। कॉन्वे 9 गेंदों में 1 छक्के और 3 चौकों के साथ 19 रन बनाकर आउट हुए। अगले ओवर में सीफर्ट भी चलते बने। सीफर्ट 13 गेंदों में 5 चौकों के साथ 24 रन बनाकर पवेलियन लौटे।

कीवी टीम 4.2 ओवरों में 43 के स्कोर तक दोनों सलामी बल्लेबाजों के विकेट गंवा चुकी थी। यहां से रचिन रविंद्र ने ग्लेन फिलिप्स के साथ तीसरे विकेट के लिए 27 गेंदों में 55 रन जोड़कर टीम को शतक के करीब पहुंचा दिया। फिलिप्स ने टीम के खाते में 19 रन का योगदान दिया। इसके बाद रचिन ने मोर्चा संभालते हुए 26 गेंदों में 4 छक्कों और 2 चौकों के साथ 44 रन बनाए।

कप्तान मिचेल सेंटनर सातवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे। उन्होंने मार्क चैपमैन (10) के साथ 32 रन, जबकि जैकरी फाउल्क्स (नाबाद 15) के साथ 19 गेंदों में 47 रन की अटूट साझेदारी करते हुए टीम को विशाल स्कोर तक पहुंचाया। कुलदीप यादव ने 2 विकेट हासिल किए जबकि हार्दिक पंड्या, हर्षित राणा, वरुण चक्रवर्ती और शिवम दुबे ने 1-1 विकेट सफलताएं मिली।

ऑस्ट्रेलियन ओपन : सबालेंका ने पोटापोवा को कड़े मुकाबले में हराकर प्री-क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

मेलबर्न, 23 जनवरी (एजेंसियां)।

विश्व नंबर-1 आर्यना सबालेंका ने आस्ट्रेलियन ओपन में अपनी पहली बड़ी चुनौती को पार करते हुए राउंड आफ 16 में प्रवेश कर लिया है। शुक्रवार को खेले गए तीसरे दौर के मुकाबले में सबालेंका ने अनास्तासिया पोटापोवा को सीधे सेटों में 7-6(4), 7-6(7) से हराया।

राड लेवर एरीना में हुए इस मुकाबले में पोटापोवा ने शानदार टेनिस खेलते हुए सबालेंका को कड़ी टक्कर दी। रूस से हाल ही में अपनी नागरिकता बदलकर आस्ट्रिया की ओर से खेलने उतरी पोटापोवा ने शुरुआती मैच में केंद्रीय यूरोपीय देश का बेहतरीन प्रतिनिधित्व किया।

दूसरे सेट में सबालेंका 0-4 से पीछे चल रही थीं, लेकिन इसके बाद पोटापोवा ने तीन बार ब्रेक लेकर 6-5 की बढ़त बना ली और मुकाबले को रोमांचक मोड़ पर पहुंचा दिया। हालांकि निर्णायक टाईब्रेक में पोटापोवा चार सेट प्वाइंट का फायदा नहीं उठा सकीं, जिसका खामियाजा उन्हें हार के रूप में भुगतना पड़ा।

सबालेंका ने अहम मौकों पर संयम दिखाया और ड्राइव वाली के जरिए मैच प्वाइंट बनाया। अंततः पोटापोवा की बैकहैंड नेट में जाने के साथ ही मुकाबला सबालेंका के नाम हो गया। उन्होंने अविश्वसनीय टेनिस खेला। मैं लगातार दबाव में थी और सच कहूं तो ऐसे दिन भी आते हैं जब आपको बस टिके रहना होता है और लड़ना होता है। भावनात्मक रूप से मैं काफी उलझी हुई थी, मेरा दिमाग कहीं और था, हाथ कहीं और जा रहे थे। लेकिन किसी तरह, जादुई तरीके से, मैं यह मैच जीतने में सफल रही।

चार बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन सबालेंका ने मेलबर्न पार्क में लगातार छठी बार चौथे दौर में जगह बनाई है। उन्होंने यहां 2023 और 2024 में लगातार खिताब जीते थे।

अब प्री-क्वार्टर फाइनल में सबालेंका का सामना कनाडा की 17वीं वरीयता प्राप्त विक्टोरिया मबोको से होगा, जिन्होंने आस्ट्रेलियन ओपन के मेन ड्रा में पदार्पण करते हुए क्लारा टाउसन को हराकर अंतिम 16 में जगह बनाई।

टी20 विश्वकप के लिए टीम नहीं भेजे जाने के फैसले से निराश बांग्लादेशी खिलाड़ी

मुम्बई। बांग्लादेश सरकार ने सुरक्षा कारणों से टी20 विश्व कप 2026 के लिए अपनी टीम भारत भेजने से इंकार कर दिया है। इससे बांग्लादेश की टीम टी20 विश्वकप से बाहर हो गयी है। बांग्लादेश बोर्ड का कहना है कि उसने सुरक्षा कारणों से अपनी टीम को भारत नहीं भेजने का फैसला किया है। ऐसे में अब स्काटलैंड को विश्वकप में जगह मिल सकती है। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार सरकार के इस फैसले से बांग्लादेश के क्रिकेटर खुश नहीं हैं। खिलाड़ियों का कहना है कि सरकार ने विश्व कप नहीं खेलने का फैसला लेने से पहले उनसे बात नहीं की थी। खिलाड़ियों की नाराजगी फैसले से ज्यादा उसे लेने के तरीके से है। इसमें खिलाड़ियों से बात करने की जगह आदेश दिये गये। इससे खिलाड़ियों को लगा कि वे फैसले का हिस्सा नहीं बने। बोर्ड न हालांकि खिलाड़ियों की एक बैठक बुलाई थी पर उसमें कुछ नहीं हुआ। इसी को लेकर एक क्रिकेटर ने कहा, बैठक हमारी सहमति के लिए नहीं बुलाई गई थी। हमें केवल यह बताने के लिए बुलाया गया कि क्या होने वाला है। फैसले पहले ही लिए जा चुके थे और हमारी सलाह का उस पर कोई असर नहीं पड़ा जबकि होना ये था कि खिलाड़ियों से सलाह ली पर साफ कह दिया गया कि भारत में विश्व कप खेलने का सवाल ही नहीं है। क्रिकेटरों का मानना है कि इस फैसले में सरकार का दखल रहा है। पहले ही कह दिय गया कि जाएगी। इससे क्रिकेट को एक प्रकार से सुरक्षा और राज्य की नीति का हिस्सा बता दिया गया। वहीं मीटिंग के दौरान कप्तान लिटन दास और टेस्ट कप्तान नजमुल हुसैन शान्तो ने कहा कि टीम तैयार है और टूर्नामेंट में खेलने को उत्सुक है।

वॉर्नर ने सिडनी थंडर के साथ एक साल का नया करार किया

सिडनी, 23 जनवरी (एजेंसियां)।

आस्ट्रेलिया के दिग्गज बल्लेबाज़ डेविड वार्नर बिग बैश लीग (बीबीएल) में कम से कम एक और सीज़न तक खेलते नजर आएंगे। वार्नर ने 2025-26 सीज़न के शानदार प्रदर्शन के बाद सिडनी थंडर के साथ एक साल के नए अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं।

हालांकि सिडनी थंडर का पिछला सीज़न निराशाजनक रहा और टीम अंकतालिका में सबसे नीचे रही—तीन में दूसरी बार, जबकि एक सीज़न पहले वह उपविजेता बनी थी—लेकिन वार्नर का व्यक्तिगत प्रदर्शन बेहद प्रभावशाली रहा। उन्होंने 86.60 की औसत और 154.09 के स्ट्राइक रेट से 433 रन बनाए, जिसमें दो शतक शामिल थे। उनकी आखिरी चार पारियों में नाबाद 130, नाबाद 67, 82 और नाबाद 110 रन शामिल रहे।

वार्नर के बाद मैथ्यू गिल्क्स थंडर के दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज़ रहे, जिन्होंने 232 रन बनाए, लेकिन उनका औसत 23.20 रहा। सैम बिलिंग्स ही एकमात्र अन्य बल्लेबाज़ रहे जो 200 से अधिक रन बना सके।

नए करार के साथ वार्नर, जो टी20 क्रिकेट के इतिहास में चौथे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं, 40 वर्ष की उम्र के बाद भी बीबीएल में खेलते नजर आएंगे। अनुबंध पर हस्ताक्षर के बाद वार्नर ने कहा, यह हमारे लिए निश्चित रूप से एक चुनौतीपूर्ण साल रहा। हम उससे कहीं बेहतर टीम हैं, जितना हमने इस सीज़न मैदान पर दिखाया और हम निरंतर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सके। लेकिन हर मैच में बड़ी संख्या में स्टेडियम पहुंचने वाले हमारे प्रशंसकों का समर्थन मेरे इस फैसले में बेहद अहम रहा। मुझे लगता है कि मेरे अंदर अभी भी इस टीम और इस खेल के लिए बहुत कुछ देने की क्षमता है। मैं अपने प्रदर्शन से काफी सहज महसूस कर रहा था और टीम को मुकाबले में बनाए रखने पर गर्व है। हमने सीज़न की समीक्षा शुरू कर दी है और बीबीएल 16 में मजबूत वापसी के लिए सही योजनाएं बना रहे हैं। सिडनी थंडर के जनरल मैनेजर ट्रेंट कोपलैंड ने कहा कि वार्नर को टीम में बनाए रखना आसान फैसला था। उन्होंने कहा, हम बेहद खुश हैं कि डेविड वार्नर एक और सीज़न के लिए हमारे साथ बने रहेंगे। उनका साल शानदार रहा। पिछले 15 वर्षों में वह दुनिया के सर्वश्रेष्ठ टी20 खिलाड़ियों में से एक रहे हैं और आज भी बीबीएल के बेहतरीन बल्लेबाज़ों में शामिल हैं। उनकी फिटनेस शानदार है और एक निराशाजनक सीज़न के बाद टीम को आगे ले जाने की उनकी भूख और नेतृत्व क्षमता पहले जैसी ही मजबूत है। बीबीएल का कान्ट्रैक्टिंग एम्बार्गो 27 जनवरी को शाम 5 बजे से लागू होगा, जिसके बाद प्रत्येक क्लब अपनी टीम में अधिकतम 10 खिलाड़ियों को अनुबंधित कर सकेगा। इसके अगले दिन खिलाड़ी ट्रांसफर विंडो खुलेगी, जिसमें खिलाड़ी क्लबों के बीच ट्रेड हो सकेंगे और कान्ट्रैक्ट समाप्त होने वाले खिलाड़ी नई टीमों के साथ जुड़ सकेंगे।

अमेरिकी कोच नताली लद्दाख में फिगर स्केटिंग के जरिए स्थानीय खेल समुदाय को कर रहीं मजबूत

लेह (लद्दाख), 23 जनवरी (एजेंसियां)।

अमेरिका की रहने वाली फिगर स्केटिंग कोच नताली फाल्सग्राफ किसी मायने में एक सच्ची लद्दाख प्रेमी हैं। साल 2018 में पहली बार जिज्ञासावश लेह-लद्दाख पहुंचीं नताली को यह पहाड़ी इलाका इतना भा गया कि तब से वह लगातार यहां आती रही हैं। आज वह अपनी फिगर स्केटिंग विशेषज्ञता के जरिए लद्दाख के बच्चों को निःस्वार्थ भाव से प्रशिक्षण देकर स्थानीय खेल समुदाय को मजबूत कर रही हैं।

इन दिनों लेह में खेलो इंडिया विंटर गेम्स 2026 (केआईडब्ल्यूजी) का पहला चरण खेला जा रहा है और इस बार खेलों के इतिहास में पहली बार फिगर स्केटिंग को शामिल किया गया है। इस फैसले ने न केवल इस खेल को नई पहचान दी है, बल्कि नताली फाल्सग्राफ को भी चर्चा के केंद्र में ला दिया है।

नताली ने साई मीडिया के हवाले से कहा मैंने अपनी जिंदगी का ज्यादातर समय फिगर स्केटिंग में बिताया है। जब मुझे भारत में, खासकर लद्दाख में प्राकृतिक बर्फ पर स्केटिंग और आइस हाकी के बारे में पता चला तो मैं बेहद उत्साहित हो गई। मैं प्राकृतिक बर्फ पर स्केट करना चाहती थी और उस समुदाय को देखना चाहती थी, जो आइस स्पोर्ट्स के इर्द-गिर्द बना है।

लेह पहुंचने के बाद नताली का जुड़ाव यहां की संस्कृति और लोगों से और गहरा होता गया। उन्होंने कहा, मैं यहां की स्केटिंग संस्कृति, लोगों के सहयोग और सीखने के जुनून से बेहद प्रभावित हुई। लद्दाख के छोटे-छोटे गांवों में सर्दियों के दौरान जमी हुई झीलों पर लोग स्केटिंग सीखते नजर आते हैं। यही जुनून मुझे बार-बार लद्दाख खींच लाता है।

नताली वर्तमान में लद्दाख विमेंस आइस हाकी फाउंडेशन से जुड़ी हुई हैं। वह अमेरिका में सीनियर स्तर की फिगर स्केटर रह चुकी हैं और अपने देश में व्यापक कोचिंग अनुभव रखती हैं।

खास बात यह है कि लद्दाख में वह किसी आर्थिक लाभ के लिए नहीं, बल्कि पूरी तरह सेवा भावना से बच्चों को फिगर स्केटिंग सिखा रही हैं।

खेलो इंडिया विंटर गेम्स 2026 में फिगर स्केटिंग की दो श्रेणियों—नौसिखिया (नोविस) और एडवांस्ड—के अंतर को समझाते हुए नताली ने कहा कि एडवांस्ड स्तर पर जंप और स्पिन कहीं अधिक कठिन हो जाते हैं, जबकि नोविस स्तर पर बुनियादी तकनीकों पर जोर रहता है।

नताली का मानना है कि खेलो इंडिया के तहत फिगर स्केटिंग को शामिल करना इस खेल के लिए बेहद सकारात्मक कदम है। उन्होंने कहा, यह पूरे देश में फिगर स्केटिंग के प्रति जागरूकता बढ़ाने और खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का स्पष्ट रास्ता दिखाने का शानदार मौका है। उनकी दो शिष्याएं—स्तांजिन खान्डो और तेनजिन कुंजिन (जांस्कर क्षेत्र से)—ने खेलो इंडिया विंटर गेम्स 2026 में नौसिखिया वर्ग में पदक जीतकर इस प्रयास को और मजबूती दी है।

भारतीय प्रतिभाओं पर बात करते हुए नताली ने तारा प्रसाद का खास तौर पर जिक्र किया, जो इस समय बीजिंग में फोर कान्टिनेंट्स चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व कर रही हैं। उन्होंने तारा को युवा स्केटर्स के लिए एक आदर्श बताया।

लेह के नवांग दोरजे स्टोबडन स्टेडियम में मौजूद आर्टिफिशियल आइस रिंक देश का दूसरा ऐसा रिंक है, जबकि पहला देहरादून में है। नताली का मानना है कि देश में इंडोर और आर्टिफिशियल आइस रिंक्स का विकास आइस स्पोर्ट्स के भविष्य के लिए बेहद जरूरी है।

उन्होंने कहा, आर्टिफिशियल आइस खिलाड़ियों को सालभर अभ्यास का मौका देता है। यह भारत में फिगर स्केटिंग समुदाय को मजबूत करने और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने की दिशा में बड़ा कदम है।

नताली फाल्सग्राफ की यह निःस्वार्थ पहल साबित करती है कि खेल सिर्फ प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि संस्कृतियों को जोड़ने और समुदायों को सशक्त बनाने का माध्यम भी हो सकता है।

दावोस में केरल ने 14 अरब डॉलर निवेश की प्रतिबद्धता हासिल की

राज्य ने भारत का पहला पूर्णतः डिजिटल साक्षर राज्य बनने का गौरव प्राप्त किया

तिरुवनंतपुरम, 23 जनवरी (एजेंसियां)।

केरल राज्य ने विश्व आर्थिक मंच की वार्षिक बैठक में 14 अरब अमेरिकी डॉलर (लगभग 1.18 लाख करोड़ रुपये) के निवेश की प्रतिबद्धता हासिल करने की घोषणा की। राज्य ने भारत का पहला पूर्णतः डिजिटल साक्षर राज्य बनने का गौरव प्राप्त किया है। नागरिकों के लिए इंटरनेट की पहुंच को मूलभूत अधिकार मानते हुए इंटरनेट स्वतंत्रता को मान्यता दी गई है। राज्य की भूमि पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील होने के कारण केरल ने प्रकृति, लोग, उद्योग का नारा अपनाया है। उद्योग मंत्री पी. राजीव ने बताया कि राज्य ने नई औद्योगिक नीति और देश की पहली पर्यावरण-सामाजिक प्रशासन (ईएसजी) नीति को लागू किया है। इस निवेश योजना में अमेरिका, ब्रिटेन, जर्मनी, इटली, स्पेन और अफ्रीकी देशों के निवेशकों से भागीदारी शामिल है। प्रस्तावित निवेश नवीकरणीय ऊर्जा, जीसीसी, कौशल विकास, वित्तीय सेवाएं, पर्यटन, स्वास्थ्य और चिकित्सा उपकरण निर्माण जैसे विभिन्न क्षेत्रों में होगा। राज्य सरकार का उद्देश्य न केवल आर्थिक विकास को बढ़ावा देना है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और डिजिटल समावेशन को भी सुनिश्चित करना है। इस पहल से केरल का निवेश आकर्षण और वैश्विक स्थिति मजबूत होगी।

तेलंगाना ने दावोस में डब्ल्यूईएफ 2026 में निवेश और विकास की नई राह दिखाई

हैदराबाद। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में राज्य का प्रतिनिधिमंडल दावोस में आयोजित विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) 2026 की वार्षिक बैठक में शामिल हुआ। तीन दिवसीय दौरे के दौरान मुख्यमंत्री और उनकी टीम ने वैश्विक उद्योग जगत के प्रमुख प्रतिनिधियों के साथ सार्थक चर्चा की और राज्य में बड़े निवेश को आकर्षित करने के लिए कई समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। राज्य सरकार ने बताया कि समझौते मुख्य रूप से ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर, डेटा सेंटर, स्वच्छ और हरित ऊर्जा, तथा विनिर्माण क्षेत्र में किए गए। इसके अलावा, कृत्रिम मेधा (एआई), सतत विकास और कौशल विकास कार्यक्रमों को बढ़ावा देने के लिए भी कई एमओयू पर हस्ताक्षर हुए। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने हैदराबाद में डब्ल्यूईएफ के एक अनुवर्ती कार्यक्रम आयोजित करने का प्रस्ताव रखा, जिसे व्यापार जगत के प्रतिनिधियों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली। इस पहल का उद्देश्य राज्य में निवेश और उद्योग सहयोग को और बढ़ावा देना है। दावोस में तीन दिनों के दौरान मुख्यमंत्री ने ब्लू-चिप कंपनियों और उद्योग जगत के दिग्गजों के साथ 12 आमने-सामने बैठकें कीं।

न्यूज ब्रीफ

डीएलएफ की बिक्री बुकिंग 16 प्रतिशत घटकर 16,176 करोड़ हुई

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी रियल एस्टेट कंपनी डीएलएफ लिमिटेड की बिक्री बुकिंग चालू वित्त वर्ष के पहले नौ महीनों (अप्रैल-दिसंबर 2025-26) में 16,176 करोड़ रुपए रही, जो पिछले वर्ष के 19,187 करोड़ रुपए की तुलना में 16 फीसदी कम है। तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) में बिक्री बुकिंग केवल 419 करोड़ रुपए रही, जबकि पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में यह 12,039 करोड़ रुपए थी। कंपनी ने बताया कि इसकी मुख्य वजह 'द डहलियाज' अल्ट्रा-लक्ज़री प्रोजेक्ट की बुकिंग अस्थायी रूप से रोकना था। डीएलएफ ने कहा कि 'द डहलियाज' में डिज़ाइन में बदलाव किया जा रहा है ताकि ग्राहक अनुभव बेहतर हो। कंपनी ने 2025-26 के लिए 20,000-22,000 करोड़ रुपए की बिक्री बुकिंग का लक्ष्य रखा है और कहा कि मध्यम अवधि की योजना के अनुसार नई परियोजनाएं पेश करना जारी रहेगा। पिछले वर्ष कुल बिक्री 21,223 करोड़ रुपए थी। डीएलएफ ने आश्वासन दिया है कि गिरावट के बावजूद वार्षिक लक्ष्य हासिल किया जाएगा।

आईआरबी इंफ्रा ने एनएच-27, एनएच-731 पर टोल वसूली की शुरू

नई दिल्ली। आईआरबी इन्फ्रास्ट्रक्चर एंड डेवलपर्स (आईआरबी इंफ्रा) ने राष्ट्रीय राजमार्ग-27 के लखनऊ-अयोध्या-गोरखपुर खंड और राष्ट्रीय राजमार्ग-731 के लखनऊ-सुल्तानपुर खंड पर टोल वसूली शुरू कर दी है। कंपनी ने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) को 9,270 करोड़ रुपये की अग्रिम रियायत शुल्क राशि का भुगतान किया है। इसके बाद वित्तीय समापन के साथ ही टोल संग्रह आरंभ किया गया। टोल वसूली आईआरबी इंफ्रा की विशेष परियोजना इकाई आइआरबी हरिहर कॉरिडोर्स के माध्यम से 20 वर्ष की राजस्व-आधारित रियायत अवधि के लिए की जाएगी। आईआरबी समूह ने बताया कि एनएच-27 गलियारा भारत के प्रमुख धार्मिक और सांस्कृतिक शहरों को जोड़ता है। यह यात्रियों और श्रद्धालुओं के लिए सुरक्षित, कुशल और सुगम यात्रा सुनिश्चित करेगा। इस परियोजना से क्षेत्रीय बुनियादी ढांचे में सुधार होगा और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी, साथ ही लाखों यात्रियों और श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधा मिलेगी।

फिर महिंद्रा स्कॉर्पियो ने टॉप पोजीशन हासिल की

नई दिल्ली। दिसंबर 2025 के बिक्री के मामले में 4.5 से 4.7 मीटर सेगमेंट में एक बार फिर महिंद्रा स्कॉर्पियो ने टॉप पोजीशन हासिल की है। दिसंबर माह में महिंद्रा स्कॉर्पियो को कुल 15,850 नए ग्राहक मिले, जो सालाना आधार पर 30.26 प्रतिशत की बढ़ोतरी को दर्शाता है। दिसंबर 2024 में यह आंकड़ा 12,195 यूनिट का था, जिससे साफ है कि स्कॉर्पियो की लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है। इस सेगमेंट में दूसरे स्थान पर टाटा हैरियर रही। टाटा हैरियर ने दिसंबर 2025 में 2,378 यूनिट की बिक्री दर्ज की, जो सालाना आधार पर 81.94 प्रतिशत की जबरदस्त बढ़ोतरी है। तीसरे नंबर पर महिंद्रा एक्सईवी 9ई रही, जिसे बीते महीने 2,154 ग्राहकों ने खरीदा। वहीं चौथे स्थान पर टाटा सफारी ने अपनी जगह बनाई। टाटा सफारी की बिक्री 1,446 यूनिट रही, जिसमें सालाना आधार पर 4.40 प्रतिशत की मामूली बढ़ोतरी दर्ज की गई। पांचवें नंबर पर महिंद्रा एक्सयूवी700 रही, जिसकी बिक्री में इस दौरान भारी गिरावट देखने को मिली। दिसंबर 2025 में एक्सयूवी700 की 1,424 यूनिट बिकीं, जो सालाना आधार पर 80.59 प्रतिशत कम है। छठे स्थान पर एमजी हेक्टर रही, जिसकी बिक्री 1,147 यूनिट रही और इसमें 16.46 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। सातवें नंबर पर हुंडई अल्काजार रही, जिसकी बिक्री 56.86 प्रतिशत घटकर 579 यूनिट पर सिमट गई। आठवें स्थान पर महिंद्रा एक्सईवी 9एस रही, जिसे 491 नए ग्राहक मिले। नौवें नंबर पर जीप कंपास रही, जिसकी बिक्री 20 प्रतिशत गिरकर 140 यूनिट रही।

सोना-चांदी ने रचा इतिहास, सोना 1.59 लाख और चांदी 3,33,300 के पार

घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में सोना-चांदी सार्वजनिक उच्च स्तर पर

नई दिल्ली, 23 जनवरी (एजेंसियां)।

सोने और चांदी के भावों में शुक्रवार को जबरदस्त उछाल देखने को मिला। घरेलू और वैश्विक दोनों ही बाजारों में कीमती धातुओं ने नए रिकॉर्ड बना दिए। निवेशकों की मजबूत खरीदारी और अंतरराष्ट्रीय संकेतों के चलते सोना-चांदी के दाम ऑल टाइम हाई स्तर पर पहुंच गए। घरेलू वायदा बाजार की बात करें तो मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने के बेंचमार्क फरवरी कॉन्ट्रैक्ट ने तेज शुरुआत की। यह 2,548 रुपये की बढ़त के साथ 1,58,889 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुला, जबकि इसका पिछला बंद भाव 1,56,341 रुपये था।

कारोबार के दौरान सोने का वायदा भाव 1,59,226 रुपये के उच्चतम स्तर तक पहुंच गया। इस समय यह करीब 2,159 रुपये की तेजी के साथ 1,58,500 रुपये के आसपास कारोबार कर रहा था। दिन के दौरान इसका निचला स्तर 1,57,500 रुपये रहा। चांदी के वायदा भावों में भी जबरदस्त तेजी देखने को मिली। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मार्च कॉन्ट्रैक्ट 6,044 रुपये की बढ़त के साथ 3,33,333 रुपये प्रति किलोग्राम पर खुला, जबकि पिछला बंद भाव 3,27,289 रुपये था। कारोबार के दौरान चांदी ने 3,39,927 रुपये प्रति किलो का नया रिकॉर्ड बनाया। खबर लिखे जाने के समय यह करीब 9,611 रुपये की तेजी के साथ 3,36,900 रुपये के भाव पर कारोबार कर रही थी। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी सोना-चांदी ने सभी पुराने रिकॉर्ड तोड़ दिए। कॉमेक्स पर सोना 4,836.20 डॉलर प्रति औंस पर खुला और कारोबार के दौरान 4,970 डॉलर प्रति औंस के सर्वोच्च स्तर तक पहुंच गया।

टाटा पंच में डीज़ल इंजन लगाने से कीमत पर पड़ेगा असर

नई दिल्ली। टाटा मोटर्स की एसयूवी टाटा पंच में तमाम बदलावों के बीच एक सवाल लंबे समय से ग्राहकों और ऑटो एक्सपर्ट्स के मन में बना हुआ है कि क्या टाटा पंच को कभी डीज़ल इंजन के साथ लॉन्च किया जाएगा। डीज़ल पंच की मांग इसलिए भी उठती रही है क्योंकि टाटा मोटर्स पहले ही यह साबित कर चुकी है कि कॉम्पैक्ट कारों में डीज़ल इंजन बेहतर परफॉर्मेंस दे सकते हैं। टाटा अल्ट्रोज़ आज भी डीज़ल विकल्प के साथ उपलब्ध है और अपने सेगमेंट में भरोसेमंद मानी जाती है। पंच और अल्ट्रोज़ के प्लेटफॉर्म और साइज में समानता होने के कारण यह उम्मीद समय-समय पर सामने आती रही है। हाल ही में इस मुद्दे पर टाटा मोटर्स के चीफ प्रोडक्ट ऑफिसर मोहन सावरकर ने कंपनी का रुख साफ किया। उन्होंने बताया कि बीएस6 उत्सर्जन मानकों, खासकर बीएस 6 फेज-2 के बाद छोटे सेगमेंट की कारों में डीज़ल इंजन को तकनीकी रूप से काफी महंगा बनाना पड़ता है। इसका सीधा असर गाड़ी की कीमत पर पड़ता है, जो माइक्रो-एसयूवी खरीदने वाले ग्राहकों की अपेक्षाओं से मेल नहीं खाता। तकनीकी तौर पर डीज़ल पंच संभव है, लेकिन कीमत बढ़ने के कारण फिलहाल इस पर काम नहीं किया जा रहा। डीज़ल की जगह टाटा का फोकस पेट्रोल और सीएनजी विकल्पों पर है। 2026 पंच में नया 1.2-लीटर आई टर्बो रेवोट्रॉन पेट्रोल इंजन दिया गया है, जो ज्यादा पावर और बेहतर परफॉर्मेंस देता है। साथ ही सीएनजी वेरिएंट में एएमटी गियरबॉक्स की सुविधा भी दी गई है। मौजूदा नियमों और लागत को देखते हुए फिलहाल डीज़ल टाटा पंच की उम्मीदें कम नजर आ रही हैं। बता दें कि नए डिजाइन, अपडेटेड केबिन, आधुनिक फीचर्स और पहली बार टर्बो-पेट्रोल इंजन की एंट्री के साथ पंच अब पहले से ज्यादा प्रीमियम हो गई है।

डीपीडीपी एक्ट जल्द लागू होगा, बड़ी कंपनियों के लिए घट सकती है समय-सीमा

नई दिल्ली, 23 जनवरी (एजेंसियां)।

डिजिटल व्यक्तिगत डेटा सुरक्षा अधिनियम (डीपीडीपी ऐक्ट) के तहत प्रमुख डेटा फिड्यूशियरी (सिग्निफिकेंट डेटा फिड्यूशियरी-एसडीएफ) के लिए निर्धारित कुछ प्रशासनिक प्रावधानों को लागू करने की समय-सीमा कम की जा सकती है।

आईटी मंत्रालय 18 की जगह 12 महीने में प्रशासनिक प्रावधान लागू करने का रख सकता है प्रस्ताव

सूत्रों के अनुसार इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (आईटी मंत्रालय) इस अवधि को मौजूदा 18 महीनों से घटाकर 12 महीने करने पर विचार कर रहा है। यह प्रस्ताव मंगलवार को हितधारकों के साथ हुई एक बैठक में रखा गया। इस श्रेणी में मेटा, गूगल, अमेज़न और माइक्रोसॉफ्ट जैसी वैश्विक प्रौद्योगिकी कंपनियों के साथ-साथ लगभग सभी बड़े बैंक, वित्तीय संस्थान और बीमा कंपनियां शामिल होंगी। सूत्रों का कहना है कि उद्योग इस प्रस्ताव का विरोध कर सकता है, क्योंकि भारतीय उपयोगकर्ताओं के डेटा से जुड़ी जटिलताओं को देखते हुए कंपनियां पहले ही समय-सीमा बढ़ाने की मांग कर रही थीं। उद्योग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर कहा कि समय-सीमा को लगभग एक तिहाई तक घटाने का प्रस्ताव न केवल हमारे लिए बल्कि भारत में काम करने वाले किसी भी डेटा फिड्यूशियरी के लिए बेहद चुनौतीपूर्ण होगा। इस संबंध में आईटी मंत्रालय से अब तक कोई जवाब नहीं मिला।

डीपीडीपी ऐक्ट के तहत केंद्र सरकार विभिन्न कारकों के आकलन के आधार पर किसी भी कंपनी या इंटरनेट मध्यस्थ को एसडीएफ घोषित कर सकती है। इन कारकों में प्रोसेस किए जाने वाले व्यक्तिगत डेटा की मात्रा और संवेदनशीलता, उपयोगकर्ताओं के अधिकारों को होने वाला जोखिम, भारत की संप्रभुता एवं अखंडता, चुनावी ।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

7 घंटे...

भीतर ही रामा राव और टी हरीश राव को एसआईटी नोटिस जारी किए गए। उन्होंने सवाल उठाया कि कोल टेंडर, धान खरीद और भूमि अतिक्रमण जैसे मामलों में मंत्रियों और कांग्रेस नेताओं पर आरोपों पर कोई एसआईटी क्यों नहीं बनाई गई।

एमएलसी सुरभि वाणी देवी और पूर्व विधायक गोंगाड़ी सुनीता ने सरकार पर जांच के बहाने बदले की राजनीति करने और कृषि, शिक्षा और शासन में ज्वलंत मुद्दों को अनदेखा करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सत्ता में आने के बाद बीआरएस कांग्रेस शासनकाल की अनियमितताओं की जांच करेगी।

ङ्कफोन टैपिंग पुलिस का काम, राजनेताओं का नहींङ्कङ्क

पूर्व आईपीएस अधिकारी और बीआरएस महासचिव आरएस प्रवीण कुमार ने शुक्रवार को दावा किया कि फोन टैपिंग राष्ट्रीय और राज्य सुरक्षा के लिए कानूनी और आवश्यक उपकरण है और यह खुफिया विभाग के अधिकार क्षेत्र में आता है। उन्होंने दोहराया कि राजनेताओं की खुफिया जानकारी एकत्र करने में कोई भूमिका नहीं होती और उन्हें किसी चूक के लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता।

तेलंगाना भवन में प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, प्रवीण कुमार ने कहा कि फोन टैपिंग कानून के तहत अनुमति है और ब्रिटिश युग से सुरक्षा उद्देश्यों के लिए इसका प्रयोग किया जा रहा है। उन्होंने रेवंत रेड्डी पर आरोप लगाया कि उन्होंने राजनीतिक लाभ के लिए एक अत्यंत गोपनीय खुफिया मामले को गैरजिम्मेदाराना तरीके से उजागर किया और बीआरएस नेताओं को गैरकानूनी तरीकों से परेशान करने के लिए इसका दुरुपयोग किया। एसआईटी को जानबूझकर हमारे नेताओं केटी रामा राव और टी हरीश राव को निशाना बनाने के लिए गठित किया गया है,ङ्कङ्क।

प्रवीण कुमार ने एसआईटी की विश्वसनीयता पर सवाल उठाते हुए कहा कि हैदराबाद पुलिस आयुक्त वीसी सज्जनार, जिन पर स्वयं सात मामले चल रहे हैं, के पास इस मामले की जांच करने का नैतिक अधिकार नहीं है। उन्होंने अधिकारियों पर पदोन्नति के लिए कांग्रेस सरकार के एजेंडे का समर्थन करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि बीआरएस नेताओं को भ्रष्टाचार का खुलासा करने के लिए निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा ङ्कङ्कझूठे मामलों के बावजूद हम जनता की आवाज के रूप में अपना अटूट संघर्ष जारी रखेंगे,ङ्कङ्क।

अब सिकंदराबाद...

इसलिए इसे समाहित करने का अधिकार केवल केंद्र सरकार के पास है। हालांकि समाहित प्रक्रिया में राज्य सरकार का सहयोग महत्वपूर्ण है, क्योंकि नागरिक क्षेत्रों को समाहित करने के बाद उन्हें राज्य सरकार के अधीन नगर निगम द्वारा संचालित करना होता है। पहले ही तेलंगाना सरकार ने समाहित के लिए अनापत्ति प्रमाणपत्र दिया है। केंद्र सरकार ने भी 2024 जून में सिकंदराबाद कैंटोनमेंट के नागरिक क्षेत्रों को जीएचएमसी में समाहित करने के लिए सैद्धांतिक रूप से सहमति देते हुए गजट नोटिफिकेशन जारी किया था।

दो मुख्य समस्याओं पर संघर्ष कर रहे हैं लोग

इस समय कैंटोनमेंट के लोग मुख्य रूप से दो समस्याओं पर संघर्ष कर रहे हैं। पहली, समाहित प्रक्रिया में हो रही देरी। दूसरी, स्थानीय संस्थाओं के चुनाव नहीं होने से जनप्रतिनिधियों की अनुपस्थिति में नागरिक समस्याओं का समाधान नहीं होना है।

सैन्य सुरक्षा के कारण बंद सड़कों को खोलना, जीएचएमसी की तरह मुफ्त जलापूर्ति और अन्य कल्याणकारी योजनाओं को प्राप्त करने के लिए यह समाहित जल्दी से होनी चाहिए, ऐसी लोगों की इच्छा है।

डावोस में ...

स्किल यूनिवर्सिटी पहल ने बड़े पैमाने पर नौकरी के लिए तैयार प्रतिभा की तलाश कर रहे वैश्विक नियोक्ताओं से विशेष रुचि आकर्षित की। सऊदी अरब स्थित औद्योगिक समूह एशिऑंलीश ने सबसे मजबूत समर्थन में वाईआईएसयू से सीधे हर साल लगभग 5,000 कुशल युवाओं को प्रशिक्षित करने और उन्हें नौकरी पर रखने का प्रस्ताव दिया।सऊदी अरब स्थित कंपनी के नेतृत्व ने पेट्रोकेमिकल्स, तेल और गैस, इस्पात, सीमेंट और बिजली क्षेत्रों में अपनी कार्यबल आवश्यकताओं को वाईआईएसयू के उद्योग-चालित पाठ्यक्रम के साथ संरेखित करने में गहरी रुचि व्यक्त की। कंपनी ने विश्वविद्यालय को स्किलिंग को आश्वस्त रोजगार क्षमता से जोड़ने वाला एक दुर्लभ मॉडल बताया।

तेलंगाना नेतृत्व के साथ अपनी बातचीत में वैश्विक प्रौद्योगिकी दिग्गज सिस्को ने तेलंगाना के स्किलिंग इकोसिस्टम पर अपना भरोसा दोहराया। इसके कार्यकारियों ने वाईआईएसयू और तेलंगाना एकेडमी फॉर स्किल एंड नॉलेज के साथ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर करने के बाद से प्राप्त प्रगति पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि राज्य का डिजिटल कौशल, साइबर सुरक्षा और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के प्रति अग्रगामी दृष्टिकोण ने इसे राष्ट्रीय स्तर पर अलग कर दिया है। सिस्को ने अपने नेटवर्किंग अकादमी के माध्यम से डिजिटल कौशल का विस्तार कर युवाओं की रोजगार क्षमता बढ़ाने की प्रतिबद्धता दोहराई।

पियर्सन ने एआई-रेडी टैलेंट हब बनने के लक्ष्य का समर्थन किया

शिक्षा और मूल्यांकन क्षेत्र की प्रमुख कंपनी पियर्सन ने तेलंगाना की एआई-रेडी टैलेंट हब बनने की महत्वाकांक्षा को पाठ्यक्रम डिजाइन, मूल्यांकन और वैश्विक स्तर पर मान्यता प्राप्त प्रमाणपत्रों के माध्यम से समर्थन देने की बात कही। यूके स्थित कंपनी ने एआई स्किलिंग और प्रमाणीकरण में अपनी उपस्थिति बढ़ाने में रुचि दिखाई। पियर्सन तेलंगाना एआई इनोवेशन हब (टीएआईएच) के तहत स्थापित हो रहे ग्लोबल एआई अकादमी के लिए पाठ्यक्रम डिजाइन, लर्निंग कंटेंट, मूल्यांकन फ्रेमवर्क और वैश्विक स्तर पर मान्यता प्राप्त प्रमाणीकरण में अपनी विशेषज्ञता के माध्यम से सरकार का समर्थन करेगी, जो परस्पर सहमति से तय वाणिज्यिक व्यवस्थाओं के अधीन होगा।

गोदरेज करेगा 150 करोड़ का निवेश, डेयरी संयंत्र का विस्तार

गोदरेज समूह ने हैदराबाद में अपने डेयरी संयंत्र की क्षमता विस्तार की योजना की घोषणा की है, जिसमें 150 करोड़ रुपये के निवेश का प्रस्ताव है। इस निवेश योजना के हिस्से के रूप में, गोदरेज जर्सी अपने 40 एकड़ के स्थल पर दही, छाछ और फ्लेवर्ड मिल्क जैसे वैल्यू एडेड उत्पादों को संसाधित करने के लिए एक संयंत्र स्थापित करेगी।

सूचना प्रौद्योगिकी और उद्योग मंत्री डी. श्रीधर बाबू के साथ-साथ राजस्व मंत्री पोंगुलेती श्रीनिवास रेड्डी ने डावोस में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम 2026 के दौरान गोदरेज इंडस्ट्रीज के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर नादिर गोदरेज से मुलाकात की।बैठक में ऑयल पाम कृषि में एआई एकीकरण की संभावना से लेकर हैदराबाद में कंपनी के क्रीमलाइन डेयरी संयंत्र के 150 करोड़ रुपये के निवेश से विस्तार जैसे कई विषयों पर चर्चा हुई। डेयरी प्रोसेसिंग इकाई के तीन वर्षों के भीतर 300 से अधिक सीधे रोजगार पैदा करने की उम्मीद है, इसके अलावा लॉजिस्टिक्स, खरीद और कृषि सेवाओं जैसे संबद्ध क्षेत्रों में अप्रत्यक्ष रोजगार भी मिलेगा।

कंपनी तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और तमिलनाडु सहित दक्षिण भारत में कई डेयरी प्रोसेसिंग केंद्रों का संचालन करती है। सरकार ने कंपनी से आगामी भारत फ्यूचर सिटी के आवासीय क्षेत्रों में बड़े आवासीय बुनियादी ढांचे परियोजनाओं का पता लगाने को कहा। दोनों प्रतिनिधिमंडलों ने इस बात पर सहमति जताई कि यह सरकार के साथ-साथ कंपनी के लिए भी फ्यूचर सिटी में सामाजिक बुनियादी ढांचा बनाने के लिए एक महान मूल्य वर्धन होगा।

मुझे गुटखे...

पर होने वाले खर्च से भी आगे निकल गया है। जहाँ ग्रामीण इलाकों में बीड़ी की जगह गुटखा ले रहा है, वहीं शहरी क्षेत्रों में सिगरेट और गुटखा दोनों पर खर्च बढ़ रहा है।

आंकड़ों के विश्लेषण से पता चलता है कि गुटखे की खपत बढ़ने का एक बड़ा कारण यह है कि श्रमिकों का एक बड़ा वर्ग इसे मभूख मिटाने वालेफ और काम की मजबूरी के रूप में देखता है। शहरी और ग्रामीण तेलंगाना में खेतिहर और दिहाड़ी मजदूरों के लिए गुटखा भूख के अहसास को कम करने का साधन बन गया है, क्योंकि काम के घंटों के दौरान भोजन या तो उपलब्ध नहीं होता या वे उसे वहन नहीं कर पाते। डॉक्टरों का कहना है कि यह एक त्वरित मेटाबॉलिक स्टिमुलेंट के रूप में कार्य करता है, जिससे श्रमिकों को शारीरिक थकावट के बावजूद काम करते रहने की शक्ति मिलती है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

इस्पात मंत्रालय के तत्वावधान में एनएमडीसी में

राजभाषा अधिकारियों की अखिल भारतीय संगोष्ठी का आयोजन

हैदराबाद, 23 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। इस्पात मंत्रालय के तत्वावधान में एनएमडीसी मुख्यालय, हैदराबाद ने आज दिनांक 23 जनवरी, 2026 को राजभाषा अधिकारियों की अखिल भारतीय संगोष्ठी का आयोजन किया। संगोष्ठी में इस्पात मंत्रालय एवं सम्पूर्ण भारत में इसके अधीनस्थ कार्यरत उपक्रमों के राजभाषा अधिकारी एवं उच्चाधिकारी; नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम), हैदराबाद-सिकंदराबाद के सदस्य कार्यालयों के राजभाषा अधिकारी तथा एनएमडीसी की भारत में स्थित सभी परियोजनाओं एवं कार्यालयों के राजभाषा अधिकारियों एवं कार्मिकों ने प्रतिभागिता की।

संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता श्रीमती जी. प्रियदर्शिनी, निदेशक (कार्मिक), एनएमडीसी लिमिटेड ने की तथा मुख्य अतिथि के रूप में श्री आनन्द भोई, संयुक्त निदेशक (राजभाषा), भारत सरकार, इस्पात मंत्रालय एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री सुधांशु वर्मा, महाप्रबंधक (मानव संसाधन) ने कार्यक्रम को गौरवान्वित किया। इस अवसर पर अतिथि वक्ता के रूप में डॉ. वी. वेंकटेश्वर राव, सहायक महाप्रबंधक (रा.भा.)- से.नि., केनरा बैंक एवं डॉ. राजन-ारायण अवस्थी, सदस्य-सचिव, नराकास (उ.) हैदराबाद-सिकंदराबाद भी मंच पर विराजमान थे।

कार्यक्रम का प्रारंभ मंचासीन अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। तत्पश्चात श्री सुधांशु वर्मा, महाप्रबंधक (मानव संसाधन) ने अपने स्वागत भाषण में इस्पात मंत्रालय के अधिकारियों, इसके उपक्रमों से आए राजभाषा अधिकारियों, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति एवं एनएमडीसी की सभी परियोजनाओं एवं क्षेत्रीय कार्यालयों से आए राजभाषा कार्मिकों का स्वागत किया एवं राजभाषा के क्षेत्र में उनके द्वारा दिए जा रहे योगदान की प्रशंसा की। श्री रूद्र नाथ मिश्र, उप महाप्रबंधक (राजभाषा) ने एनएमडीसी में राजभाषा के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों एवं गतिविधियों की संक्षिप्त रिपोर्ट प्रस्तुत की तथा राजभाषा हिंदी के क्षेत्र में परियोजनाओं एवं मुख्यालय के राजभाषा कार्मिकों द्वारा दिए जा रहे योगदान के प्रति आभार व्यक्त किया।

अपने अध्यक्षीय संबोधन में श्रीमती जी. प्रियदर्शिनी, निदेशक (कार्मिक) ने राजभाषा हिंदी को अत्यंत सरल तथा मीठी बोली बताते हुए राजभाषा के क्षेत्र में प्राप्त पुरस्कारों एवं उपलब्धियों के लिए बधााई दी तथा सभी से अपने कार्यालयीन कार्यों में राजभाषा हिंदी का प्रयोग करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजनों से भारत भर के सभी उपक्रमों के राजभाषा अधिकारियों को अपने विचार साझा करने एवं नए अवसरों को तलाशने का मंच मिलता है।

मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित आनन्द भोई, संयुक्त निदेशक (राजभाषा) ने एनएमडीसी को इस आयोजन पर बधाई देते हुए कहा कि राजभाषा संगोष्ठी के आयोजन से राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार में सहायता मिलती है तथा दूसरे संगठनों को एनएमडीसी की तरह प्रति वर्ष राजभाषा संगोष्ठी का आयोजन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस संगोष्ठी के माध्यम से विभिन्न उपक्रमों को एक ही मंच पर लाने का एनएमडीसी का यह प्रयास अत्यन्त सराहनीय एवं अनुकरणीय है। इसके पश्चात संगोष्ठी के द्वितीय सत्र में अतिथि वक्ता के रूप में उपस्थित डॉ. वी. वेंकटेश्वर राव, सहायक महाप्रबंधक (रा.भा.)-से.नि., केनरा बैंक ने ङ्गराजभाषा प्रबंधनफ पर पीपीटी के माध्यम से अपने सारगभित विचार रखे जो उपस्थित राजभाषा अधिकारियों के लिए महत्वपूर्ण थे। संगोष्ठी के तीसरे सत्र के अतिथि वक्ता डॉ. राजनारायण अवस्थी, सदस्य-सचिव, नराकास (उ.) हैदराबाद-सिकंदराबाद ने ङ्गकृत्रिम बुद्धिमत्ता और अनुवादफ विषय पर अपना सत्र लिया। उन्होंने विभिन्न प्रकार के अनुवाद पर प्रकाश डालते हुए कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग अनुवाद कार्य में किए जाने से संबंधित जानकारी दी।

संगोष्ठी का संचालन देबाशीष घोष, वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा) ने किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में सुश्री सुरेखा, अप्रेंटिस प्रशिक्षु ने सक्रिय सहयोग किया। इस अवसर पर सभी राजभाषा अधिकारी उपस्थित रहे। राजेश कुमार गोंड, सहायक महाप्रबंधक (राजभाषा) के धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

शुक्रवार को शारदा नगर कॉलोनी, वनस्थलीपुरम स्थित पंचमुखी हनुमान मंदिर प्रांगण में सरस्वती पूजा के शुभ अवसर पर श्रद्धा एवं भक्ति के साथ मां सरस्वती की विधिवत पूजा-अर्चना की गई। इस अवसर पर कांग्रेस नेता एन. के. सिंह ने मां सरस्वती की पूजा कर आशीर्वाद प्राप्त किया। उनके साथ श्री जगन्नाथ राव, सूर्यांश सिंह, विष्णु मूर्ति, बी.जी.वी. प्रसाद सहित अन्य गणमान्य लोग भी उपस्थित रहे। पूजा के दौरान विद्वान पंडितों द्वारा मंत्रोच्चार किया गया और उपस्थित श्रद्धालुओं ने मां सरस्वती से विद्या, बुद्धि एवं विवेक का आशीर्वाद मांगा। कार्यक्रम शांतिपूर्ण एवं भक्तिमय वातावरण में संपन्न हुआ।

बंडारू दत्तात्रेय ने सुनी किसानों की व्यथा

एचएमडीए मास्टर प्लान के भूमि उपयोग जोन का विरोध

बौरामपेट, 23 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। हरियाणा के पूर्व राज्यपाल और वरिष्ठ नेता श्री बंडारू दत्तात्रेय ने शुक्रवार, 23 जनवरी 2026 को मेडचल जिले के गंडीमैसम्मा मंडल के अंतर्गत बौरामपेट गांव का दौरा किया।

इस दौरान उन्होंने एचएमडीए मास्टर प्लान में लैंड यूज जोन के कारण प्रभावित होने वाले स्थानीय किसानों से सीधा संवाद किया और उनकी समस्याओं को गहराई से समझा।

मुलाकात के दौरान किसानों ने अपनी चिंता व्यक्त करते हुए बताया कि मास्टर प्लान के तहत भूमि के नए वर्गीकरण से उनकी कृषि भूमि पर संकट मंडरा रहा है। पूर्व राज्यपाल ने किसानों को आश्वासन दिया कि उनकी समस्याओं और मांगों को संबंधित अधिकारियों के समक्ष उठाया जाएगा। किसानों का कहना है कि मास्टर प्लान की मौजूदा विसंगतियाँ उनकी आजीविका को प्रभावित कर रही हैं।

इस महत्वपूर्ण बैठक में पूर्व राज्यपाल के साथ डॉ. एस. मल्ला रेड्डी, कल्लेम बाल रेड्डी और पूर्व सरपंच श्रीमती कोम्मूरी मंगम्मा भी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में बौरामपेट और आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में किसानों ने भाग लिया और मास्टर प्लान के खिलाफ एकजुट होकर अपनी आवाज बुलंद की।

तेलंगाना में पशु क्रूरता की बढ़ती घटनाओं पर सोई सरकार : महेश अग्रवाल

हैदराबाद, 23 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय पशु कल्याण बोर्ड के आह्वान पर देशभर में मनाए जा रहे पशु कल्याण पखवाड़े के अंतर्गत शुक्रवार को स्थानीय सीतारामबाग स्थित श्री जगन्नाथस्वामी गौसेवा संस्थान में गोवंश चिकित्सा एवं स्वास्थ्य जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।

यह शिविर इंडियन इम्यूनोलॉजिकल्स द्वारा, लायंस क्लब ऑफ हैदराबाद समर्पण एवं तेलंगाना गोशाला फेडरेशन के सहयोग से आयोजित किया गया, जिसमें सैकड़ों गोवंश की जांच कर उन्हें चिकित्सीय परामर्श प्रदान किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महेश अग्रवाल ने अपने संबोधन में कहा कि राज्य सरकार द्वारा किए जाने वाले कार्य आज स्वयंसेवी संस्थाएं कर रही हैं, जबकि सरकार केवल राजनीति में व्यस्त है।

उन्होंने आरोप लगाया कि तेलंगाना हाईकोर्ट की फटकार के बावजूद राज्य सरकार पशु कल्याण बोर्ड को लेकर गंभीर नहीं है और जीव-जंतुओं की लगातार

उपेक्षा की जा रही है।

महेश अग्रवाल ने कहा कि तेलंगाना में सरेआम बेजुबान कुत्तों को ज़हर देकर मारा जा रहा है, और सरकार के पास इसका कोई ठोस जवाब नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार के प्रतिनिधि ही बड़े पैमाने पर कुत्तों की हत्याओं में संलिप्त हैं, जो अत्यंत निंदनीय है।

कार्यक्रम में लायंस इंटरनेशनल के जीव-जंतु कल्याण विभाग के चेयरमैन प्रेमचंद मुनोत, लव फॉर काउ के ट्रस्टी जसमत पटेल, प्राणी मित्रा रमेश जागीरदार मेमोरियल फाउंडेशन के रिदेश जागीरदार तथा श्री जगन्नाथ स्वामी मंदिर के मठाधिपति अच्युत रामानुजाचार्य अजय महाराज ने भी संबोधित किया।

सभी वक्ताओं ने राज्य सरकार से जीव-जंतु कल्याण के लिए सक्रिय भूमिका निभाने का आग्रह किया।

शिविर में इंडियन इम्यूनोलॉजिकल्स के चिकित्सक डॉ. गुनिंद्र बोरह, डॉ. राजू गौरु, प्रशांत एवं श्रीकांत ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं। संस्था की ओर से गोशाला को निःशुल्क औषधियां भी उपलब्ध कराई गईं।

हाईलाइफ ब्राइड्स प्रदर्शनी का भव्य उद्घाटन

हैदराबाद, 23 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। विवाह उत्सवों को ध्यान में रखते हुए हाईलाइफ की ब्राइड्स प्रदर्शनी शुक्रवार को एचआईसीसी नोवोटेल में शुरू हुई। इस तीन दिवसीय प्रदर्शनी में देश भर के डिज़ाइनर अपने नये कलेक्शन का प्रदर्शन कर रहे हैं।

हाईलाइफ के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य संचालक एबे डोमिनिक एवं अभिनेत्री प्रज्ञा नागरा, अभिनेत्री रितु चौधरी (बिगबॉस 9 फेम), अभिनेत्री प्रीति सुंदर ने प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। अवसर पर बड़ी संख्या में फैशन प्रेमी मौजूद थे। एबे डोमिनिक ने बताया कि शादी ब्याह के मौसम को ध्यान में रखते हुए हाईलाइफ ने ब्राइडल प्रदर्शनी का आयोजन किया है। यह अपनी तरह की सबसे बड़ी ब्राइडल फैशन प्रदर्शनी है, जिसमें दुल्हनों के परिधान, आभूषण, विशेष अवसरों पर उपयोगी डिज़ाइनर वस्त्र, साड़ियाँ एवं अन्य सामग्री का व्यापक कलेक्शन पेश किया गया है। उन्होंने कहा कि सामान्य रूप से बाज़ार में अपनी पसंद के विभिन्न विकल्प तलाश करने में काफी समय लगता है और कई स्थानों पर घूमना पड़ता है, लेकिन यहाँ एक ही मंच पर संपूर्ण समधान का प्रयास किया जा सकता है। लोग यहाँ अपने लिए आवश्यक सामग्री एक ही स्थान से खरीद सकते है। विशेषकर नये एवं समकालीन फैशन को प्रतिबिंबित करने वाले परिधान एवं आभूषणों के लिए कई तरह के विकल्प खुले हैं।

मुख्य प्रदर्शनी संयोजक ने बताया कि हाईलाइफ ब्राइड्स प्रदर्शनी 25 जनवरी तक जारी रहेगी। इसमें विवाह उत्सवों से जुड़े परिधानों एवं आभूषणों के अलावा वर-वधू के लिए विभिन्न प्रकार की विवाह उपयोगी सामग्री के स्टॉल भी स्थापित किये गये हैं। परिधान एवं आभूषणों के साथ देशभर के 350 से अधिक प्रमुख फैशन डिज़ाइनर यहाँ मौजूद हैं। उन्होंने बताया कि हाईलाइफ की ब्राइड्स प्रदर्शनी के लोगों के उम्मीदों पर खरा उतरने का प्रमाण यह है कि हर शादी ब्याह के मौसम में इसके आयोजन की माँग बढ़ती जा रही है।

राधे-राधे ग्रुप द्वारा बसंत पंचमी पर नित्य अन्नदान सेवा का आयोजन

हैदराबाद, 23 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप द्वारा सेवा की अपनी निरंतर परंपरा को जारी रखते हुए आज बसंत पंचमी के पावन पर्व पर विशेष अन्नदान कार्यक्रम संपन्न किया गया। बेगम बाज़ार स्थित गौशाला, पुल की माता के निकट सुबह ठीक 7:31 बजे सेवा कार्य का शुभारंभ हुआ।

माघ मास, शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि यानी बसंत पंचमी के शुभ अवसर पर समूह द्वारा नित्य अन्नदान के तहत जरूरतमंदों के बीच अल्पाहार (नाश्ता) वितरित किया गया। आध्यात्मिक उल्लास के बीच आयोजित इस कार्यक्रम में राहगीरों और स्थानीय लोगों को बड़े प्रेम के साथ पौष्टिक भोजन परोसा गया। इस पुनीत कार्य में राधे-राधे ग्रुप के कई समर्पित सदस्य उपस्थित रहे और अपनी सेवाएँ प्रदान कीं। इस अवसर पर मुख्य रूप से जगत नारायण अग्रवाल, वंश अग्रवाल, दीपक अग्रवाल, अक्षिता अग्रवाल, राजेश सर (योग), विनोद तोशनीवाल, अरुण विजयवर्गीय, अनिल भाई और गोविंद राम जी उपस्थित थे।

सेवा कार्य में महिला शक्ति की भी सराहनीय भूमिका रही, जिसमें लता गोयल, मीना अग्रवाल, नीलम विजयवर्गीय, पूजा सांघी, अर्चना शास्त्री और रेनू शर्मा सहित ग्रुप के अन्य सदस्यों ने अपनी सहभागिता दर्ज कराई।

युवराज यशदास बने निरंजनी संप्रदाय से खेमदास मठ के उत्तराधिकारी

हैदराबाद, 23 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। नगर के चूड़ी बाजार, बेगम बाजार स्थित श्री खेमदास मठ में चल रहे मूर्ति प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव के दौरान एक ऐतिहासिक एवं गौरवपूर्ण आयोजन संपन्न हुआ। इस अवसर पर निरंजनी संप्रदाय से श्री खेमदास मठ के उत्तराधिकारी के रूप में युवराज यशदास निरंजनी का विधिवत पट्टाभिषेक संस्कार सम्पन्न कराया गया।

देशभर से पधारे संत-महात्मा

श्री खेमदास मठ में आयोजित इस भव्य कार्यक्रम में निरंजनी सम्प्रदाय के आचार्य श्रीमद् द्वाराचार्य सहित सम्पूर्ण भारतवर्ष से अनेक संत-महात्मा पधारे हुए हैं। प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम के साथ-साथ पट्टाभिषेक समारोह ने आयोजन की गरिमा को और अधिक बढ़ा दिया।

वैष्णव परंपरा अनुसार पट्टाभिषेक

इस अवसर पर श्री खेमदास मठ के महंत श्री मनुदास निरंजनी ने अपने कृपापात्र शिष्य यशदास निरंजनी को उत्तराधिकारी युवराज पद पर अभिषिक्त किया। वैष्णव सम्प्रदाय की मान्य परम्पराओं के अनुरूप निरंजनी सम्प्रदाय एवं वैष्णव संत समाज संघ के आचार्य-महंतों द्वारा कंठी, चादर, तिलक एवं दस्तूर की विधि से यशदास निरंजनी को युवराज पद पर सुशोभित किया गया।इस अवसर पर वैष्णव संत समाज संघ के अध्यक्ष महंत विष्णुदास महाराज, उपाध्यक्ष अरुणदास जी महाराज, कैन्हयादास जी, ठाकुरदास जी, महंत सत्यनारायणदास जी, महंत चेतनगिरी सहित अनेक संत-महंतों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

निरंजनी सम्प्रदाय के वरिष्ठ संतों की उपस्थिति

निरंजनी सम्प्रदाय से महंत बालकदास जी (बरवाला), मनीरामदास जी, महंत आनंद स्वामी, महेशदास जी (कोलायत), महंत रामदास जी (डीडवाना), महंत रामकृष्णदास जी (बड़ू), महंत गोपालदास जी, महंत रामस्वरूपदास जी (कोलिया), महंत बालकदास जी (बाबायचा), श्रीमहंत मोहनदास जी (नागौर), हरिनारायणदास जी, कानदास जी सहित अनेक संत-महंतों ने सहभागिता की।

सामाजिक संगठनों द्वारा स्वागत

इस शुभ अवसर पर महासर माता भक्त मंडल, पं. गणेश फाउंडेशन, चिड़ावा नागरिक परिषद के समस्त पदाधिकारियों द्वारा शाल, श्रीफल एवं पूर्वपहार भेंट कर संत-महंतों का सम्मान किया गया।

समारोह में समाजसेवी शशिकांत अग्रवाल, ठाकुर ओमप्रकाश सिंह एवं महंत मनुदास जी ने समस्त आगंतुक संतों, अतिथियों एवं श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्वान पंडितों द्वारा मंगलाचरण पाठ के साथ किया गया।

नितल हाउसिंग प्रोजेक्ट : मुख्यमंत्री जन आवास योजना-3ए के तहत आज आवेदन का अंतिम दिन

जयपुर, 23 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। मुख्यमंत्री जन आवास योजना-3ए के अंतर्गत विकसित नितल हाउसिंग प्रोजेक्ट के लिए आवेदन करने का आज (शनिवार को) अंतिम अवसर है। इच्छुक एवं पात्र आवेदक निर्धारित समय-सीमा के भीतर ऑनलाइन आवेदन कर इस योजना का लाभ उठा सकते हैं।

जेडीए अनुमोदित एवं रेरा पंजीकृत परियोजना

यह आवासीय परियोजना जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) से अनुमोदित तथा रेरा में पंजीकृत है। परियोजना का विकास नितल इंफ्रा प्रोजेक्ट्स एलएलपी द्वारा किया जा रहा है। यह परियोजना वाटिका इंफोटेक सिटी, अजमेर रोड, जयपुर में स्थित है, जहाँ स्टूडियो एवं 3 बीएचके अपार्टमेंट्स उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

होम लोन एवं आधुनिक सुविधाएं

परियोजना के अंतर्गत पात्र आवेदकों को 90 प्रतिशत तक होम लोन की सुविधा प्रदान की जा रही है। इसके साथ ही आवासीय परिसर में क्लब हाउस, स्विमिंग पूल सहित आधुनिक सुविधाएँ उपलब्ध कराई जा रही हैं।इस परियोजना में केंद्रीय एवं राज्य कर्मचारी, कॉरपोरेट्स तथा प्रवासी राजस्थानवासी वर्ग के लिए 1 लाख तक की विशेष छूट का भी प्रावधान रखा गया है।

फ्लैट मूल्य एवं आवेदन विवरण

स्टूडियो फ्लैट के लिए आवेदन राशि 66,000 एवं मूल्य 23.00 लाख* निर्धारित किया गया है, जबकि 3 बीएचके फ्लैट के लिए आवेदन राशि 96,000 एवं मूल्य 44.00 लाख* रखा गया है। इच्छुक आवेदक आज ही ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

वेबसाइट: www.nitalcmjanawas.in
संपर्क: 9785807000,
रेरा पंजीकरण संख्या: आरएजे/पी/2025/4228

मारवाड़ी युवा मंच का सेवा कार्य अनुकरणीय : आनंद कुमार गौड़

हैदराबाद, 23 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। गोशामहल से बीआरएस नेता एम. आनंद कुमार गौड़ ने कहा कि बीमारी, सड़क दुर्घटनाओं एवं अन्य हादसों में अपने हाथ-पैर गंवाने वाले असहाय लोगों को मारवाड़ी युवा मंच द्वारा निःशुल्क कृत्रिम अंग, व्हीलचेयर एवं ट्राई-साइकिल प्रदान कर सहायता करना अत्यंत सराहनीय और प्रेरणादायक कार्य है। शुक्रवार को बेगम बाजार, फीलखाना स्थित विष्णु फायरवर्क्स परिसर में मारवाड़ी युवा मंच द्वारा आयोजित निःशुल्क कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण वितरण शिविर में उन्होंने मुख्य अतिथि के रूप में सहभागिता की तथा अनेक दिव्यांगजनों को कृत्रिम अंग वितरित किए।

इस अवसर पर आनंद कुमार गौड़ ने कहा कि दुर्घटनाओं में अंग गंवाने के बाद सहायता की प्रतीक्षा कर रहे दिव्यांगों को इस प्रकार के उपकरण उपलब्ध कराकर मारवाड़ी युवा मंच ने अन्य स्वयंसेवी एवं युवा संस्थाओं के लिए एक आदर्श प्रस्तुत किया है। ऐसे सेवा कार्य समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।उन्होंने गरीब एवं जरूरतमंद लोगों को निःशुल्क सेवाएँ प्रदान करने के लिए मारवाड़ी युवा मंच (ग्रेटर हैदराबाद) के प्रतिनिधियों की मुक्त कंठ से प्रशंसा की तथा इस प्रकार के शिविरों के निरंतर आयोजन की आवश्यकता पर बल दिया।कार्यक्रम में मारवाड़ी युवा मंच के प्रतिनिधि महेश भंडारी, ललित जैन, राजेंद्र जैन, जितेंद्र मनोज, शत्रु भाई, दिनेश सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे और सेवा कार्य में सहयोग प्रदान किया।

मनौती के लिए ताला बांधने वाले जयपुर के श्रीहनुमान गुरुचरण मंदिर पहुंचे कनाडा से गुरुभक्त

जयपुर, 23 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजधानी में जगतपुरा में एक अनूठा मंदिर है जहां मनौती के लिए भक्त ताला बाँधते हैं। श्रीहनुमान गुरुचरण मंदिर में विश्व विख्यात सिद्धगुरु श्री सिद्धेश्वर ब्रह्मर्षि गुरुवर ने अपनी असीम शक्तियों के साथ यहाँ अपने श्रीचरण-पाद प्रदान किए हैं, जिनके दर्शन व पूजा अर्चना के लिए समय समय पर देश विदेश से गुरु भक्तगण आते हैं। इसी क्रम में कनाडा से आए गुरुभक्त दिलीपभाई व उनकी धर्म पत्नी श्रीमती इंदु ने मंदिर के दर्शन कर पूजा अर्चना की। उन्होंने अपनी प्रार्थना के साथ मंदिर में पूज्य सिद्धगुरुवर श्रीसिद्धेश्वर ब्रह्मर्षि गुरुदेव के विशिष्ट आशीर्वाद के तहत नियमित परंपरानुसार यहां मनौती का ताला भी बांधा।

श्री ब्रह्मर्षि आश्रम तिरुपति के राष्ट्रीय जनसंपर्क अधिकारी कमल आत्रेय के मुताबिक देश और दुनिया का यह पहला श्रीहनुमान गुरुचरण मंदिर है, जहाँ भक्त अपनी मनोकामना के लिए मंदिर परिसर में ताला या मौली बाँधते हैं।

उल्लेखनीय हैं कि अष्ट सिद्धि नव निधि सहित अनेक दिव्य योग साधनाओं पर विजय प्राप्त सिद्धगुरुवर श्रीसिद्धेश्वर ब्रह्मर्षि गुरुदेव ने इस मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर कहा था कि यहाँ नियमित उत्सव मनाने, अपने कर्मों को काटने व अपने कष्टों को मिटाने आना चाहिए। साथ ही यहाँ अपनी पुण्याई को बढ़ाने का अवसर मिलेगा, कुल मिलाकर धार्मिक आध्यात्मिक दृष्टिकोण से श्रद्धा और विश्वास से यह कष्ट निवारण का पतित पावन पवित्र दिव्य स्थान है। आत्रेय ने बताया कि मंदिर परिसर में ही देवाधिदेव भगवान शिव परिवार एवं रुद्रावतार श्रीबालाजी महाराज के दर्शन का भी सौभाग्य मिलता हैं।

बसंती रंग में श्रृंगारित हुए बाबा श्याम

विशेष श्रृंगार एवं वस्त्र परिवर्तन का भव्य आयोजन

बीकानेर, 23 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। जयपुर रोड स्थित हारे के सहारे श्री खाटू श्याम मंदिर में बसंत पंचमी के पावन अवसर पर बाबा श्याम का विशेष शृंगार एवं वस्त्र परिवर्तन श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर बाबा का श्रृंगार पीले रंग के पुष्पों से किया गया, जिससे संपूर्ण मंदिर परिसर बसंती रंग में रंगा हुआ नजर आया।बाबा श्याम का विशेष शृंगार किशन शर्मा एवं चेतन शर्मा द्वारा किया गया। दिल्ली से मंगवाए गए सात प्रकार के पुष्पों आर्किड, गेंदा, गुलदावरी, बंगलौरी बटन, डेज़ी, कुसुम्बी एवं येलो गुलाबसे बाबा का अत्यंत आकर्षक एवं दिव्य श्रृंगार किया गया। बसंत पंचमी के उपलक्ष्य में बाबा के वस्त्र विधिवत रूप से परिवर्तित किए गए। परंपरा के अनुसार पुराने वस्त्र भक्तों को प्रसाद स्वरूप वितरित किए गए।मंदिर परंपरा के अनुसार यह विशेष आयोजन वर्ष में केवल एक बार बसंत पंचमी के दिन ही किया जाता है, जिसके पश्चात बाबा पूरे वर्ष वही नए वस्त्र धारण करते हैं।इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंचे और बाबा के चरणों में शीश नवाया। भक्तों ने पीले गुलाब अर्पित किए तथा चंदन एवं इत्र बाबा को समर्पित किया। मंदिर परिसर में निरंतर भक्ति संगीत गूंजता रहा, जिससे वातावरण पूर्णतः भक्तिमय बना रहा। श्रद्धालुओं ने बाबा के दरबार में नारियल के साथ पर्ची बांधकर अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति हेतु अर्जी लगाई। प्रसाद वितरण का कार्य भी मंदिर ट्रस्ट सदस्यों द्वारा श्रद्धापूर्वक किया गया।

सेवाभाव से संपन्न हुई व्यवस्थाएं

पीतांबरी वितरण का कार्य प्रातःकाल से ही मुख्य पुजारी किशन शर्मा एवं चेतन शर्मा द्वारा किया गया। आयोजन की व्यवस्थाओं में सुरेश चंद्र भसीन, ओम जी जिंदल एवं ब्रजमोहन जिंदल का विशेष योगदान रहा। अन्य सेवादारों में श्याम जी सेवढ़ा, किशन, दीपक, संजय, पारिक बलविंदर चुग एवं जीतू ने व्यवस्थाओं को सुचारु रूप से संभाला। कार्यक्रम के दौरान मंदिर ट्रस्ट के सभी सदस्य उपस्थित रहे।

बसंत पंचमी के पावन अवसर पर मंदिर में श्रद्धालुओं की उल्लेखनीय उपस्थिति रही और यह आयोजन शांतिपूर्ण, सुव्यवस्थित एवं श्रद्धाभाव के साथ संपन्न हुआ।

पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल का 159वां निःशुल्क मेगा मेडिकल कैंप कल

हैदराबाद, 23 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल द्वारा क्षत्रिय (राजपूत) ट्रस्ट बोर्ड के सहयोग से 159वां निःशुल्क मेगा मेडिकल कैंप रविवार, 25 जनवरी को प्रातः 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक आयोजित किया जाएगा। यह शिविर अंबरपेट, रोड नंबर-6 स्थित महाराणा प्रताप फंक्शन पैलेस में संपन्न होगा।अग्रवाल सेवा दल के अजीत गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, शिविर में किम्स सनशाइन हॉस्पिटल, बेगमपेट द्वारा जनरल फिजिशियन, कार्डियोलॉजी, हड्डी रोग विशेषज्ञ, ईसीजी, 2-डी इको, बीएमडी, बीपी जांच एवं आरबीएस जांच की सेवाएं प्रदान की जाएंगी। इसके अतिरिक्त रेनबो चिल्ड्रन्स हार्ट के विशेषज्ञ भी अपनी सेवाएं देंगे।शिविर में लायंस क्लब ऑफ हैदराबाद साधुराम आई हॉस्पिटल, दोमल गुडा द्वारा नेत्र परीक्षण कर निःशुल्क चश्मे वितरित किए जाएंगे तथा मोतियाबिंद ऑपरेशन की व्यवस्था भी की जाएगी।सामान्य चिकित्सा जांच डॉ. अखिल क्लिनिक के जनरल फिजिशियन डॉ. अखिल सुगंधी एवं डॉ. मीनल खिरैया सुगंधी द्वारा की जाएगी।

दंत जांच एसएनआर डेंटल के डॉ. एस. तेजस्वी नवनीत राज द्वारा तथा फिजियोथैरेपी सेवा बजाज फिजियो केयर की डॉ. मीता बजाज द्वारा प्रदान की जाएगी।शिविर में श्री भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति द्वारा एक रोगी को कृत्रिम अंग उपलब्ध कराया जाएगा। साथ ही रोगियों के लिए निःशुल्क डायलिसिस की सुविधा भी दी जाएगी। इसके लिए रोगियों को अपने पूर्व चिकित्सा रिपोर्ट साथ लाने का अनुरोध किया गया है, ताकि उन्हें सही परामर्श दिया जा सके।

शिविर का समय प्रातः 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक रहेगा, जबकि नाम पंजीकरण दोपहर 12 बजे तक ही किया जाएगा।

इस शिविर के लिए प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता, सुरेन्द्र गोयल, गोपाल सिंह, कुंदन सिंह एवं रघुनंदन सिंह संयोजक के रूप में सेवाएं दे रहे हैं। आयोजकों ने नागरिकों से इस निःशुल्क मेगा मेडिकल कैंप का अधिक से अधिक लाभ उठाने का आग्रह किया है।

रामचंद्र डोंग्रेजी महाराज गौशाला द्वारा आगामी 15 फरवरी को आयोजित जन्म शताब्दी महोत्सव मे भाग लेने 1008 महंत मदनमोहनदास, संजय सोलंकी, जैन संघ के महेन्द्र सिंघी व बाबुभाई जैन, आई.जी. गौशाला के पदाधिकारी, सिरवी समाज के भंवरलाल सिरवी आदि समाजबंधुओ को निमंत्रीत करते हुए नानजीभाई पटेल, जसमत पटेल, अशोक पटेल, जयंती पटेल, चमन पटेल, बलदेव पटेल, प्रभु पटेल, हसमुख पटेल, रिद्धीश जागीरदार एवं अन्य ।

परीलोक-आधुनिक विचारों का सशक्त महिला मंच की बैठक सम्पन्न

हैदराबाद, 22 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। परीलोक-आधुनिक विचारों का सशक्त महिला मंच की एक महत्वपूर्ण सभा सिमरन के संयोजन में माको ब्रेव, हैदरगुड़ा, हैदराबाद में आयोजित की गई। यह नए साल की प्रथम सभा थी, जिसमें महिला सशक्तिकरण एवं पारिवारिक मूल्यों से जुड़े विषयों पर सार्थक चर्चा की गई।नववर्ष की पहली बैठक में सभी महिला सदस्यों द्वारा बच्चों को मोबाइल से दूर रखने के विषय पर व्यापक चर्चा की गई। सदस्यों ने एकमत से माना कि बच्चों के शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक विकास के लिए मोबाइल का सीमित और नियंत्रित उपयोग अत्यंत आवश्यक है। सभा में यह भी निर्णय लिया गया कि संस्था की प्रत्येक मासिक बैठक में महिला सदस्यों की पारिवारिक एवं सामाजिक समस्याओं के समाधान पर सामूहिक रूप से विचार-विमर्श कर एकमत राय बनाई जाएगी, जिससे सभी को सकारात्मक दिशा एवं मार्गदर्शन मिल सके।इस अवसर पर संस्था की सदस्य रंजू अग्रवाल, ऋचा, लवली, सिमरन, टीना, मीनू, नीना, नवनीत, जोत एवं मुक्ता ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और विचार साझा किए। कार्यक्रम के सफल संचालन एवं संयोजन के लिए अंत में सिमरन को धन्यवाद प्रस्ताव दिया गया।

श्री खेमदास मठ में छह मंदिरों की प्राण-प्रतिष्ठा सम्पन्न

हैदराबाद, 23 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री खेमदास मठ, चूड़ी बाजार, बेगम बाजार में स्थित महासर माता, बावलिया बाबा (पंडित गणेश नारायणजी), अग्रसेनजी महाराज, सिद्ध हरिपुरुषजी महाराज, बाबा खेमदासजी महाराज एवं बाबा बालकदासजी महाराज के मंदिरों में मूर्तियों की प्राण-प्रतिष्ठा शुक्रवार, 23 जनवरी को विधिवत धार्मिक अनुष्ठानों के साथ भव्य रूप से संपन्न हुई।

श्री खेमदास मठ में छह मंदिरों का प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम विगत चार दिनों से चल रहा था। कार्यक्रम में सप्तचंडी यज्ञ आचार्य, विद्वान पं. सुनील कुमार शर्मा (सोनू महाराज) तथा महंत मनुदासजी महाराज के सान्निध्य में वैदिक पद्धति एवं मंत्रोच्चार के साथ प्राण-प्रतिष्ठा सम्पन्न कराई गई। देश के विभिन्न प्रांतों से पधारे आचार्य एवं मुनियों ने भजनों के माध्यम से पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया।

शुक्रवार को प्रातः 8.01 बजे से मंडलादि पूजन, मध्याह्न 12.21 बजे से मूर्ति प्राण-प्रतिष्ठा, सायं 4.41 बजे से हवन पूर्णाहुति, 5.21 बजे महाआरती तथा 6.00 बजे से महाप्रसादी का आयोजन किया गया।मठ परिसर में छह मंदिरों के अतिरिक्त राम रसोई का भी निर्माण किया गया है, जहाँ नित्य भगवानों का भोग-प्रसाद अर्पित किया जाएगा तथा प्रतिदिन नित्य अन्नदान की व्यवस्था रहेगी।

रात्रि 7.31 बजे से आयोजित भजन संध्या में प्रदीप शर्मा (दिल्ली), श्रीमती प्राची उपाध्याय (प्रयागराज), पंकज ओझा एवं संजय दाहिमा (हैदराबाद) ने अपनी मधुर वाणी से भजनों की प्रस्तुति दी।

महंत सांवर देवाचार्यजी महाराज के सान्निध्य में देश के विभिन्न प्रांतों से पधारे 50 से अधिक संत-महात्माओं ने भक्तों को दर्शन एवं आशीर्वाद प्रदान किया।

कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रधान संयोजक शशिकांत अग्रवाल, दिनेश कुमार अग्रवाल, राजकुमार अग्रवाल, अमरनाथ केड़िया, विशंभरलाल निमानी, गोपाल अग्रवाल, विनोद गोयल, नवरतन कानोड़िया, विनोद केड़िया, रविन्द्र कुमार अग्रवाल, विकास मोदी, दिनेश कुमार सिंघल, आशीष अग्रवाल, प्रमोद कुमार अग्रवाल, सुरेन्द्र कुमार अग्रवाल, आलोक भालोटिया, मनीष अग्रवाल, चन्द्रप्रकाश केड़िया, राधेश्याम अग्रवाल, रितेश कुमार अग्रवाल, रविन्द्र अग्रवाल, किशन अग्रवाल, गोविन्द अग्रवाल, तुषार अग्रवाल, प्रकाश गर्ग, सोनू वैभव अग्रवाल, शिव कुमार अग्रवाल, राजकुमार केड़िया, सत्यनारायण फोगला, वेणुगोपाल भालोटिया, नीरज केड़िया, संजय केड़िया, पंकज कुमार केड़िया, दीनबंधु अग्रवाल, टी. ओमप्रकाश सिंह, अक्षय स्वामी, यश स्वामी, चेतन स्वामी, धर्मदास स्वामी, राजेश पुजारी, रतन, श्री महासर माता भक्त मंडल, श्री गणेश फाउंडेशन तथा श्री खेमदास मठ के कार्यकर्ताओं का उल्लेखनीय सहयोग रहा।

फेल होना अनुभव अर्जित करना है : डॉ. महाजरीन बनजी

सिकंदराबाद, 23 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। अमेरिका की प्रतिष्ठित हार्वर्ड यूनिवर्सिटी की प्रोफेसर डॉ. महाजरीन आर. बनजी ने कहा कि जीवन में असफल होना दरअसल अनुभव पाना है, न कि हार मानना। उन्होंने विद्यार्थियों को असफलताओं से सीख लेकर आगे बढ़ने का संदेश दिया।

गुरुवार को पार्क लेन, सिकंदराबाद स्थित इठगउ पारसी हाई स्कूल की 107वीं वर्षगांठ स्कूल परिसर में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई।

इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने सभी अतिथियों का मन मोह लिया।मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित डॉ. महाजरीन आर. बनजी ने दीप प्रज्वलन के पश्चात अपने संबोधन में कहा कि यदि विद्यार्थी पुस्तकालय जाकर महान व्यक्तित्वों की आत्मकथाएँ पढ़ें, तो उन्हें यह समझ में आएगा कि उनकी हार और असफलताएँ ही उनकी सफलता की मजबूत नींव बनीं।

उन्होंने स्कूल के ट्रस्टी, प्रधानाचार्य एवं शिक्षकों को कमजोर वर्ग के विद्यार्थियों के शैक्षणिक विकास हेतु लगभग 15 लाख रुपये की छात्रवृत्ति प्रदान करने के लिए बधाई दी और इसे समाज के लिए प्रेरणादायक बताया।विद्यालय के प्रधानाचार्य विष्णुवर्धनाचारी एवं वरिष्ठ शिक्षक एम.बी.बी. सत्यनारायण ने कार्यक्रम की सफलता के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएँ कीं।कार्यक्रम में ट्रस्टी नादिर चिनाई, श्याम चिनाई, अभिभावकगण एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

राधे-राधे ग्रुप की सेवाएं सराहनीय : यमुना अग्रवाल

हैदराबाद, 23 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा संचालित नियमित अन्नदान कार्यक्रम में नामपल्ली स्थित पिलर नंबर 1265 के पास आयोजित सेवा कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाजसेवी एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे। कार्यक्रम में शिरकत करते हुए यमुना अग्रवाल ने राधे-राधे ग्रुप द्वारा की जा रही सेवाओं की सराहना की।

यमुना अग्रवाल ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि राधे-राधे ग्रुप द्वारा निरंतर, निस्वार्थ भाव से जरूरतमंदों को भोजन उपलब्ध कराना अत्यंत पुण्य और प्रेरणादायक कार्य है। उन्होंने कहा कि ग्रुप की सेवाएं वास्तव में सराहनीय हैं और इन सेवाओं का शब्दों में वर्णन करना कठिन है। समाज में इस प्रकार की सेवा भावना बहुत कम देखने को मिलती है।

उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप बिना किसी भेदभाव के मानव सेवा को ही ईश्वर सेवा मानकर कार्य कर रहा है, जो अन्य सामाजिक संगठनों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।

इस अवसर पर उपस्थित सभी सदस्यों ने सेवा कार्य को निरंतर जारी रखने का संकल्प लिया और समाज के अधिक से अधिक जरूरतमंद लोगों तक सहायता पहुँचाने की भावना व्यक्त की।

कार्यक्रम में उपस्थित प्रमुख सदस्यगण : रामप्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, जयप्रकाश सरडा, भगतराम गोयल, कैलाशचंद केडिया, निर्मला केडिया, रोहित अग्रवाल, गौरव गोयल, संजय गोयल, किरण गोयल, महेश गुप्ता, सुशील गुप्ता, शीतल गुप्ता, मनीष गुप्ता, निशा गुप्ता, दीपक अग्रवाल, प्रीति अग्रवाल, नंदकिशोर अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, प्रीतिका अग्रवाल, यमुना अग्रवाल, कनिष्का अग्रवाल, जपेश अग्रवाल सहित राधे-राधे ग्रुप के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

आज का अल्पाहार
राधे राधे ग्रुप

स्व. श्री सत्यनारायणजी गुप्ता
की पुण्य स्मृति में
श्री रामेश्वरदयालजी सत्यनारायणजी गुप्ता
वितरण स्थल : इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के सामने, के.बी.आर गार्डन के पास
SATISH KUMAR GUPTA 92465 05234
JAGAT NARAYAN AGARWAL 92465 35311
RAM PRAKASH GOEL 93910 14283
MAHESH AGARWAL 98490 98502

भक्ति और उत्साह के साथ मनाया गया श्रीश्रीश्री नल्ला पोचम्मा मंदिर का द्वितीय वार्षिकोत्सव

मंदिर समिति और बजरंग सेना तेलंगाना की संयुक्त पहल पर एक विशाल अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम बजरंग सेना तेलंगाना के अध्यक्ष एन. आर. लक्ष्मण राव के नेतृत्व में आयोजित हुआ।

हैदराबाद, 23 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। वसंत पंचमी के शुभ अवसर और कोठी बैंक स्ट्रीट स्थित रानी पार्क के पास विराजमान श्रीश्रीश्री नल्ला पोचम्मा मंदिर की दूसरी वर्षगांठ के उपलक्ष्य में भव्य धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पूरे क्षेत्र में भक्ति और आध्यात्मिक उत्साह का माहौल रहा।

मंदिर की दूसरी वर्षगांठ के उपलक्ष्य में विशेष पूजा-अर्चना की गई, जिसमें पूर्ण भक्ति भाव के साथ मचंडी होममफ संपन्न हुआ। इस पवित्र अनुष्ठान में स्थानीय भक्तों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और विश्व शांति एवं जनकल्याण की प्रार्थना की। मंत्रोच्चार और आहुतियों से पूरा मंदिर प्रांगण भक्तिमय हो उठा। होमम के संपन्न होने के पश्चात, कार्यक्रम को सफल बनाने में श्रीकांत, साई, रामेश्वर, नरेश और विजय ने सक्रिय भूमिका निभाई। इस पावन अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं और स्थानीय निवासियों ने प्रसाद ग्रहण किया और माता का आशीर्वाद प्राप्त किया। मंदिर समिति ने इस आयोजन में शामिल होने वाले सभी भक्तों का आभार व्यक्त किया।

IN THE COURT OF THE HON'BLE XIX JUNIOR CIVIL JUDGE, CITY CIVIL COURT, AT : HYDERABAD :
O.S.No. 90 of 2026
Between :
Manjula Dineshdutt Pandey &others ... Plaintiffs.
And
The Tahsildar, Saidabad Mandal, Hyderabad, and All concerned ... Defendants.
Whereas, the above named Plaintiffs filed the above suit for declaring of the legal status of the Plaintiffs as only the legal heirs / Status of late Dinesh Dutt Pandey died on 01-06-1994. You are hereby take notice summoned to appear before the court in person or through counsel duly instructed and able to answer all such questions on 10th day of February, 2026 (10-02-2026) at 10.30 a.m, and further you are hereby directed to file Written Statement/Counter from receipt of this notices of your defense, that in default the above case will be decided on merits in your absence according to law.
(By order of the Hon'ble Court)
K.HARISH KUMAR, Advocate.
Flat No.403, 4th Floor, H.No. 17-1-383/89, Ravi Kiran Apartments Vinay Nagar Colony, Saidabad, Hyderabad – 500 059.
Cell : 9346494936.

DAILY शुभ लाभ — Classifieds — FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME & DOB
I, Army No 15824833W Hav Saidhul Rashid k of AOC Records, Secunderabad, C/o 56 APO that my Mother name is changed from NAFEESA MK to NABEESA and my father name & Date of birth changed from SAYD K, DOB:03 Aug 1959 to SAID, DOB:01 Jan 1960

CHANGE OF NAME & DOB
I, SAIDHUL RASHID son of SAID resident of Kunnummel, Pothukallu, Munderi, Nilambur, Malappuram Kerala, 679334, presently come down to Secunderabad, in my Service Document my mother's name is recorded as NAFEESA MK. Hereby state that my mother's correct name is NABEESA as recorded in her Aadhar, Pan card & my father's name is SAID as recorded in my Aadhar, Pan card but in my Service Document my father's name is recorded as SAYD K & in my Service Document his date of birth is recorded as 03.08.1959. my father's correct date of birth is 01.01.1960 as recorded in his pan card.

CHANGE OF NAME
I, No.16112974H L Hav CHALLA VENKATESWARLU, Residing at Vennavada, Atmakur, Nellore, Andhra Pradesh-524322 hereby declare that my mother name is changed from CHALLA PEMCHLIAMA to CHALLAA PEDAPENCHALAMMA vide affidavit dt:23-01-2026 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad

CHANGE OF NAME & DOB
I, RAMRATI DEVI mother of Service No. 16118831Y L/NK PRADEEP YADAV, Resident of Vill:Khatoli Jat, PO:Kamaneia, Teh:Nangal Choudhary, Dist:Mahendergarh (Haryana), Haryana-123023 have changed my name and DOB from RAMRATI, DOB:01-07-1965 to RAMRATI DEVI, DOB:21-05-1956 vide affidavit dt:23-01-2026 before G.Shobha, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME & DOB
I, OM PRAKASH father of Service No. 16118831Y L/NK PRADEEP YADAV, Resident of Vill: Khatoli Jat, PO:Kamaneia, Teh:Nangal Choudhary, Dist:Mahendergarh (Haryana), Haryana-123023 have changed my name and DOB from OMPRAKASH YADAV, DOB:01-07-1961 to OM PRAKASH, DOB:05-05-1964 vide affidavit dt:23-01-2026 before G.Shobha, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, Service No. 15420454P Nk/DVR (MT) SOMAYYA HIREMATH, Resident of Vill:Honnidibba, PO:Hoolikatti (KTR), Teh:Kittur, Dist:Belagavi, Karnataka-591112 hereby declare that my mother name is changed from KASHAWWA to KASHAVVA HIREMATH vide affidavit dt:23-01-2026 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

श्री पहाड़ी श्याम मंदिर का तृतीय वार्षिकोत्सव भव्यता के साथ सम्पन्न

अलौकिक दरबार, दिव्य श्रृंगार एवं भजन संध्या रहे विशेष आकर्षण

हैदराबाद, 23 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री पहाड़ी श्याम मंदिर, महिंद्रा हिल्स, सिकंदराबाद में प्राण-प्रतिष्ठा/प्रथम दर्शन दिवस एवं बसंत पंचमी के पावन अवसर पर शुक्रवार, 23 जनवरी को मंदिर का तृतीय वार्षिकोत्सव श्रद्धा, भक्ति एवं उल्लास के साथ मनाया गया।तृतीय वार्षिकोत्सव के अवसर पर भक्तों के दर्शनार्थ मंदिर प्रातः 7.30 बजे से मध्याह्न 12.00 बजे तक तथा सायं 4.30 बजे से मध्यरात्रि 12.00 बजे तक खुला रहा। इस दौरान सैकड़ों श्रद्धालुओं ने श्याम बाबा के दर्शन कर पुण्य लाभ प्राप्त किया।

प्रातः 8.30 बजे से बाबा श्याम के बसंती वस्त्र भक्तों में प्रसाद स्वरूप वितरित किए गए।

अलौकिक दरबार एवं दिव्य श्रृंगार

इस अवसर पर मंदिर परिसर को भव्य रूप से सजाया-संवारा गया। अलौकिक दरबार एवं दिव्य श्रृंगार श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बने रहे, जिससे संपूर्ण वातावरण भक्तिमय हो उठा।

भजन संध्या में झूमे श्याम दीवाने

श्याम दीवानों द्वारा सायं 6.31 बजे से मध्यरात्रि तक भव्य भजन संध्या का आयोजन किया गया। इसमें कोलकाता के सुप्रसिद्ध गायक गोविंद दमानी एवं अजमेर की पिंकी गहलोत ने सुमधुर भजनों की प्रस्तुति देकर भक्तों को भावविभोर कर दिया।

इस अवसर पर अरुण डाकोतिया, विजय अग्रवाल, ट्रस्टी अशोक सिंघानिया, रवि सबलका, राहुल अग्रवाल, सुरेश अग्रवाल, प्रवीण अग्रवाल, अक्षय डाकोतिया, बृजेश मोदी, रुपेश सिंघानिया, सुरेश अग्रवाल (नाचराम), अनिल कुमार (रानीगंज) सहित सैकड़ों की संख्या में भक्त एवं विभिन्न श्याम प्रेमी संस्थाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

ऑन दि स्पाट एफआईआर सज्जनार की सख्त हिदायत

हैदराबाद, 23 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद के पुलिस आयुक्त वी.सी. सज्जनार ने गुरुवार को थानों के प्रभारियों (एसएचओ) और पुलिस अधिकारियों को कड़े निर्देश देते हुए स्पष्ट किया है कि अब प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) अपराध स्थल पर ही जारी की जानी चाहिए। यह कदम पुलिसिंग को अधिक नागरिक-अनुकूल बनाने की दिशा में एक बड़ा बदलाव माना जा रहा है।

तेलंगाना पुलिस के पीड़ित और नागरिक-केंद्रित दृष्टिकोण के अनुशासित कार्यान्वयन को लेकर तेलंगाना स्टेट पुलिस इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर (टीजीआईसीसीसी) में एक संवेदीकरण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में सीपी सज्जनार ने दो टूक कहा कि दुर्घटनाओं, अप्राकृतिक मौतों और चोरी के मामलों में एफआईआर मौके पर या अस्पताल में ही दर्ज की जानी चाहिए।

पुलिस आयुक्त ने स्पष्ट किया कि किसी भी पीड़ित को अनावश्यक रूप से पुलिस स्टेशन आने के लिए मजबूर नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि जवाबदेही सर्वोपरि है। जो अधिकारी इन आदेशों का पालन करने में विफल रहेंगे, उनके खिलाफ सख्त विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

प्रणाली में पारदर्शिता सुनिश्चित करने और पुलिस अधिकारियों की जवाबदेही तय करने के लिए एक हेल्पलाइन नंबर भी साझा किया गया है। यदि कोई अधिकारी नियमों का उल्लंघन करता है या एफआईआर दर्ज करने में आनाकानी करता है, तो नागरिक इसकी रिपोर्ट 94906 16555 पर कर सकते हैं।

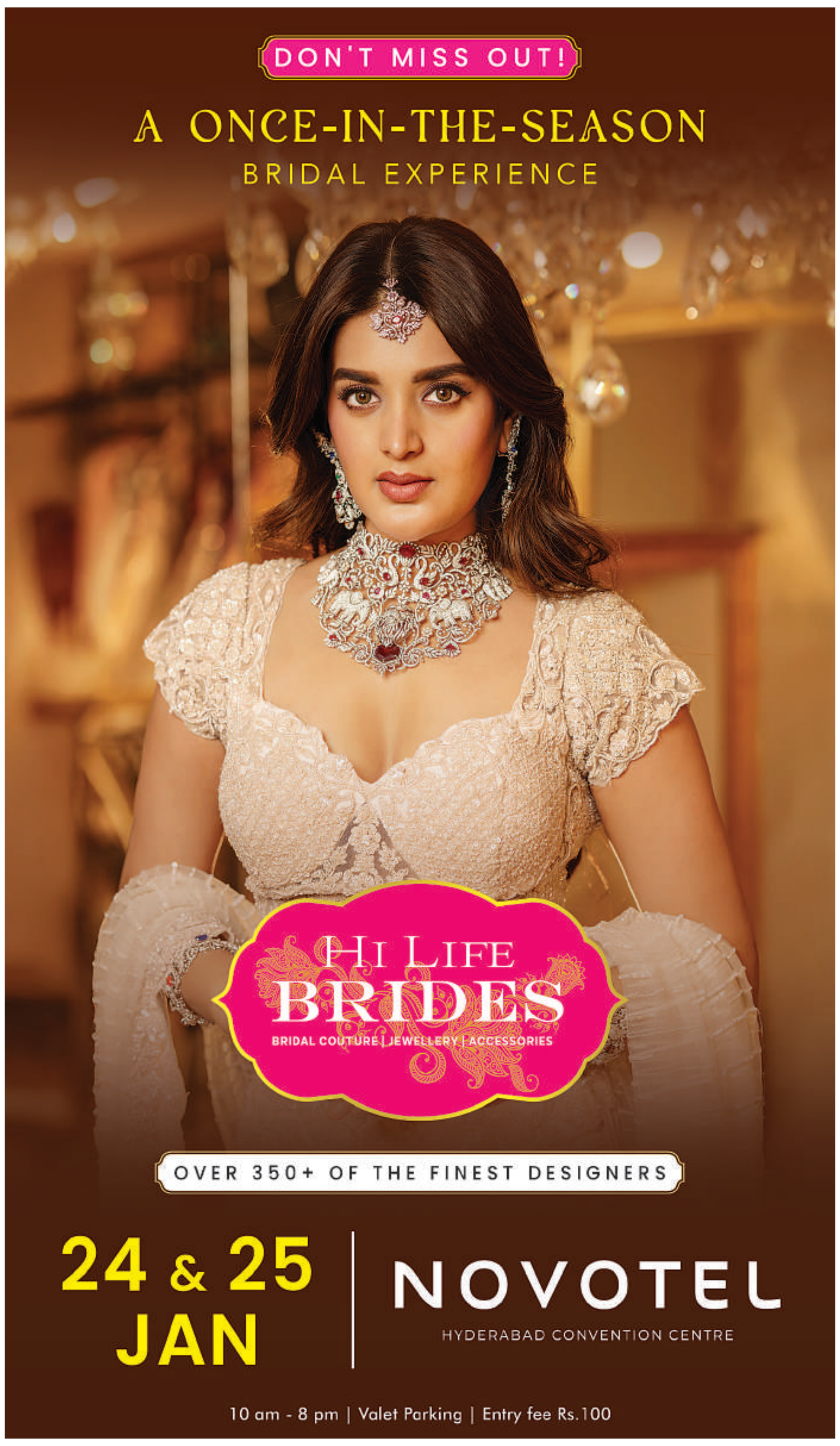

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.